DIRECTORATE OF EDUCATION
VOCATIONAL EDUCATION BRANCH
GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

ROOM NO. 201-207, 2ND FLOOR, SCIENCE CENTRE, LINK ROAD, KAROL BAGH, NEW DELHI-110005

SUPPORT MATERIAL

Skill Subject: Financial Markets Management

वित्तीय बाज़ार प्रबंधन

(Subject Code: 405)

Class: X

Medium: Hindi (हिंदी)

Subject - Financial Markets Management

Subject Code - 405

Vocational Coordinator Name- Shyam Sunder

(Email - shyamsunder.aisect@gmail.com)

S.No.	Unit Name	Topic / Sub-Topic	Prepared By (Name of Vocational Trainer)	School Name	Email ID	Checked By
1	Unit -1 INVESTMENT BASICS	Savings,Investment, Interest	Neetu Sharma	GGSSS R.K.PuramSect-4	neetusharma21373@gmail.com	Shyam Sunder
2	Unit- 2 SECURITIES	IPO,FPO,Registrar	Neeru. S. Sahoo	SKV-Moti Nagar	neerusahoo84@gmail.com	Shyam Sunder
3	Unit – 3 PRIMARY MARKET	Participants, Functioning, Role in Fund Raising	Rakhee	GGSSS no.2 Badarpur	rakheejoon005@gmail.com	Shyam Sunder
4	Unit -4 SECONDARY MARKET	Stock Exchange,Brokerage, Diversification	Manju Kumari	Govt Coed ,SSS,A-blk,Metro Vihar, Holambi kalan	vatsmanju21@gmail.com	Shyam Sunder
5	Unit – 5 DERIVATIVES	Futures,Options,Call and Put	Parveen Kumar	SV Kitchner Road	parveen0010@gmail.com	Shyam Sunder
6	Unit – 6 DEPOSITORY	Dematerilization	Bharti	SKV No.2 khyala	bhartichauhan283@gmail.com	Shyam Sunder
7	Unit – 7 MUTUAL FUNDS	NAV,AMC,NFO,ETF	Md. Jabbad Quraisi	SKV Tuglakabad Village	jabbadpu@gmail.com	Shyam Sunder
8	Unit -8 MISCELLANEOUS	Stock Split,NIFTY,SENSEX	Abhay Kumar Roy	GBSSS, Rajouri Garden Main	jabhay1987@gmail.com	Shyam Sunder
9	Unit – 9 CONCEPTS & MODES OF ANALYSIS	Simple Interest,Compound Interest,	Jyoti Arora	SKV - B-Block, Janakpuri	jyotia075@gmail.com	Shyam Sunder
10	Unit – 10 RATIO ANALYSIS	Liquidity Ratio,Profitabilty Ratio,Capital Structure	Vinod Kumar Gupta	GBSSS DHANSA	vkguptaji@gmail.com	Shyam Sunder

विषय सूची

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1	निवेश् की मूल बाते	4
2	सिक्योरिटीज	8
3	प्राथमिक बाजार	13
4	सेकेंडरी बाजार का अर्थ	17
5	डेरिवेटिव	23
6	न्यासी (डिपोजिटरी)	33
7	म्यूचुअल फंड	36
8	विविध	44
9	विश्लेषण की अवधारणा और प्रकार	49
10	सैंपल पेपर -1	63
11	सैंपल पेपर -2	74
12	सैंपल पेपर -3	80

अध्याय् 1

निवेश् की मूल बाते

निवेश की परिभाषा -

- बचत को आय के रूप में प्राप्त करना निवेश है।

निवेश की ज़रूरत -

- -आय में वृद्धि करने के लिए,
- -भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए आर्थिक रूप से तैयार रहने के लिए और
- -लक्ष्य प्राप्ति के लिए आर्थिक रूप से मज़बूत रहने के लिए निवेश आवश्यक है।

निवेश करने का सही समय -

- -बाज़ार की स्थितरता निवेश शुरू करने का सही समय है ,
- -निवेश करने के बाद इसकी निरंतरता ज़रूरी है,
- -लम्बे समय के लिए किया गया निवेश अधिक लाभ प्रदान करता है ।

निवेश करते समय सावधानी-

- निवेश के समय ज़रूरी है कि सम्बंधित फर्म और दस्तावेज़ों के ब्योरे को ध्यान पूर्वक जांचें,
- निवेश के लाभ, निवेश की लागत और इसके जोखिम को समझे,
- निवेश करते समय धन की सुरक्षा और कम्पनी की प्रमाणिकता की जांच करें,
- निवेश के लिए किसी एक विकल्प पर निर्भर न रहें,
- अधिकृत और मान्यता प्राप्त प्लेटफार्म पर निवेश करना सुरक्षित रहता है,
- निवेश से पहले आर्थिक सलाहकार से विचार विमर्श निवेश को सुरक्षित बनाता **है।**

ब्याज (INTEREST)

- उधार लिए गए धन के उपयोग करने के एवज में कर्जदाता द्वारा मूलधन के साथ लौटाई जाने वाली राशि को ब्याज कहते हैं।

ब्याज दर निर्धारण -

ब्याज दरों को निर्धारित करने वाले कारक मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था पर आधारित होते हैं इनमें ,

- महंगाई की दर,
- धन की आपूर्ति,
- धन की मांग,
- रिज़र्व बैंक और सरकार द्वारा तय गई नीतियां।

निवेश के विकल्प -

निवेश के लिए दो तरह के विकल्प उपलब्ध है

- पहला भौतिक सम्पति जैसे रियल एस्टेट, सोना चांदी आदि आभूषण।

- दूसरा वित्तीय सम्पति जैसे बैंक में सावधि जमा, डाकघर में बचत योजना, स्टॉक मार्केट और म्युचअल बांड आदि।

निवेश के उपलब्ध वित्तीय सम्पतियों को दो श्रेणियों में रखा गया है -

(1) कम समय के लिए निवेश -

- कम समय के लिए उपलब्ध निवेश में मुख्य रूप से

बचत बैंक खाता - (Saving Bank Acount)

- वर्तमान बैंकिंग व्यवस्था में बचत बैंक खाता धारकों की संख्या सबसे अधिक है। इसके अंतर्गत चार से पांच प्रतिशत की दर से वार्षिक ब्याज प्रदान किया जाता है।

सम्पति बाजार या लिक्विड फंड -(Money Market or Liquid Fund)

- ये म्युचुअल फंड का विशिष्ट रूप है, इसके अंतर्गत निवेश की गई रकम को आप कम समय में नकद के रूप में प्राप्त कर सकते हैं।
- लिक्विड फंड निवेशक के धन को सुरक्षा प्रदान करता है और बेहतर प्रतिफल देता है।
- बचत बैंक ककाते की तुलना में बेहतर मुनाफ़ा देते है।

सावधि जमा -(Fixed Deposits)

- इसके अंतर्गत निवेश की समय सीमा निर्धारित होती है जो कि कम से कम तीस दिनों की है।
- इसमें जोखिम की सबसे कम संभावनाएं होती है।
- अधिक लाभ लेने के लिए कम से कम 6 और अधिकतम 12 महीनों के लिए निवेश करना बेहतर विकल्प है।

लम्बे समय के लिए वित्तीय विकल्प -

डाक घर बचत -(Post office Saving)

- ये एक मासिक स्कीम है, जिसमें 8 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से प्रतिफल प्राप्त होता है ,
- इसके अंतर्गत एक हज़ार रूपए से लेकर तीन लाख तक के व्यक्तिगत निवेश की व्यवस्था दी गई है।
- 6 वर्ष की समयसीमा तक निवेश करने करने पर 6 प्रतिशत बोनस अतिरिक्त रूप से प्रदान किया जाता है।

सार्वजनिक भविष्य फंड -(Public Provident Fund)

- इसमें अधिकतम 15 वर्ष तक के लिए निवेश होता है।
- निवेशक को अधिकतम 8 प्रतिशत की ब्याज दर प्राप्त होती है।

- ये निवेश पूर्ण रूप से कर मुक्त होता है।
- निवेशक सातवें वित्तीय वर्ष में अपनी कुल रकम का 50 प्रतिशत हिस्सा बैंक से निकाल सकता है।

कम्पनी सावधि जमा -(Company Fixed Deposits)

- निवेशक किसी भी कम्पनी के साथ कम से कम 6 महीने और अधिकतम पांच वर्ष तक की समय सीमा में निवेश कर सकता है।
- ये निवेश कर के दायरे में होते हैं और निवेशक को 9 प्रतिशत की दर से ब्याज वहन करना होता है।
- निवेशक को सुविधा देने के लिए इसमें मासिक, तीन माह, छह माह और एक वर्ष के लिए निवेश का विकल्प प्रदान किया जाता है।

बॉण्ड (Bond)

- यह एक ऋण के साधन (debt instrument) है ।
- इसमे कंपनी मूल धन के साथ ब्याज भी प्रदान करती है ।
- ज़्यादातर केंद्रीय (central) सरकारे या राज्य(state) सरकार ही बॉन्ड बेचती है ।

म्यूच्युअल फण्ड (Mutual Fund)

- यह् वह वित्तीय उपक्रम है जिसमे निवेश्को से धन एकत्र करके वित्तीय प्रबंधकों (फंड मैनेजर) द्वारा अलग अलग छेत्रो(असेट्स) मे लगाया जाता है ।
- जैसे स्टॉक, बॉन्ड,विदेशी मुद्रा आदि ।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिंदू

स्टॉक एक्सचेंज (Stock Exchange)

- इसको सिक्योरिटी व्यापार को सहयता देने (खरीदने बेचने), नियंत्रित करने तथा सुरक्षा प्रदान करने के लिए गठन किया गया है।
- यह राष्ट्रीय और क्षैत्रीय् भी हो सकते है।

ऋण (Debt)

- बॉन्ड एक debt instrument है।जो सरकारी संस्था द्वारा दिया जाता है ।
- एक पार्टी दूसरी पार्टी को पूर्व् निर्धरित् शर्तो (ब्याज,समय) आधार पर धन उधार देती है।

डेरिवेटिव (Derivetive)

- यह एक प्रोडक्ट है, जिसका मूल्य उसे प्रभावित करने वाली वस्तुओ(underline Assets) से लिया जाता है ।

इंडेक्स(INDEX)

- सिक्योरिटी बाजार के उतार चढ़ाव की सूचना इंडेक्स से प्राप्त होती है। इसे सिक्योरिटी बास्केट भी कहते है ।

न्यासी (Depository)

- सिक्योरिटी को इलेक्ट्रेनिक रूप मै रखने वाली संस्था को न्यासी कहा जाता है ।

डिमेट्रियलाइजेशन (Demetrialization)

- डिमेट्रियलाइजेशन मतलब मैटेरियल से मुक्त अथवा भौतिक पत्रो को (पेपर) इलेक्ट्रेनिक रूप में बदलना ही डिमेट्रियलाइजेशन है ।

अध्याय् 2

सिक्योरिटीज

सिक्योरिटीज कान्ट्रैक्ट

सिक्योरिटीज कान्ट्रैक्ट रेगुलेशन एक्ट (SCRA), 1956 के तहत कोई भी लिखित जैसे कि शेयर, बोड, स्ट्रॉक यर अन्य विपणन योग्य उन लिखित 'सिक्योरिटीज के योग्य हैं।

संसाधनों का स्थानांतरण जिनके पास है वह निष्क्रिय संसाधन है

निष्क्रिय संसाधन " अन्य जिनके पास है उनके लिए एक आवश्यकता है। (कंपनी)

जिनप्रतिभूतियों में निवेश कर सकते हैं वह हैं :-

1. शेयर
2. बांड और डिबेंचर
3. सरकारी प्रतिभूतियां
4. व्युत्पन्न उत्पाद
5. म्युचुअल फंड की इकाइयां

रेगुलेटर

प्रतिभूति बाजार को नियामक की आवश्यकता क्यों हैं?

बाजार सहभागियों के वांछित व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए | निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए।

प्रतिभूति बाजार को कॉन-कौन नियंत्रित करता है?

1. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)
2. कंपनी मामलों का विभाग (डीसीए)
3. आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए)
4. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबी आई)

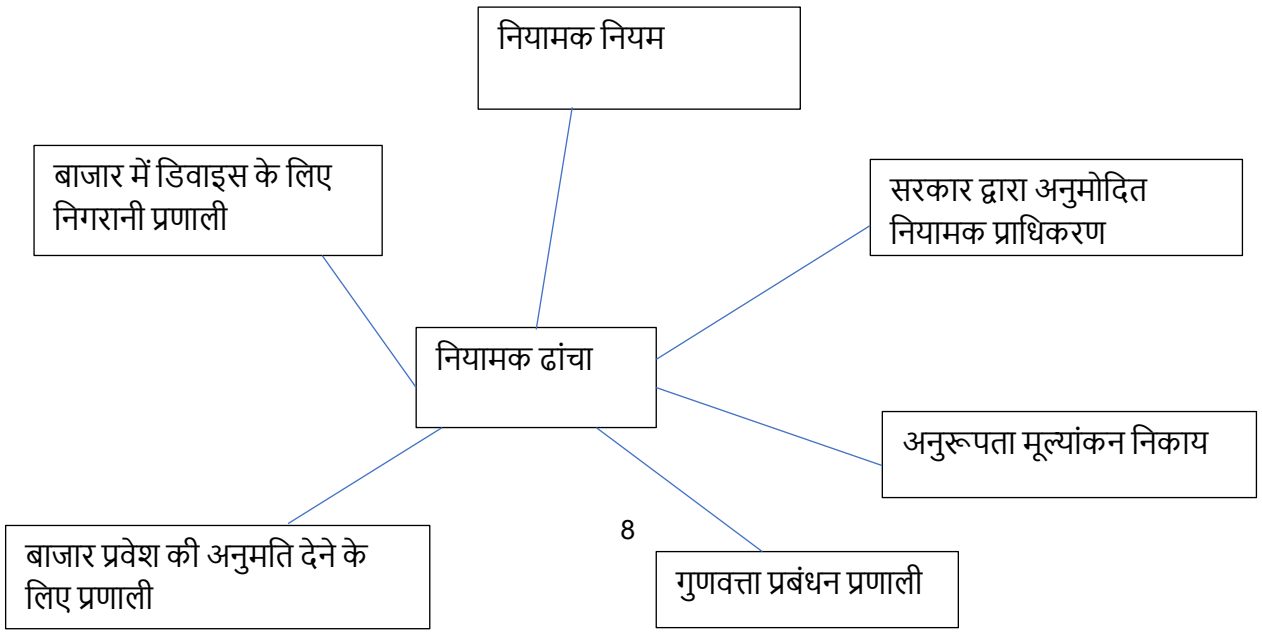

- **सेबी क्या है और इसकी क्या भूमिका है?**

  सेबी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड - भारत में नियामक प्राधिकरण है

सेबी की भूमिका

1. निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए |
2. प्रतिभूति बाजार के विकास को देना। बढ़ावा
3. प्रतिभूति बाजार को विनियमित करने के लिए।

सेबी की शक्तियाँ

1. स्टॉक एक्सचेंज में व्यापार को विनियमित करें।
2. पंजीकरण और स्व-नियाजक संगठन को बढ़ावा देना और विनियमित करना।
3. स्व नियामक संगठन को बढ़ावा देना और विनियमित करना।
4. धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार प्रथाओं पर रोक लगाएं

सेबी के कार्य

1. प्रतिभूतियों में अंतरंगी लेन-देन पर रोक लगाना
2. शेयरों के पर्याप्त अधिग्रहण को विनियमित करना और कंपनियों का अधिग्रहण
3. प्रतिभूति बाजार में निवेशकों की शिक्षा और बिचौलियों के प्रशिक्षण को बढ़ावा देना
4. में स्टॉक स्टॉक एक्सचेंजों, एक्सचेंजो विचौलियों और प्रतिभूति बाजार में की जानकारी के लिए कॉल करना करना, पूछताछ करना और ऑडिट करनाnहै और इसकी भूमिका क्या है?

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड - भारत में नियामक प्राधिकरण

सेबी की भूमिका

1. निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए |
2. प्रतिभूति बाजार के विकास को बढ़ावा देना।
3. प्रतिभूति बाजार को विनियमित करने के लिए।

सेबी की शक्तियाँ

1. स्टॉक एक्सचेंज में व्यापार को विनियमित करें।
2. पंजीकरण और स्व-नियाजक संगठन को बढ़ावा देना और विनियमित करना।
3. स्व नियामक संगठन को बढ़ावा देना और विनियमित करना।
4. धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार प्रथाओं पर रोक लगाएं

सेबी के कार्य

1. प्रतिभूतियों में अंतरंगी लेन-देन पर रोक लगाना
2. शेयरों के पर्याप्त अधिग्रहण को विनियमित करना और कंपनियों का अधिग्रहण
3. प्रतिभूति बाजार में निवेशकों की शिक्षा और बिचौलियों के प्रशिक्षण को बढ़ावा देना
4. प्रतिभूति बाजार में स्टॉक एक्सचेंजों, विचौलियों और स्व- नियामक संगठनों की जानकारी के लिए करना, पूछताछ करना और ऑडिट करना निरीक्षण

Mind Map

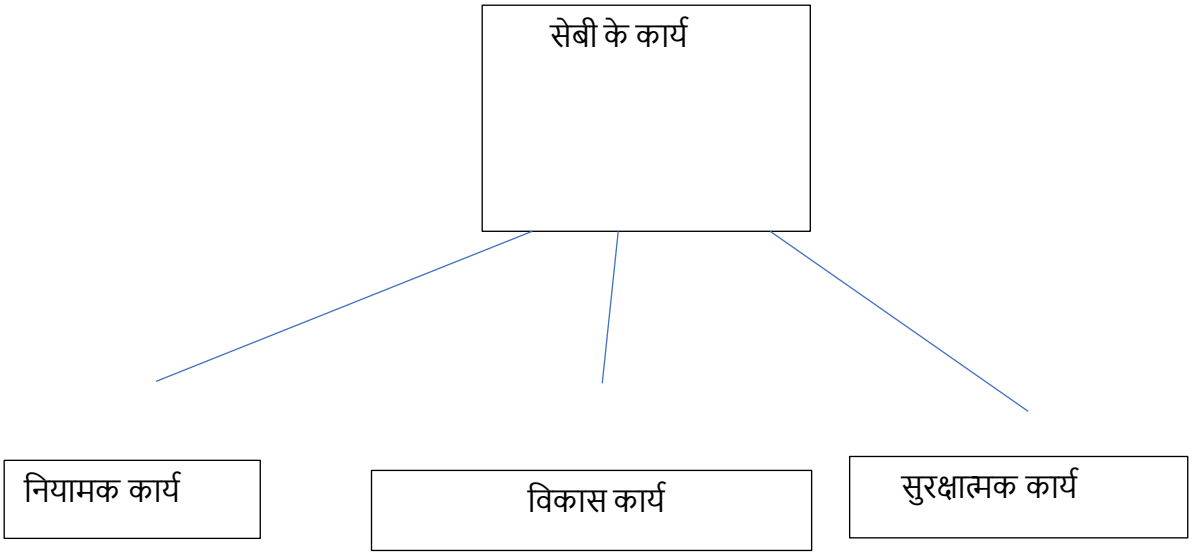

1. स्जेंटो और दलालों को पंजीकृत करने के लिए।	1. एजेंटों को पंजीकृत, करने के लिए	1 इनसाडर ट्रेडिंग को रोकने के लिए
2. नियमों के उल्लंघन के लिए जुर्माना और शुल्क लगाना	2 नियमों को सूचित करने के लिए नियम	2 . व्यापार को बढ़ावा के लिए |
3. अनुचित और धोखाधड़ी प्रधाओं को रोकने के लिए	3 अनुचित और धोखाधड़ी प्रथाओं को रोकने के लिए।	3 अनुचित और धोखा घड़ी व्यापार गतिविधियों को रोकने के लिए |

SECURITIES MIND MAP

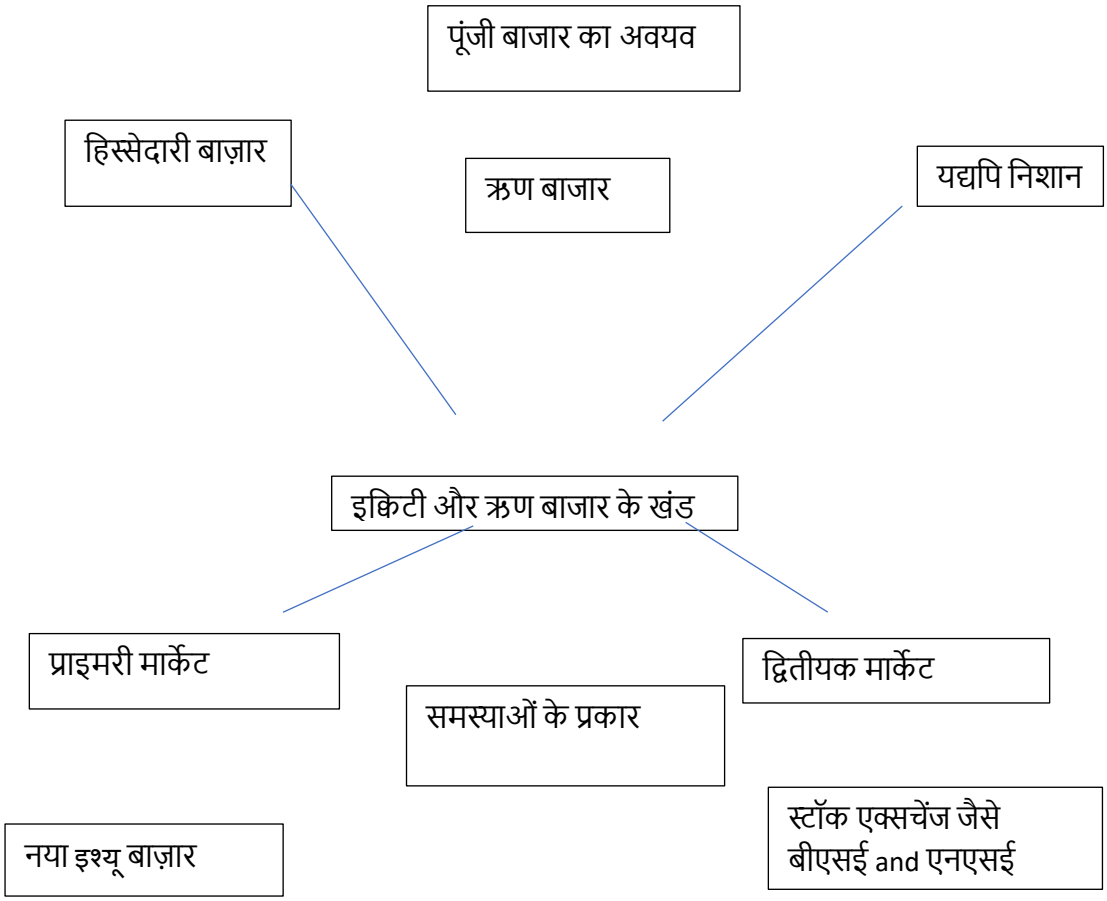

1. आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (Initial Public offering)	1. कॉर्पोरेट कारवाई (corporate Action)
2. आगे का इश्यू (Further Issue)	2. वापस खरीदना (Buy Back)
3. राइट्स इश्यू (ligule Issue)	3. इंडेक्स (Index)
4. तरजीही इश्यू (Preferential Issue)	4.सैंसेक्स (Sensex)
	5. निफ्टी (Nifty)

प्रतिभागियों : - जारी कर्ता, निवेशक और मध्यस्थ

प्रतिभूति बाजार के खंड ?

1 प्राइमरी बाज़ार (primary Market)

2 द्वितीयक बाज़ार (Secondary Market)

प्रश्न (Questions)

1. सिक्योरिटीज किसे कहते हैं?
2. कौन सी प्रतिभूतियां हैं जिनमें निवेश किया जा सकता है?
3. नियामक कौन हैं?
4. प्रतिभूति बाजार को नियामक की आवश्यकता क्यों है?
5. प्रतिभूति बाजार को कौन विनियमित करते हैं?
6. सेबी से आपका क्या मतलब है?
7. सेबी की क्या भूमिकाएँ हैं?
8. सेबी के पास क्या शक्तियाँ हैं?
9. पार्टिसिपेंट कौन हैं?
10. प्रतिभूति बाजार के दो खंड लिखें? इसे समझाओ?

अध्याय - 3

प्राथमिक बाजार

प्राथमिक बाजार

प्राथमिक बाजार नई प्रतिभूतियों का एक स्त्रोत है। प्राथमिक बाजार में, नए स्टॉक और बांड पहली बार जनता को बेचे जाते है। प्राथमिक बाजार एक माध्यम है जिसकी मदद से कोई भी कंपनी अपने विकास के लिए फण्ड को एकत्रित कर सकती है। ये अंकित मूल्य पर या छूट अथवा प्रिमियम पर सिक्योरिटी निर्गम कर सकते है।

विभन्न प्रकार के निर्गम

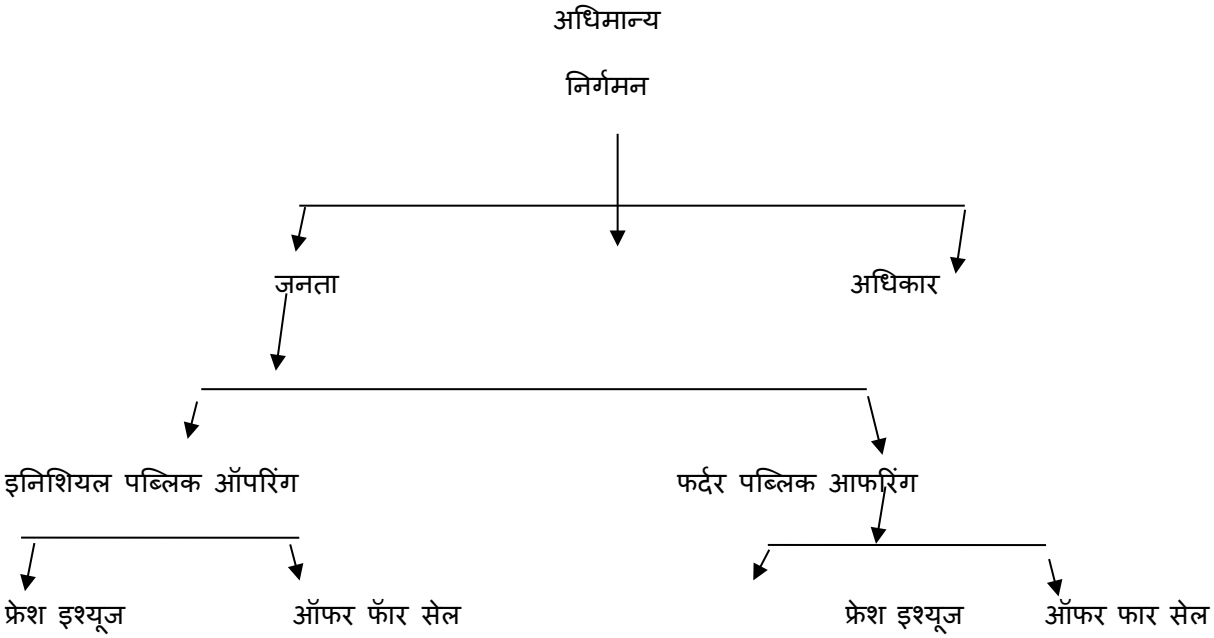

प्राथमिक जन प्रस्ताव (IPO) क्या है?

जब एक कंपनी अपने सामान्य स्टॉक या शेयर पहली बार जनता के लिए जारी करती है तो उसे आइपीओ अथवा "प्राथमिक जन प्रस्ताव" कहा जाता है।

निर्गमन (Issues) मूल्य का क्या अर्थ है?

वह मूल्य जिस पर प्रारंभ में कपंनी के शेयर को प्राथमिक बाजार में निर्गम किया जाता है। निर्गम मूल्य कहलाता है।

बाजार पूंजीकरण से क्या तात्पर्य है?

किसी कंपनी का बाजार मूल्य उसके वर्तमान शेयर मूल्य को उपलब्ध शेयर की संख्या से गुणनफल द्वारा किया जाता है, बाजार पूंजीकरण कहलाता है।

अंतिम मूल्य क्या है?

अंतिम मूल्य वह मूल्य होता है जिस पर निवेशको को शेयर इश्यू किया जाता है। निर्गम मूल्य कीमत बैंड में पाये जाने वाले कोई भी मूल्य या प्रारंभिक मूल्य से ऊपर का कोई भी मूल्य हो सकता है। यह अंतिम मूल्य कहलाता है।

विवरण सूची क्या है?

विवरण सूची 'विवरण पुस्तिका' के रूप में होते है, जिसमे निर्गमन का आकार, कम्पनी की वर्तमान स्थिति, उसकी इक्विटी पूंजी, प्रोडक्ट और क्षमता इत्यादि जैसी सूचना शामिल होती है। विवरण सूची कहलाती है।

निर्गमन में रजिस्ट्रार की क्या भूमिका होती है?

रजिस्ट्रार अमान्य आवेदको को हटाकर योग्य आबंटको की सूची को अंतिम रूप देता है।

पुस्तक निर्माण के मामले में प्रारंभिक मूल्य वह न्यूनतम मूल्य है। जिस पर डाक या बोली लगाई जाती है।

लॉक - इन से क्या तात्पर्य है?

लॉक इन शेयर की बिक्री में कुछ अवधि के लिए रूकावट को सूचित करता है।

सिक्योरिटी के सूचीकरण

यह वह प्रक्रिया है जिसमें कम्पनियों के शेयर या सुरक्षा प्रतिशतों को वित्तिय बाजर में पंजीकृत और सूचीबद्व किया जाता है। जिसमें कंपनी अपने शेयरो को सार्वजनिक बाजार में उपलब्ध करती है।

ड्राफ्ट प्रस्तावित दस्तावेज

ड्राफ्ट प्रस्तावित दस्तावेज स्टॉक मार्किट में एक प्रमुख मार्गदर्शक दस्तावेज होता है जिसें कम्पनी अपने आगामी आदेश के लिए प्रस्तुत करती है। जिसमें निम्नलिखित जानकारी होती है।

1. वित्तिय सूचना
2. कारोबारी योजना
3. सदस्यता का विवरण

सिक्योरिटी का डीलिस्टिंग (Delisting)

सूचीबद्ध कंपनी की सिक्योरिटी को स्टॉक एक्सचेंज से स्थायी रूप से हटाना होना है।

अमेरिकी डिपॉजिटरी (रिसिप्ट्स) पावती योजनाः

यह एक प्रकार का इंडियन ग्लोबल डिपॉजटरी रिसिप्ट्स है, जो अमेरिका बाजार में विदेशी कंपनीयो के शेयरो को ट्रेड करने की सुविधा प्रदान करता है।

ए डी एस (अमेरिकन डिपोजटरी शेयरः

यह एक प्रकार का वित्तिय इंस्ट्रमेंट होता है जिसमें विदेशी कंपनी एक डिपॉजटरी बैंक के साथ समझौता करता है तो इसके शेयरो को आबंटित करता है। फिर न्यासी द्वारा शेयरो को अमेरिकी डिपॉजटरी शेयर के रूप में जारी किया जाता है जो कि बाजार में ट्रेड होते है।

वैश्विक न्यासी पावती

वैश्विक न्यासी पावती को वैश्विक वित्त वाहन के रूप में जाना जाता है। जो जारी करने वाला को वैश्विक प्रस्ताव के द्वारा दो या दो से अधिक बाजारो में एक साथ पूँजी बढ़ाने की अनुमति देती है।

निर्गम का मूल्य निर्धारण कौन करता है?

निर्गम का मूल्य निर्धारण विभिन्न कारकों द्वारा किया जाता है जैसेंः

1. आर्थिक स्थिति और कंपनी का प्रदर्शन
2. बाजार के प्रतिस्पर्धी
3. आपूर्ति और मांग
4. बाजार की स्थिति

'पुस्तक निर्माण विधि द्वारा मूल्य की खोजः

आइ पी ओ के खुले रहने की अवधि में निवेशकों द्वारा अलग-अलग मूल्यों पर डाक एकत्रित की जाती है, जो प्रारंभिक मूल्य से अधिक या सामान होती है।

मूल्य बैंड का निर्णय कौन करता है?

निर्गमन के मूल्य निर्धारण में रेगुलेशन तंत्र की कोई भूमिका नही होती है। मूल्य बैंड का निर्धारण व्यापारी बैंकरो के संपर्क से कंपनी तक सीमित रहता है।

एन एस इ प्रणाली के माध्यम से पुस्तक निर्माण के लाभः

1. निर्गमन मे शामिल लागत आइ पी ओ के लागत से काफी कम होते है।
2. यह समुचित प्रभावी और पारदर्शी डाक उपलब्ध कराता है।
3. यह प्रणाली पूरे देश में डाक सुविधा प्रदान करता है।

प्रारंभिक मूल्य कया है?

प्रारंभिक मूल्य वह न्यूनतम मूल्य है जिस पर कि डाक या बोली लगाई जाती है।

पुस्तक निर्माण की अवधि मे डाक के खुले रहने के लिए न्यूनतम तीन दिनो तक खुला रखा जाता है।

शेयर निर्गमन के बाद सूचीबद्ध होने में इसमें 12 कार्य दिवस का समय लगता है।

1. प्राथमिक बाजार क्या है?
2. विभिन्न प्रकार के निर्गमन क्या है?
3. बाजार पूंजीकरण से क्या तात्पर्य है?
4. विवरण सूची क्या है?
5. ड्रफ्ट प्रस्तावित दस्तावेज से क्या तात्पर्य है?
6. प्रारंभिक जन प्रस्ताव क्या है?

7. अमेरिकी पवती योजना क्या है?

8. ए डी एस क्या है?

9. वैश्विक न्यासी पावती से क्या तात्पर्य है?

10. NSE (एन एस ई) प्रणाली के माध्यम से पुस्तक निर्माण के क्या लाभ है?

अध्याय् -4

《सेकेंडरी बाजार का अर्थ》

●वह बाजार जिसमें प्रतिभूतियों का स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने के बाद निवेशकों के ही मध्य खरीद बेच किया जाता है|

- सेकेंडरी बाजार में कंपनी का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है|
- सेकेंडरी बाजार को सेबी नियंत्रित करता है|
- इसमें इक्विटी शेयर ,बॉन्ड,प्रेफरेंस शेयर, ट्रेजरी बिल कुछ मुख्य उत्पाद शामिल है|

《प्राथमिक व सेकेंडरी बाजार में अंतर》

●प्राथमिक बाजार में किसी कंपनी द्वारा पहली बार जारी की गई प्रतिभूतियों को निवेशकों को उपलब्ध कराया जाता है|

- जबकि सेकेंडरी बाजार में किसी कंपनी का आईपीओ सफल होने के बाद और उस कंपनी का स्टॉक ,स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने के बाद कारोबार के लिए उपलब्ध कराया जाता है|

《स्टॉक एक्सचेंज का अर्थ》

- एक ऐसा मंच जहां पर निवेशक प्रतिभूतियों को खरीदते और बेचते हैं|

《स्टॉक एक्सचेंज की भूमिका》

- स्टॉक एक्सचेंज एक मीडियम की तरह काम करता है जहां हर समय क्रेता और विक्रेता उपलब्ध होते हैं|
- यह एक व्यवस्थित बाजार है जहां कई सारी कंपनी लिस्ट होती है|
- यहां से निवेशक अपनी पसंद का शेयर खरीद सकता है|

《**स्टॉक एक्सचेंज का डीम्यूचलआईजेशन**》

●<u>पहले</u>-

स्टॉक एक्सचेंज का स्वामित्व ,प्रबंधन और व्यापार ब्रोकर के पास होता था, जिसे स्टॉक एक्सचेंज म्यूचलआईजेशन कहा जाता था|

- <u>वर्तमान में-</u>

जब स्टॉक एक्सचेंज का स्वामित्व ,प्रबंधन और व्यापार अलग अलग कर दिया जाता है इसे ही स्टॉक एक्सचेंज का डीम्यूचलआईजेशन कहते हैं|

《स्टॉक व्यापार》

• स्क्रीन आधारित व्यापार-

- स्क्रीन आधारित व्यापार में एक सदस्य कंप्यूटर में शेयर की मात्रा और उनकी कीमत को पंच कर शेयर खरीद सकता है|

- स्क्रीन आधारित व्यापार से समय ,लागत और त्रुटि के जोखिम के साथ-साथ धोखाधड़ी कम होती है

《एन ई ए टी क्या है》

●यह एक अत्याधुनिक client-server आधारित एप्लीकेशन है ।

●यह ऑनलाइन ट्रेडिंग के लिए प्रयोग किया जाता है।

• एनएससी ट्रेडिंग के लिए उपग्रह संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने वाला दुनिया का पहला एक्सचेंज है।

• 99.7% का रिकॉर्ड टाइम है।

• 1 सेकेंड से भी कम समय में आर्डर का निष्पादन करता है|

《ब्रोकर के साथ आर्डर रखने के विकल्प》

●ब्रोकर के कार्यालय जाकर

●इंटरनेट के विभिन्न विकल्पों से

●ब्रोकर के फोन पर बात करके|

《इंटरनेट आधारित व्यापार सुविधा》

●यह ब्रोकर द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

• यह इंटरनेट के माध्यम से शेयर खरीदने में बेचने की सुविधा उपलब्ध कराता है ।

●इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की सहायता से आप कहीं से भी व्यापार कर सकते हैं|।

《कॉन्ट्रैक्ट नोट क्या है》

●ब्रोकर द्वारा ग्राहक या निवेशक के विशेष दिन के व्यापार की पुष्टि होता है ।

●यह वैधानिक परिवर्तनीय संबंध स्थापित करता है ।

●ब्रोकर व निवेशक के मध्य शिकायतों के समाधान में मदद करता है ।

●कॉन्ट्रैक्ट नोट डबल रूप में रखा जाता है (व्यापार सदस्य- निवेशक) एक-एक प्रति रखता है|

●इसमें निवेशक के व्यापार का पूरा ब्यौरा हो रहता है

●ब्रोकर द्वारा हस्ताक्षरित होता है

《**स्टॉक ब्रोकर द्वारा कॉन्ट्रैक्ट नोट में वर्णित विवरण** 》

●सदस्य ब्रोकर का नाम ,पता ,सेभी पंजीकरण संख्या ,भागीदारी डिपॉजिटरी का नाम, कार्यकारी कार्यालय का पता ,टेलीफोन नंबर, सदस्य का कोड, संपर्क संख्या ,कांटेक्ट नोट निर्माण की तिथि ,निपटान संख्या ,समय सीमा । ● क्रय विक्रय दर

●स्टॉकब्रोकर या प्राधिकृत का हस्ताक्षर

●व्यापार संख्या और व्यापार का समय

●खरीदी व बेची सिक्योरिटी की मात्रा

अधिकतम ब्रोकरेज

कमीशन के रूप में 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता

मान्य स्टॉक एक्सचेंज से ही व्यापार करने का महत्व

-सुरक्षित होता है

-बाजार में चल रहा मूल्य प्रदान होता है

-शिकायत का जल्द निपटाने

-निवेशक सुरक्षा कोश से निर्दिष्ट सीमा तक सुरक्षा|

ब्रोकर -उपब्रोकर पंजीकरण जांच

-सेबी के द्वारा प्रधान निर्गम पंजीकरण प्रमाण पत्र|

-ब्रोकर की पंजीकरण शुरुआती संख्या आई एन बी उपब्रोकर की आई एन एस होती है|

स्टॉक बाजार में निवेश करते समय सावधानियां -

-ब्रोकर सेबी द्वारा पंजीकृत

-ब्रोकर द्वारा कॉन्ट्रैक्ट नोट उपलब्ध कराना निवेश संबंधी जोखिम का अवलोकन

-उचित कंपनी में निवेश करना

-किसी भी कंपनी में निवेश से पहले अपना अनुसंधान करना

-पेनी स्टॉक में सोच समझकर निवेश करना

-कम समय में ज्यादा मुनाफा ऐसा लालच ना करें ज्यादा ऊंचा उतार-चढ़ाव वाले स्टॉक में निवेश से सावधान रहें ।

<u>सेकेंडरी बाजार के प्रोडक्ट</u>

1.शेयर

2.बॉन्ड

<u>शेयर के प्रकार</u>

इक्विटी शेयर- निवेश के स्वामित्व का प्रतिनिधित्व करता है ।

अधिकार शेयर -कंपनी द्वारा ने शेरों को क्रय करने का अधिकार वर्तमान शेरहोल्डर को दिए जाने से जो शेर प्राप्त होते हैं अधिकार शेर होते हैं ।

बोनस शेयर -वर्तमान शेयर धारकों को दिए जाने वाले मुफ्त शेयर

प्रेफरेंस शेयर-इसमें निश्चित डिविडेंड इक्विटी शेयर धारक से पहले मिलता ।

<u>बॉन्ड-</u>

•यह ऋण को सूचित करने वाला प्रमाण पत्र है|

•ऋण खरीदने वाला धन को कर्ज के रूप में देता है

•ऋण जारी करने वाला बदले में ब्याज सहित मेच्योरिटी तिथि पर ऋण चुकाने का वचन देता है|

<u>बांड के प्रकार</u>

1. 0 कूपन बॉन्ड -यह बॉन्ड अपने जीवन काल में ब्याज का भुगतान नहीं करते हैं| यह छूट पर जारी होते हैं|

2. परिवर्तन बॉन्ड-यह बांड पूर्व निर्धारित शेयर की संख्या में बदल जाता है|

3. खजाना बिल -सरकारी बांड है ,1 वर्ष कम समय के लिए जारी होते हैं ,वह कोई ब्याज अजीत नहीं करते हैं|

<u>इक्विटी निवेश-</u>

- **<u>इक्विटी निवेश के लाभ</u>**

समय के अनुसार मूल्य वृद्धि की क्षमता

अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में अधिक फायदेमंद

लंबी अवधि के निवेश से अधिकतम वापसी|

- ध्यान देने योग्य बातें

इक्विटी में वापसी अधिकतम से यह तात्पर्य नहीं है कि इसमें जोखिम नहीं है निवेश से पहले सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए|

- इक्विटी निवेश वापसी 15 से 20% प्रतिवर्ष है|

<u>शेयर के मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारक-</u>

1. **<u>stock आधारित-</u>**

●कंपनी के बारे में लोगों की अपेक्षा

●कंपनी की अर्जन क्षमता

●वित्तीय स्वास्थ्य प्रबंध

●प्रौद्योगिकी सतर्

<u>2.बाजार आधारित</u>

●आर्थिक विकास

●अनुपयुक्त घटना|

●मनचाहा बजट

●लोगों की अपेक्षा

●अल्प सरकार

- **<u>इक्विटी शेयर में निवेश के विकल्प-</u>**

इक्विटी शहर में 2 तरीके से निवेश कर सकते हैं 1.प्राथमिक बाजार जो कि आईपीओ की सहायता से

2. सेकेंडरी बाजार से|

- **<u>Bid मूल्य क्या है</u>**- क्रेता का मूल्य है यह वह मूल्य होता है जिस पर निवेशक शेयर खरीदना चाहता है|
- **<u>मांग मूल्य-</u>** यह विक्रेता का मूल्य होता है जिस पर निवेशक शेयर बेचना चाहते हो|

- **<u>पोर्टफोलियो</u>**

निवेशक के शेयर बाजार में निवेश किए गए समस्त समूह को पोर्टफोलियो कहते हैं इसमें स्टॉक ,ऋण उपकरण ,कमोडिटी और म्यूचल फंड आदि शामिल होते हैं| अपने वित्तीय उद्देश्य को पूरा करने के लिए निवेशक अपना डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाता है|

- **<u>डायवर्सिफिकेशन</u>**

डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो निवेशक को जोखिम से बचाता है| डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो में निवेशक निवेश के विभिन्न विकल्पों में अपनी पूंजी को विभाजित करता है!

- **<u>डायवर्सिफिकेशन के लाभ|-</u>**

लिक्विडिटी मिलती है ।

ज्यादा और लगातार रिटर्न मिलता है ।

कई सेक्टरों में निवेश ।

जोखिम कम रहता

<u>ऋण निवेश</u>

- **<u>ऋण उपकरण-</u>**

इसमें निवेशक किसी कंपनियां ,सरकार को एक निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है|

ब्याज की राशि व प्रतिफल पहले से निर्धारित होता है|

- **<u>ऋण उपकरण की विशेषताएं-</u>**

ब्याज की राशि पहले से सुनिश्चित होती है|

परिपक्वता राशि पहले से निर्धारित होती है|

ऋण उपकरण मुख्यता फेस वैल्यू पर जारी किए जाते हैं!

- **<u>भारत के ऋण बाजार-</u>**

सरकारी बॉन्ड

सार्वजनिक बॉन्ड

कॉर्पोरेट बॉन्ड|

- **<u>ऋण बाजार</u>** में आप सिक्योरिटी प्राथमिक और सेकेंडरी दोनों बाजारों से प्राप्त कर सकते हैं| जब आप सीधे सरकार या निगम से उपकरण प्राप्त करते हैं तो वह प्राथमिक बाजार कहलाता है जबकि निदेशक आपस में खरीद बेच करते हैं तो वह सेकेंडरी बाजार का उपकरण कहलाता है|

<u>महत्वपूर्ण प्रश्न=</u>

1. सेकेंडरी बाजार क्या है ।

2.प्राथमिक व सेकेंडरी बाजार में क्या अंतर है|

3. स्टॉक बाजार में निवेश करते वक्त कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए ।

4.कॉन्ट्रैक्ट नोट क्या है ।

5.एन ई ए टी क्या है।

6.सेकेंडरी की बाजार के उत्पाद कौन-कौन से हैं|

अध्याय् - 5

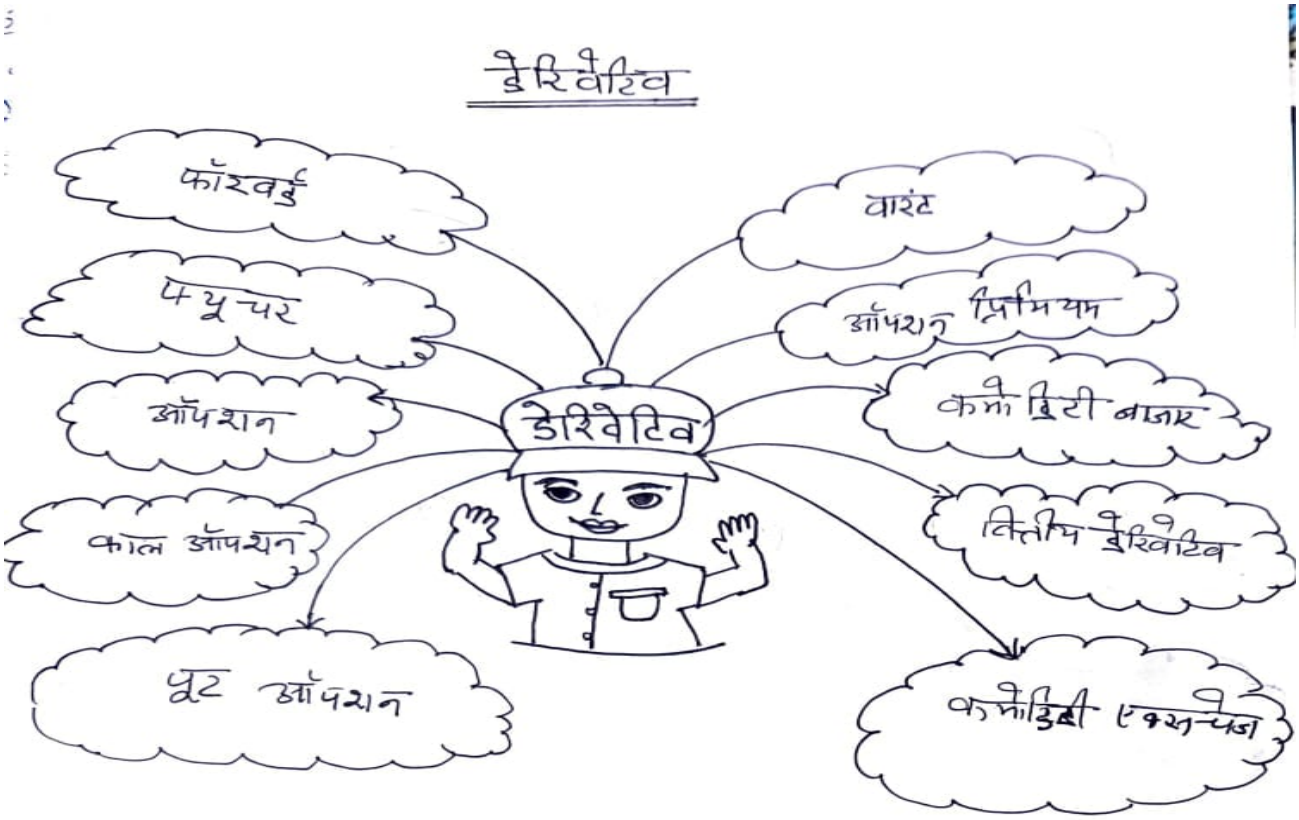

डेरिवेटिव की अवधारणा का मानचित्र

डेरिवेटिव की परिभाषा
डेरिवेटिव के प्रकार
फारवर्ड
फ्यूचर
ऑपशन
वारंट
ऑपशन के प्रकार
काल
पूट

ऑपशन प्रिमियम का अर्थ
कमोडिटी बाजार
कमोडिटी का अर्थ
कमोडिटी एक्सचेंज
कमोडिटी और वित्तीय डेरिवेटिव में अंतर

खंड 5 डेरिवेटिव (Derivatives)

डेरिवेटिव की परिभाषा (Definition of Derivatives)

डेरिवेटिव वित्तीय साधन है जो अपना मूल्य दूसरी अंतर्निहित परिसंपत्तियों से ग्रहण करते हैं इन अंतर्निहित परिसंपत्तियों (Assets) में शेयर, सूचकांक (INDEX), कॉमेडीटी, मुद्रा तथा ब्याज दर को शामिल किया जाता है|

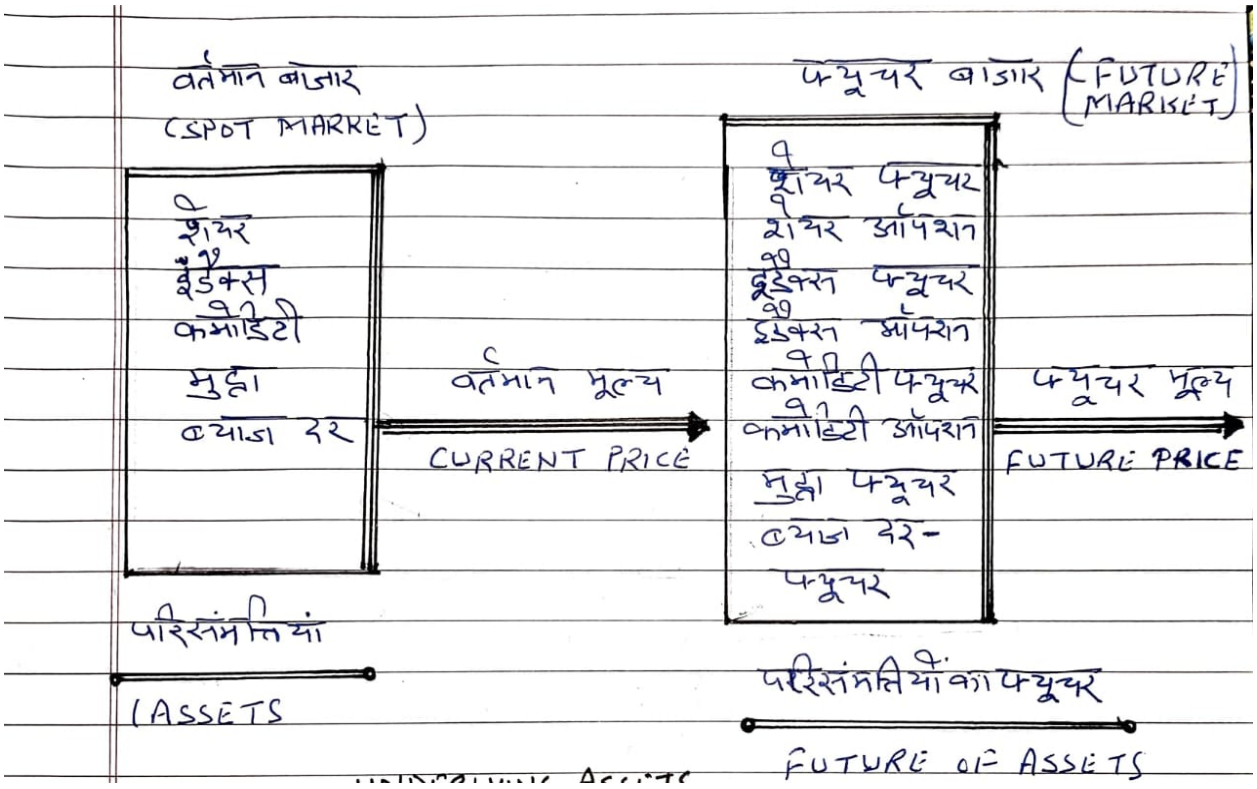

अंतर्निहित परिसंपत्तियां (Underlying Assets)

अंतर्निहित परिसंपत्तियां वे परिसंपत्तियां है जिन पर वित्तीय साधन आधारित होते हैं जैसे डेरिवेटिव:- फ्यूचर, फॉरवर्ड, ऑप्शन तथा स्वैप आदि|

डेरिवेटिव के प्रकार (Types of Derivatives)

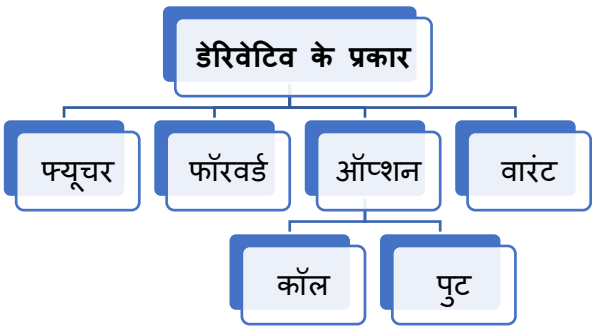

फॉरवर्ड अनुबंध (Forward Contract) :- अनुबंध वह अनुबंध है जिसमें दो पक्ष भविष्य में एक पूर्व निर्धारित मूल्य पर किसी परिसंपत्ति या सिक्योरिटी को खरीदने और बेचने पर सहमत होते हैं|

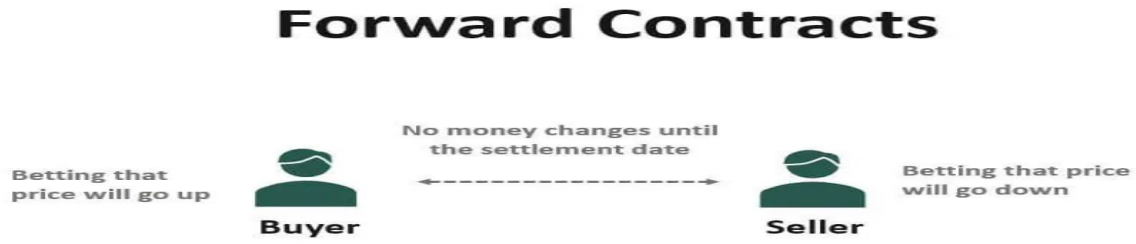

फॉरवर्ड अनुबंध की विशेषताएं (Feature of Forward Contract)

- इसमें दोनों पक्षों को लेनदेन दोनों पक्षों का लेनदेन पूरा करने का दायित्व होता है|
- फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट निजी समझौते होते हैं|
- फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट में व्यापार किसी भी स्थान या over-the-counter होते हैं|

फ्यूचर अनुबंध (Future Contract)

फ्यूचर अनुबंध वे अनुबंध होते हैं जो भविष्य में किसी पूर्व निर्धारित समय पर पूर्व निर्धारित कीमत पर किसी एसेट (assets) या सिक्योरिटी(securities) को खरीदने या बेचने का पर व्यापार करने की सुविधा प्रदान करता है|

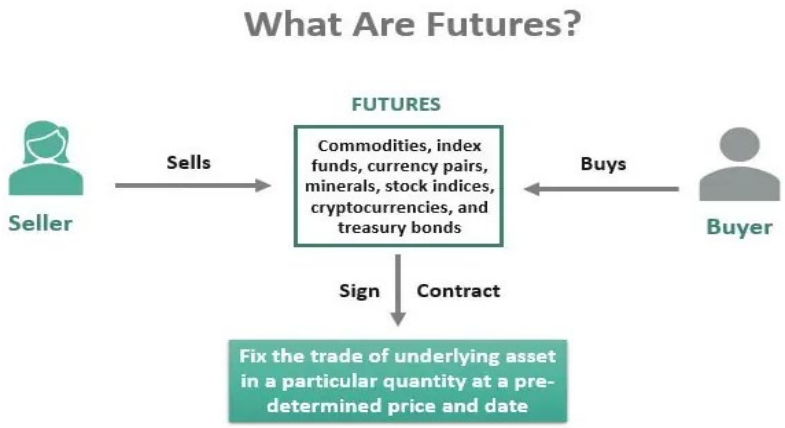

फ्यूचर अनुबंध की विशेषताएं (Features of Future Contract)

- फ्यूचर अनुभव अनुबंध मानकीकृत (Standarised) विनियम व्यापार व्यापार अनुबंध होते हैं|
- फ्यूचर साधनों का व्यापार अधिकृत एक्सचेंज के माध्यम से होता है|
- फ्यूचर अनुबंधों का उपयोग सहदेव प्रतिकूल कीमत बदलावों से होने वाले नुकसान से बचाव अंतर्निहित परिसंपत्तियों को हेज करके कम किया जा सकता है|

ऑप्शन (Option)

ऑप्शन से अभिप्राय उस अनुबंध से है जो किसी निवेशक को अधिकार देता है किसी परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने का, इसमें परिसंपत्ति के हस्तांतरण की बाध्यता नहीं होती|

ऑप्शन खरीदार (Option Buyer)

ऑप्शन खरीदार वह व्यक्ति होता है जो ऑप्शंस खरीदने के लिए ऑप्शंस के प्रीमियम का भुगतान करता है|

ऑप्शन विक्रेता और या ऑप्शन राइटर (Option Writer)

ऑप्शन विक्रेता या ऑप्शन राइटर वह व्यक्ति होता है जो ऑप्शन प्रीमियम में प्राप्त करता है तथा खरीदार द्वारा संपत्ति के खरीद बिक्री को पूर्ण होने का देते और निभाता है दायित्व उन निभाता है|

ऑप्शन के प्रकार (Types of Option)

ऑप्शन दो प्रकार के होते हैं:- कॉल ऑप्शन और पुट ऑप्शन

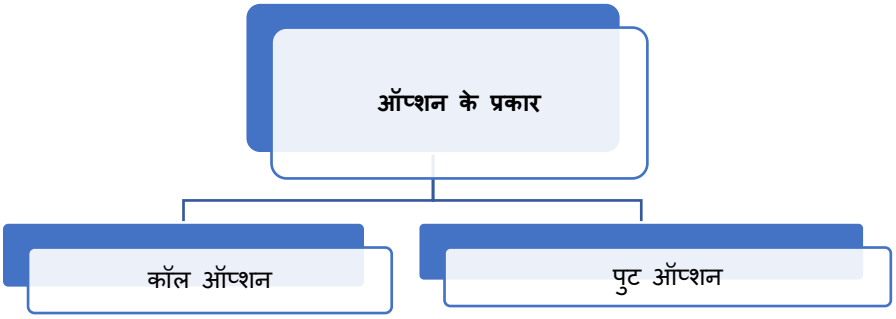

कॉल ऑप्शन (Call Option)

कॉल ऑप्शन खरीदार को अधिकार देता है किसी परिसंपत्ति या सिक्योरिटीज को खरीदने का उसे परिसंपत्ति हस्तांतरण की बाध्यता नहीं है|

पुट ऑप्शन (Put Option)

पुट ऑप्शन से तात्पर्य खरीदार को परिसंपत्ति या सिक्योरिटी बेचने का अधिकार देती है, वस्तु के हस्तांतरण की बाध्यता नहीं है|

वारंट (Warrant)

वारंट वे ऑप्शन होते हैं जिनकी अवधि एक साल की होती है| बहुतायत ऑप्शन का व्यापार एक्सचेंज पर होता है जिनकी 9 मास अवधि होती है| लंबी अवधि वाले ऑप्शन वारंट कहलाते हैं|

ऑप्शन प्रीमियम (Option Premium) :- ऑप्शन (कॉल/पुट) खरीदने के लिए कोई व्यक्ति जो मूल्य छुपाता है वह ऑप्शन प्रीमियम कहलाता है| ऑप्शन प्रीमियम खरीदार के द्वारा चुकाया जाता है तथा ऑप्शन राइटर (Writer) या ऑप्शन विक्रेता वह प्रीमियम प्राप्त करता है| ऑप्शन प्रीमियम सदैव व्यापार से पहले अदा किया जाता है|

कमोडिटी एक्सचेंज (COMMODITY EXCHANGE)

कॉमेडीटी एक्सचेंज एक कंपनी या संस्था है, जो कॉमेडीटी के फ्यूचर व्यापार करने की व्यवस्था प्रदान करती है| कॉमेडीटी एक्सचेंज में कई तरह के कॉमेडीटी की ट्रेनिंग होती है| इसमें एग्री और नॉन एग्री कमोडिटी शामिल होती है| नॉन एग्रो कमोडिटी में सोना, चांदी, मेटल और एनर्जी को शामिल किया जाता है|

एग्री कमोडिटी में जवाहर, बाजरा, मैंथा, चना, सोयाबीन और एनर्जी को कपास हल्दी और जीरा जैसी वस्तुएं शामिल होती हैं का व्यापार होता है|

देश में छह बड़े कॉमेडी एक्सचेंज हैं| इसमें नेशनल मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज इंडिया (NMCI), नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव एक्सचेंज (NCDEX), मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX), इंडिया कॉमेडी एक्सचेंज (ICEX), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE), तथा मुंबई शेयर बाजार प्रमुख हैं|

कमोडिटी का अर्थ (Meaning of Commodity)

कॉमेडीटी का अर्थ उन मानकीकृत संसाधनों या कच्चे माल से है, जिनका उपयोग परिष्कृत वस्तुओं के निर्माण के लिए किया जाता है|कार्रवाई योग्य दावों और धन को छोड़कर इसे हर प्रकाश की चल वास्तु के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जिसे खरीदा या बेचा जा सकता है| कॉमेडीटी का प्रत्यक्ष बाजार या एक्सचेंज पर व्यापार किया जा सकता है व्यापार करने के लिए एक्सचेंज द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों को कॉमेडीटी को पूरा करना होगा|

कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार (Commodity Derivatives Market)

कॉमेडीटी डेरिवेटिव बाजार वह बाजार है, जिसमें डेरिवेटिव कांट्रैक्ट स्पॉट मार्केट का उपयोग मार्केट का उपयोग अंतर्निहित कॉमेडी के रूप में फ्यूचर व्यापार करते हैं| इस बाजार में एग्री कॉमेडीटी जैसे चावल गेहूं गेहूं जवाहर जैगवार जवार आलू एवं जीरा इत्यादि धातुएं जैसे सोना चांदी कॉपर जिंक एलमुनियम इत्यादि कोमोडिटी का व्यापार फ्यूचर बाजार में होता है|

कॉमेडीटी डेरिवेटिव तथा डेरिवेटिव में अंतर (Difference between Commodity Derivatives and Derivatives)

डेरिवेटिव की मूल धारणा सदैव समान होती है चाहे वह कमोडिटी डेरिवेटिव्स या वित्तीय डेरिवेटिव्स हो लेकिन कॉमेडीटी तथा वित्तीय डेरिवेटिव्स में कुछ असमानताएं होती हैं:-

- अधिकांश वित्तीय डेरिवेटिव्स अनुबंधों का निपटान कैश में किया जाता है दूसरी तरफ कॉमेडीटी कॉमेडीटी डेरिवेटिव में अंतर्निहित संपत्ति भौतिक रूप में होती है इसलिए अनुबंध निपटान भौतिक वितरण में हो सकता है|
- वस्तुओं के मामले में अंतर्निहित परिसंपत्ति की गुणवत्ता अनुबंध को प्रभावित कर सकती है संपत्ति की गुणवत्ता की अवधारणा वित्तीय डेरिवेटिव में मौजूद नहीं है|
- कॉमेडीटी डेरिवेटिव्स में एक्सचेंज की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है हो जाती है क्योंकि इसमें भौतिक डिलीवरी शामिल शामिल होती है| डिलीवरी का समय एक्सचेंज के द्वारा निर्धारित किया जाता है| वित्तीय डेरिवेटिव में एक्सचेंज के लिए कोई वर्क लोड नहीं होता|

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न.1 _____ दो संस्थाओं के बीच एक अनुकूलित अनुबंध है, जहां आज की पूर्व-सहमत कीमत पर भविष्य में एक विशिष्ट तिथि पर निपटान होता है।

(ए) फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट (बी) फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट
(सी) विकल्प (डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (बी) फॉरवर्ड अनुबंध

प्रश्न.2 निफ्टी इंडेक्स का उपयोग _____ में किया जाता है।

(ए) इंडेक्स फंड (बी) डेरिवेटिव
(सी) एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (डी) उपर्युक्त सभी

उत्तर (डी) उपरोक्त सभी

प्रश्न.3 _____ एक अनुबंध है जो एक निश्चित तिथि पर और एक निश्चित मूल्य पर अंतर्निहित को खरीदने या बेचने का अधिकार देता है, लेकिन बाध्यता नहीं।

(ए) कॉल (बी) पुट
(सी) ऑप्शन (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (सी) ऑप्शन

प्रश्न.4 ऑप्शन अनुबंध में एक वर्ष तक की लंबी अवधि होती है: -

(ए) वारंट (बी) कॉल ऑप्शन

(c) पुट ऑप्शन (d) ये सभी

उत्तर:- (क) वारंट

प्रश्न.5 विकल्प में, विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार किसे है

(ए) क्रेता (बी) विक्रेता

(सी) दोनों (ए) और (बी) (डी) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (ए) क्रेता

प्रश्न.6 _____ एक संघ है, या किसी अन्य निकाय कॉर्पोरेट की एक कंपनी है जो वस्तुओं में वायदा कारोबार का आयोजन करती है।

(ए) स्टॉक मार्केट (बी) कमोडिटी एक्सचेंज

(सी) मुद्रा विनिमय (डी) उपर्युक्त सभी

उत्तर (बी) कमोडिटी एक्सचेंज

प्रश्न.7 फ्यूचर्स ट्रेडिंग ऐसे सामानों या वस्तुओं में आयोजित की जाती है, जिसकी अनुमति _____ द्वारा दी जाती है

(ए) मंडी (बी) केंद्र सरकार

(सी) स्थानीय सरकार (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (बी) केंद्र सरकार

प्रश्न.8 NSE का F&O खंड निम्नलिखित डेरिवेटिव उपकरणों के लिए ट्रेडिंग सुविधाएं प्रदान करता है, सिवाय

(ए) व्यक्तिगत वारंट विकल्प

(बी) सूचकांक आधारित वायदा

(सी) सूचकांक आधारित विकल्प

(डी) व्यक्तिगत स्टॉक विकल्प

उत्तर (ए) व्यक्तिगत वारंट विकल्प

प्रश्न.9 गोल्ड डेरिवेटिव्स की अंतर्निहित संपत्ति कौन सी है?

(ए) चांदी (बी) सोना

(c) वस्तु (d) ये सभी

उत्तर (बी) सोना

प्रश्न.10 _____ के मामले में, इनमें से अधिकतर अनुबंध नकद निपटान हैं।

(ए) कमोडिटी डेरिवेटिव्स (बी) गोल्ड डेरिवेटिव्स

(सी) वित्तीय डेरिवेटिव (डी) दोनों (ए) और (बी)

उत्तर (सी) वित्तीय डेरिवेटिव

रिक्त स्थान भरें

प्रश्न.11 एक _____ भविष्य में एक निश्चित समय पर एक निश्चित कीमत पर संपत्ति खरीदने या बेचने के लिए दो पक्षों के बीच एक समझौता है।
उत्तर :- वायदा अनुबंध

प्रश्न.12 फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स इस अर्थ में विशेष प्रकार के फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स हैं कि पूर्व _____ हैं।
उत्तर:- मानकीकृत विनिमय-व्यापार संविदाएं

प्रश्न.13 एक विकल्प का खरीदार _____ का भुगतान करता है।
उत्तर:- प्रीमियम

प्रश्न.14 एक विकल्प का _____ वह है जो विकल्प प्रीमियम प्राप्त करता है।
उत्तर :- ऑप्शन राइटर (Option Writer)

प्रश्न.15 एक्सचेंजों पर ट्रेड किए जाने वाले अधिकांश विकल्पों की अधिकतम परिपक्वता _____ होती है
उत्तर:- नौ महीने।

प्रश्न.16 वारंट आम तौर पर _____ कारोबार किया जाता है।
उत्तर:- ओवर द काउंटर (Over the Counter)

प्रश्न.17 ऑप्शन प्रीमियम का हमेशा भुगतान किया जाता है
उत्तर:- सामने (Upfornt)

प्रश्न.18 _____ को किसी भी संगठित बाजार स्थान में शामिल करने के लिए लिया जाता है जहां व्यापार एक तंत्र के माध्यम से होता है, जिससे खरीदारों और विक्रेताओं के बीच प्रभावी प्रतिस्पर्धा की अनुमति मिलती है।
उत्तर:- कमोडिटी एक्सचेंज

प्रश्न.19 कृषि, खनिज और जीवाश्म मूल के सभी सामान और उत्पादों को _____ के तहत मान्यता प्राप्त कमोडिटी एक्सचेंजों के तत्वावधान में वायदा कारोबार की अनुमति है।
उत्तर:- सेबी

प्रश्न.20 अंतर्निहित संपत्तियों की भारी प्रकृति के कारण, कमोडिटी डेरिवेटिव्स में भौतिक निपटान _____ की आवश्यकता पैदा करता है
उत्तर:- भण्डारण

चाहे सत्य हो या असत्य

प्रश्न.21 डेरिवेटिव को एससी(आर)ए के तहत परिभाषित किया गया है जिसमें शामिल है: एक अनुबंध जो अंतर्निहित प्रतिभूतियों की कीमतों, या कीमतों के सूचकांक से अपना मूल्य प्राप्त करता है।
(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर:- (क) सत्य

प्रश्न.22 'कॉल' खरीदार को अधिकार देता है लेकिन अंतर्निहित परिसंपत्ति की दी गई मात्रा को किसी भविष्य की तारीख पर या उससे पहले किसी दिए गए मूल्य पर बेचने का दायित्व नहीं देता है।

(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर (बी) असत्य

प्रश्न .23 ऑप्शन प्रीमियम वह कीमत है जो ऑप्शन विक्रेता द्वारा ऑप्शन खरीदार को चुकाया जाता है।

(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर (बी) असत्य

प्रश्न.24 लंबी अवधि के विकल्पों को वारंट कहा जाता है और आम तौर पर काउंटर पर कारोबार किया जाता है।

(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर (ए) सत्य

प्रश्न.25 कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट ट्रेड कॉन्ट्रैक्ट्स जिसके लिए अंतर्निहित संपत्ति कमोडिटी है।

(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर (ए) सत्य

प्रश्न.26 अंतर्निहित परिसंपत्तियों की भारी प्रकृति के कारण, वित्तीय डेरिवेटिव में भौतिक निपटान भंडारण की आवश्यकता पैदा करता है।

(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर (बी) असत्य

प्रश्न.27 वस्तुओं के मामले में, अनुबंध के तहत संपत्ति की गुणवत्ता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।

(ए) सत्य (बी) असत्य

उत्तर (ए) सत्य

हाई ऑर्डर थिंकिंग सवालों के जवाब

प्रश्न.1 एक विकल्प का खरीदार भुगतान करता है और अपने विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार खरीदता है। शब्द की पहचान करें।

उत्तर: - ऑप्शन प्रीमियम (Option Premium)

प्रश्न.2 ये इस अर्थ में विशेष प्रकार के वायदा अनुबंध हैं कि पूर्व मानकीकृत एक्सचेंज-ट्रेडेड अनुबंध हैं। डेरिवेटिव्स के प्रकारों के नाम लिखिए।

उत्तर:- फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट (Future Contract)

प्रश्न.3 यह एक अनुबंध है जो एक निश्चित तिथि पर और एक निर्धारित मूल्य पर अंतर्निहित को खरीदने या बेचने का अधिकार देता है, लेकिन बाध्यता नहीं। डेरिवेटिव के प्रकार को पहचानें।

उत्तर:- एक ऑप्शन (An Option)

प्रश्न.4 यह एक संघ है, या किसी अन्य कॉर्पोरेट निकाय की कंपनी है, जो वस्तुओं में वायदा कारोबार का आयोजन करती है। संगठन का नाम बताइए।

उत्तर:- कमोडिटी एक्सचेंज

प्रश्न.5 अंतर्निहित संपत्तियों की भारी प्रकृति के कारण, डेरिवेटिव्स में भौतिक निपटान भंडारण की आवश्यकता पैदा करता है। डेरिवेटिव के प्रकार को पहचानें।

उत्तर:- कमोडिटी डेरिवेटिव्स

लघु प्रश्न-उत्तर (1 अंक)

प्रश्न.1 डेरिवेटिव क्या है?
प्रश्न.2 विभिन्न प्रकार के डेरिवेटिव अनुबंधों का उल्लेख करें।
प्रश्न.3 फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट क्या है?
प्रश्न.4 फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट को परिभाषित करें?
प्रश्न.5 आप ऑप्शन के बारे में क्या समझते हैं?
प्रश्न.6 ऑप्शन प्रीमियम को परिभाषित करें। एक उदाहरण दें।
प्रश्न.7 कमोडिटी डेरिवेटिव्स की विशेषताओं का उल्लेख करें।

अध्याय 6
न्यासी (डिपोजिटरी)

न्यासी' (Depository)

न्यासी का मतलब संग्रहस्थान होता हैं। स्टॉक मार्किट में डिपोजिटरी एक ऐसी संस्था है जो शेयर धारकों का लेखा जोखा संभाल कर रखती हैं। हम न्यासी की तुलना बैंक से भी कर सकते हैं। जिस प्रकार बैंक जमाकर्ता के फंड को जमा करता हैं। उसी प्रकार डेपोजिटरी धारकों के खाते में सेक्युरिटीयों को रखता है।

न्यासी (डेपोजिटरी) बैंक से किस प्रकार समानता रखता है?
किसी न्यासी (डिपोजिटरी) की तुलना बैंक से की जा सकती है।

बैंक

1. बैंक खाता में फंड रखता है।
2.बैंक खाताधारक के अनुदेश पर खातों के बीच में फंड ट्रांसफार कर सकते हैं।
3.धन को हाथ लगाये बिना हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता हैं।
4.धन को सुरक्षित रखने की सुविधा उपलब्ध कराता है।

न्यासी

1. न्यासी खाता में सेक्युरिटीयों को रखता है।
2.न्यासी खाताधारक के अनुदेश पर खातों के बीच में सेक्युरिटीयों को ट्रांसफर करता है।
3.सेक्युरिटीयों को हाथ लगाये बिना स्वामित्व के हस्तांतरण को सुविधा प्रदान करता है।
4.शेयर को सुरक्षित रखने की सुविधा उपलब्ध करता है।

भारत में दो न्यासी (डेपोजिटरी) है।

1)NSDL(एन एस डी एल)

2)CDSL (सी डी एस एल)

1. NSDL - National securities Depository limited
एन एस डी एल - नेशनल सेक्युरिटी लिमिटेड

2. CDSL - Central depository Services Limited
सी डी एस एल - सेन्ट्रल डेपोजिटरी सर्वसेज लिमिटेड

किसी न्यासी (डिपोजिटरी) में भागीदारी के लाभ

किसी न्यासी (डिपोजिटरी) में भागीदारी का निम्नलिखित लाभ है।

1. सेक्युरिटीयों का तत्काल हस्तांतरण करा सकते है।
2. सेक्युरिटीयों के हस्तांतरण में किसी प्रकार के खर्च की आवश्यकता नहीं।

3. असमय सुपुर्दगी, नकली सेक्युरिटी इत्यादि भौतिक प्रमाण-पत्र से संबंधित जोखिमों की समाप्ति।
4. सेक्युरिटीयों के हस्तांतरण में शामिल पेपर कार्य में कमी।
5. हस्तांतरण मूल्य में कमी।
6. नामिती सुविधा में आसानी
7. डी पी में रिकॉर्ड किये गये पते में परिवर्तन निवेशकों द्वारा रखे गये सेक्युरिटी वाले कंपनी में इलेक्ट्रोनिक रूप से पंजीकृत हो जाते हैं।
8. अलग-अलग पत्राचार कि आवश्यकता को समाप्त करता है।
9. डीपी द्वारा सीधे सेक्युरिटीयों के हस्तांतरण से कंपनी के साथ पत्राचार को समाप्त करता है।
10. खाते को समेकित करने के आसान तरीका। इक्विटी, ऋण उपकरण और सरकारी सेक्युरिटीयो में निवेश एक ही खाते से कर सकते है।जैसे शेयर समेकित राशी इत्यादि

न्यासी (डिपोजिटरी) भागीदार (डीपी) का कार्य

1) न्यासी (कंपोजिटरी) निवेशकों को अपनी सेवा एक एजेंट के माध्यम से उपलब्ध कराता है जिसे हम न्यासी (डिपोजिटरी) भागीदार कहते हैं। इन एजेंट की नियुक्ति सेबी के अनुमोदन से न्यासी (डिपोजिटरी) द्वारा की जाती है।

2) किसी व्यक्ति को अपने डी पी के साथ किसी न्यूनतम सेक्युरिटी शेष को रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। आप अपने खाते में शुन्य शेष रख सकते है

3) ISIN (आइ एस आइ एन)
I = International (अंतर्राष्ट्रीय)
S =Securities (सेक्युरिटी)
I = Identification (पहचान)
N= Number (संख्या)
किसी सक्युरिटी का एक अद्वितीय पहचान संख्या है।

कस्टडियन (custodian)

1. कस्टडियन मूल रूप से एक संगठन है, जो अपने ग्राहकों की सेक्युरिटीयों को पंजीकृत करने तथा उसकी सुरक्षा करने में मदद करती है।

2. सेक्युरिटीयों की रक्षा करने के अतिरिक्त, कस्टडियन अपने ग्राहकों के लिए निगम के क्रियाकलाप पर ध्यान भी रखता है।
3.सेक्युरिटी के निर्गमन में किये गये या किये जाने वाले कार्य के बारे में ग्राहक को सूचित करना।
4. ग्राहक के समृति सेक्युरिटी के लाभ या अधिकार के बारे में जानकारी प्रदान करता हैं।

डीमैटरियलाइजेशन(Dematerialization)

(Physical) फिजिकल सेक्युरिटी को डीमैटरियलाइजेशन करने के लिए आपको एक सिमट अनुरोध (डीआरएफ) फॉर्म भरना होगा जो डीपी में उपलब्ध रहता है और इसे डीमैटरियलाइजेशन किये जाने वाले भौतिक प्रमाण-पत्र के साथ जमा करना होगा। सभी आई. एस. आई. एन. संख्या के लिए अलग-अलग डी आर एफ भरना होगा।

क्या डिमेटेरिएलाइज शेयर के विशिष्ट संख्या होती है?

डिमेटेरिएलाइज शेयर के कोई विशिष्ट संख्या नहीं होती है। ये शेयर विनिमय योगा होते हैं, जिसका अर्थ है कि किसी विशेष सेक्युरिटी के सभी नियंत्रण एक समान और लेन देन करने योग्य हो।

रिमेटेरिएलाइजेशन (Rematerialisation)

यदि कोई सेक्युरिटी को भौतिक रूप में वापस पाना चाहता है तो उसे डिगट अनुरोध फार्म(डीआरएफ) मरना होगा और अपने डी पी से शेष को अपने सेक्यूरिटी खाते में रिमेटेरिएलाइ करने का आग्रह करना ।

क्या कोई अपने ऋण उपकरणों, म्यूचुवल फंड यूनिट, सरकारी सेक्युरिटीयों को अपने डिमट खाता में डिमेटेरिएलाइज कर सकता है?

(आप डिमेटेरिएलाइज कर सकते हैं तथा इससे सभी निवेशों को एक ही डिमट खाते में रख सकते हैं।)

Questions

1. न्यासी किसे कहते हैं?
2. न्यासी और बैंक में क्या समानता होती है?
3. भारत में कितने न्यासी है?
4. न्यासी के लाभ क्या है?
5. ISIN किसे कहते हैं?
6. कस्टडियन किसे कहते हैं?उसके क्या लाभ हैं?
7. डीमैटरियलाइजेशन कैसे करते हैं शेयर को?
8. क्या हम अपने शेयर को भौतिक रूप में वापिस ला सकते हैं ?

अध्याय 7 - म्यूचुअल फंड (Mutual Fund)

म्यूचुअल फंड Mutual Funds सरल भाषा में कहा जाये तो कई लोगों की साझा रकम को म्यूचुअल फंड कह सकते हैं। दरअसल म्यूचुअल फंड में, कई लोगों का पैसा एक साथ मिलाकर शेयर, बांड्स, डेरिवेटिव, ट्रेजरी बिल निवेश योजनाओं में लगाया जाता है। इस तरह से म्यूचुअल फंड्स में, आपके साझा पैसे का सामूहिक निवेश किया जाता है।

एनएवी NAV म्यूचुअल फंड की एक यूनिट की कीमत को Net Asset Value (NAV) कहते हैं। यह Net Asset Value (NAV) ही उस mutual fund scheme की performance को बताता है।

<u>म्यूचुअल फंड के फायदे.</u>

- न्यूनतम निवेश- म्यूचुअल फंड में कोई भी निवेश कर सकता है। न्यूनतम 500 रुपए तक का निवेश कर सकते हैं। मैनेज करने में आसान: आप किसी भी दिन कितने भी म्यूचुअल फंड खरीद और बेच सकते हैं। जबकि यह बैंक FD, PPF या बीमा को आप सरकारी छुट्टी या रविवार को नहीं खरीद बेच सकते हैं।
- विकल्प: म्यूचुअल फंड आपको कम निवेश में कई स्टाक और बांड लेने की सुविधा देता है। आप जिस म्यूचुअल फण्ड में निवेश करते हैं उस फण्ड में से किसी एक जगह पैसा नहीं लगाया जाता है। बल्कि अलग-अलग जगह निवेश किया जाता है ताकि किसी एक क्षेत्र में मंदी आने से भी अन्य क्षेत्र से लाभ कम लिया जाए।
- कम फीस: म्यूचुअल फंड एक्सपेंस रेश्यो आमतौर पर आपके निवेश के 1.5-2.5% तक होता है। एक्सपेंस रेश्यो वो फीस होती है जिसे आप AMC को अपना फण्ड (निवेश) मैनेज करने के लिए देते हैं। यह इसलिए कम है क्योंकि एक म्यूचुअल फण्ड में कई लोग निवेश करते हैं और सब के बीच ये फीस बात जाती है।
- पारदर्शिता: म्यूचुअल फंड सेक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (SEBI) द्वारा रेगुलेट किए जाते हैं और उनके NAV (नेट एसेट वैल्यू) या कीमत का घोषणा प्रतिदिन के आधार पर की जाती है। उनके पोर्टफोलियो की घोषणा भी हर महीने की जाती है और इनके बारे में विभिन्न जानकारी भी जनता को दी जाती है।
- सेबी द्वारा विनियमित: सेबी म्यूचुअल फंड को रेगुलेट करता है। समय-समय पर, सेबी निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए मानदंडों को लागू करता है। और सेबी के मानदंडों का अनुपालन सभी म्यूचुअल फंडों के लिए अनिवार्य है।
- पेशेवर फंड प्रबंधक - सभी म्यूचुअल फंड योजनाओं का प्रबंधन करते हैं। इन प्रबंधकों के पास विशेष वित्तीय ज्ञान और कौशल हैं, जो उन्हें आपके धन को विशेषज्ञ रूप से प्रबंधित करने में सक्षम बनाता है।
- अपेक्षाकृत कम जोखिम: सभी म्यूचुअल फंड विविधीकरण लाभ प्रदान करते हैं। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड निवेश सीधे शेयरों में निवेश करने की तुलना में कम जोखिम भरा है। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड का प्रबंधन विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है जो निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए बाजार की स्थितियों के अनुसार समय पर कार्रवाई करने की स्थिति में हैं।

म्युचुअल फंड की कैटेगरी

निवेश (investment) और पैसा निकालने (redemption) की flexibility के हिसाब से mutual funds दो प्रकार के होते हैं।

- Open-Ended Mutual Fund Scheme खुले सिरों वाली म्यूचुअल फंड स्कीम

इस प्रकार के म्यूचुअल फंड स्कीम में आप कभी भी पैसा लगा सकता है और निकाल सकता है। चूंकि ऐसी स्कीम में पैसा आता जाता रहता है इसलिए ऐसी स्कीम के पास कोई fixed amount नहीं रहता है। फंड मैनेजर को परिस्थितियों के हिसाब से निवेश का फैसला लेना होता है।

- Close-Ended Mutual Fund Scheme बंद सिरों वाली म्यूचुअल फंड स्कीम

इस प्रकार के म्यूचुअल फंड स्कीम में आप सिर्फ NFO के समय ही पैसा लगा सकते हैं। इसके बाद सिर्फ maturity पर ही अपना पैसा निकाल सकते हैं। हालांकि, close ended mutual fund scheme की यूनिटों को secondary market में खरीदा और बेचा जा सकता है। ऐसे लेन-देन से mutual fund company का कोई लेना-देना नहीं होता और न ही उस mutual fund scheme की जमा रकम पर इनका कोई प्रभाव पड़ता है।

म्युचुअल फंड के प्रकार | Types Of Mutual Fund.

1) इक्विटी फंड | Equity Fund Equity mutual funds का ज्यादातर पैसा shares में लगाया जाता है। ऐसी schemes के fund manager को कम से कम 65% परसेंट रकम शेयर में ही लगानी होती है। बाकी बचे पैसे को वो बॉन्ड या फिर बैंक में रख सकता है। अब चूंकि equity mutual fund को शेयरों में निवेश किया जाता है। तो इनका return भी share market के हिसाब से मिलता है। यानी कमाई की सबसे ज्यादा संभावना होती है लेकिन रिस्क भी इसमें ज्यादा होता है।
2) डेट फंड | Debt Fund -इस प्रकार के mutual fund की रकम को मुख्य रूप से bonds और corporate fixed deposit में निवेश किया जाता है। किसी debt mutual fund के साथ यह अनिवार्य शर्त होती है कि उसका कम से कम 65 प्रतिशत पैसा बॉन्ड या बैंक डिपॉजिट में लगाया जाए। उदाहरण के लिए government bonds, company bonds, corporate fixed deposits और bank deposits वगैरह। बाकी रकम को equity यानी शेयरों में लगाया जा सकता है।
3) बैलेंस्ड म्युचुअल फंड | Balanced Mutual Fund-इस प्रकार के mutual fund की रकम को मुख्य रूप से शेयर और बॉन्ड दोनों में लगाते हैं। जैसा कि आप जानते ही हैं कि शेयर में returnn ज्यादा मिलता है लेकिन वो risky होते हैं जबकि bond सुरक्षित होते हैं लेकिन उसमें रिटर्न कम मिलता है। इसलिए इन दोनों में पैसे लगाकर ये म्यूचुअल फंड safety के साथ-साथ बढ़िया रिटर्न देने की कोशिश करता है।
4) टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड (ELSS)Tax Saving Mutual Funds को Equity linked saving scheme या ELSS भी कहा जाता है। चूंकि Equity linked saving scheme या ELSS में लगाए गए पैसे पर सरकार टैक्स छूट देती है, इसलिए इन्हें Tax Saving Mutual Funds कहा जाता है। ये

टैक्स बचाने के कुछ सबसे अच्छे उपायों में से एक हैं। कम से कम 3 साल के लिए locked हो जाता है। यानी कि आप इनमें लगाया गया पैसा 3 साल के पहले नहीं निकाल सकते। ELSS का पैसा मुख्य रूप से शेयरों में लगाया जाता है, इसलिए ये अक्सर आपको अच्छा-खासा returns भी दे सकते हैं। हालांकि, अन्य equity mutual funds की तरह ये risky भी होते हैं।ELSS से section 80C के तहत tax saving होती है। जैसा कि इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी में ऐसे निवेशों को रखा गया है जिनमें पैसा लगाने से आपकी टैक्स देनदारी घट जाती है।

5) इंडेक्स फंड | Index Fund इंडेक्स फंड भी अन्य equity fund की तरह शेयरों में पैसा निवेश करता है। लेकिन यह equity fund से अलग इस मायने में होता है कि यह अपने हिसाब से चुने हए शेयरों में पैसा नहीं लगाता। बल्कि बाजार के सूचकांकों (market indices) के structure की ही copy करके पैसा लगाता है। Sensex, Nifty 50 बाजार सूचकांक हैं।इन सूचकांकों (indices) में कुछ निश्चित कंपनियों के Share ही शामिल होते हैं। हर शेयर का उस सूचकांक (index) में एक fixed weight-age होता है। कोई Index Fund जिस सूचकांक को Follow करता है, वह उसमें शमिल सभी शेयरों में पैसा लगाता है। शेयरों में पैसा भी उसी अनुपात में लगाया जाता है जिस अनुपात में उन शेयरों को सूचकांक में वजन दिया जाता है। उदाहरण के लिए अगर एक index fund है sensex की नकल करता है। तो यह भी sensex की तरह ही उन 30 shares में ही पैसा लगाएगा।
6) एक्सचेंज ट्रेडेड फंड या ETF - Exchange Traded Fund (ETF) मूल रूप से Index Fund ही होते हैं। लेकिन इन index funds को stock exchange में सीधे खरीदा-बेचा जा सकता है। शेयरों की तरह ही exchange-traded fund की कीमत भी बाजार के घंटों (market hours) के दौरान लगातार बदलती रहती है। आप किसी शेयर दलाल (stock broker) से exchange traded fund खरीद सकते हैं। इन्हें खरीदने के लिए, यानी कि इनमें पैसा लगाने के लिए आपको mutual fund distributor की जरूरत नहीं होती।
7) हेज फंड| Hedge Fund हेज फंड थोड़ा उदार फंड होते हैं। ये किसी regulation के तहत बंधे नहीं होते। और न ही retail investor इनमें पैसा लगा सकत हैं। सिर्फ कुछ select group of high net worth individuals ही सामूहिक रूप से hedge funds में निवेश करते है। hedge funds का fund manager भी आक्रामक रणनीति के साथ शेयरों में पैसा लगाता है। hedge funds का fund manager दुनिया में कहीं भी पैसा निवेश कर सकता है। वह जैसे चाहे वैसे equity, bond, gold या commodity कहीं भी पैसा लगाए। हेज फंड का fund manager सिर्फ profit के लिए काम करता है। इसमें investor आसानी से अपना पैसा नहीं निकाल सकता है। निवेशकों को कम से कम 1 साल के लिए पैसा लगाए रखने को कहा जाता है।

<u>एसेट मैनेजमेंट कंपनी</u>

भारत में बहुत सी Mutual fund companies चल रही हैं। इन Mutual fund companies को Asset Management Companies या AMC भी कहते हैं। AMC, दरअसल, SEBI में रजिस्टर्ड ऐसी कंपनी होती है, जो mutual fund स्कीम बनाती हैं और लोगों से पैसा जमा करती है। यही कंपनी फंड मैनेजर को भी नियुक्त करती हैं।

म्यूचुअल फंड स्कीम

mutual fund companies बहुत सी mutual fund schemes संचालित करती हैं। हर scheme में निवेश का अलग लक्ष्य (Objectives) होता है। जैसे कोई एक स्कीम सिर्फ बड़ी कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाती है तो दूसरी सिर्फ छोटी कंपनियों में निवेश करेगी। कोई तीसरी स्कीम सिर्फ government bonds में पैसा लगा सकती है। इस तरह से हर company अलग-अलग उद्देश्यों वाले कई mutual fund scheme शुरू करती है।

NFO या न्यू फंड ऑफर

ये म्युचुअल फंड कंपनियां समय-समय पर नई-नई म्यूचुअल फंड स्कीमें लांच करती हैं। market में किसी नई म्यूचुअल फंड स्कीम के लांच करने को new fund offer कहा जाता है। इसकी शॉर्ट फॉर्म होती है-NFO स्कीम के उद्देश्य (objective), विवरण (details) और उसकी fund management team के बारे में जानकारी देता है।

Types of Mutual Funds Risk म्यूचुअल फंड में जोखिम के प्रकार।

म्यूचुअल फंड विभिन्न प्रकार के वित्तीय साधनों जैसे स्टॉक, डेट, कॉरपोरेट बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियों और कई अन्य में निवेश करते हैं। इन कारकों के कारण इन उपकरणों की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है जिससे नुकसान हो सकता है।

- 1. बाजार जोखिम (Market Risk)
  यह वह जोखिम है जो Share Market के खराब प्रदर्शन के कारण किसी भी निवेशक को नुकसान पहुंचा सकता है। बाजार को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं। कुछ उदाहरण प्राकृतिक आपदाएं, मुद्रास्फीति, मंदी, राजनीतिक उथल-पुथल, ब्याज दर में अस्थिरता आदि हैं।
- 2. महंगाई दर Inflation risk affects Mutual Fund returns
- मन लो अगर आपने 10% के हिसाब से मन के Mutual Fund में निवेश किया है अगले 5 वर्ष के लिए । अगर इस समय के दौरान महंगाई दर 2% बाद जाती है तो आपके Mutual Fund returns कम हो सकते है । दूसरा आपके रहने की लागत 2% बढ़ जाती है, तो आपके पास केवल वास्तविक रिटर्न 8% बचता है।
- 3. ऋण जोखिम
  (Interest Risk)- Mutual Fund में यह बहुत common बात है के ऋण Interest कभी भी फिक्स नहीं होता है । यह Mutual Fund size aur Risk के हिसाब से कम ज्यादा होती रहती है ।
- 4. Liquidity Risk
  Liquidity risk तब भी हो सकता है जब कोई विक्रेता मूल्य के लिए खरीदार नहीं ढूंढ पाता है। म्यूचुअल फंड में, ईएलएसएस की तरह, लॉक-इन अवधि के परिणामस्वरूप तरलता जोखिम हो सकता है। लॉकडाउन के दौरान कुछ भी नहीं किया जा सकता है। एक अन्य मामले में, exchange-traded funds (ETFs) Liquidity risk से ग्रस्त हो सकते हैं। इसके इलावा कुछ Mutual Fund Lock in Periord के साथ आते है । जिसमे से आप कुछ fix समय के बाद ही Mutual Fund amount निकल सकते है । बहुत से Mutual Fund में 1 वर्ष से पहले राशि निकलने पर Exit Load लगता है।

- 5. Credit Risk

  लोग म्यूच्यूअल फण्ड में पैसा अच्छा return लेने के लिए ही इन्वेस्ट करते है । Mutual Fund me invest करने से पहले हम अच्छे से Mutual Fund Long Term returns देखते है । पर जो हम Mutual Fund Returns expect करते है , वो हमेशा नहीं मिलता। Mutual Fund returns इससे कम या ज्यादा हो सकते है ।

<u>म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर अधिकार</u>

1) संबंधित डॉक्यूमेंट स्कीम से संबंधित डॉक्यूमेंट

   एक निवेशक को किसी विशेष म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करने से पहले सभी स्कीम से संबंधित डॉक्यूमेंट के माध्यम से जाने का अधिकार है. वह म्यूचुअल फंड कंपनी से डॉक्यूमेंट का सेट मांग सकता है, जिसमें म्यूचुअल फंड स्कीम के बारे में सभी जानकारी शामिल है. इसके अलावा, अगर किसी निवेशक ने पहले से ही निवेश किया है, तो फंड हाउस को इस तरह के परिवर्तनों के बारे में निवेशक को सूचित करना चाहिए.

2) वितरकों की फीस/कमीशन

   एक निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड स्कीम में इन्वेस्ट कर सकता है या वह किसी अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से इन्वेस्ट करने का विकल्प चुन सकता है. अगर कोई व्यक्ति डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट कर रहा है, तो उसके पास फीस या कमीशन के बारे में जानने का अधिकार है कि फंड हाउस किसी स्कीम को बेचने के लिए उसे भुगतान कर रहा है. यह आपको इस स्कीम के बारे में एक उचित विचार देगा कि एक डिस्ट्रीब्यूटर आपको बेचने के लिए धक्का दे रहा है. यह संभव हो सकता है कि वह आपको एक विशेष स्कीम बेच रहा है क्योंकि उसे उस स्कीम को बेचने के लिए उच्च कमीशन मिल रहा है.

3) लाभांश और रिडेम्पशन

   आमतौर पर, जब कोई निवेशक म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करता है, तो वह लाभांशों और रिडेम्पशन के आगमों को जानने का विवरण नहीं देता है. कभी-कभी, जब कोई फंड लाभांश घोषित करता है, तो निवेशकों को अपने खाते में जमा की जाने वाली प्रक्रिया से अनभिज्ञ होता है. एक निवेशक को लाभांश और रिडेम्पशन की आगम के बारे में हर विवरण जानने का अधिकार है.

4) शिकायत निवारण प्रणाली

   प्रत्येक म्यूचुअल फंड हाउस में निवेशक शिकायत कक्ष है. अगर कोई निवेशक किसी भी शिकायत को रजिस्टर करना चाहता है, तो वह शिकायत कोशिका से संपर्क कर सकता है. अगर मामला अभी भी संबोधित नहीं है, तो वह AMFI (भारत में म्यूचुअल फंड एसोसिएशन) या SEBI (सिक्योरिटीज़ एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) से संपर्क कर सकता है.

एक्टिव (Active) फंड्स

इस तरह के फंड में मैनेजर का काम यह देखना होता है कि वे किस तरह से निवेश पर मुनाफा कमाएं. इसके लिए वे स्टॉक्स, बेंचमार्क और इंडेक्स की पूरी स्टडी करते हैं. आमतौर पर एक्टिव रूप से मैनेज किए जाने वाले फंड्स पर अधिक चार्ज लगता है. इसके लिए एनलिस्ट्स और रिसर्चर्स बेहद तत्परता से किसी स्टॉक को

खरीदने या बेचने का फैसला लेते हैं. जिस फंड को किसी भी फंड मैनेजर द्वारा एक्टिवली मैनेज किया जाता है, उसे ही एक्टिव फंड कहते हैं.

पैसिव (Passive) फंड्स:

इस तरह के फंड में मार्केट इंडेक्स ट्रैक करने के बाद ही निवेश से जुड़े फैसले लिए जाते हैं. इसमें फंड मैनेजर किसी भी स्टॉक का फैसला एक्टिवली नहीं लिया जाता है. आमतौर पर, इसमें निवेश करना आसान होता है. इंडेक्स फंड उन लोगों के लिए बेहतर माना जाता है, जिनके पास मार्केट को अच्छे से ट्रैक करने का समय नहीं होता है. इसके लिए ज्यादा रिसर्च की भी जरूरत नहीं होती है.

वैल्यू स्टॉक Growth Stocks

उन कंपनियों के स्टॉक होते हैं, जिन्हें बाजार द्वारा अंडरवैल्यूड माना जाता है। इन कंपनियों में आम तौर पर कम पी/ई अनुपात, कम मूल्य-टू-बुक अनुपात (पी/बी) और उच्च लाभांश उपज होती है। पी/बी अनुपात किसी कंपनी के बाजार पूंजीकरण की तुलना उसके बुक वैल्यू (एसेट माइनस लायबिलिटी) से करता है। डिविडेंड यील्ड एक कंपनी द्वारा प्रति शेयर दिया गया वार्षिक डिविडेंड है जो उसके मौजूदा स्टॉक मूल्य से विभाजित होता है। मूल्य शेयरों को अक्सर सौदा निवेश के रूप में देखा जाता है क्योंकि वे अपने आंतरिक मूल्य की तुलना में छूट पर कारोबार कर रहे हैं।

ग्रोथ स्टॉक Value Stock

उन कंपनियों के स्टॉक होते हैं जिनके बाजार में औसत कंपनी की तुलना में तेज दर से बढ़ने की उम्मीद होती है। इन कंपनियों के पास आम तौर पर समग्र बाजार की तुलना में उच्च राजस्व वृद्धि दर, उच्च आय वृद्धि दर और उच्च मूल्य-से-आय अनुपात (पी/ई) होता है। पी/ई अनुपात एक वैल्यूएशन रेशियो है जो किसी कंपनी के स्टॉक की कीमत को उसकी प्रति शेयर आय के सापेक्ष मापता है। भविष्य के विकास और कमाई की उनकी क्षमता के कारण निवेशक विकास शेयरों के लिए उच्च कीमत चुकाने को तैयार हैं।

ईटीएफ ETF एक्सचेंज ट्रेडेड फंड

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड यानी ईटीएफ शेयर बाजार में लिस्ट और ट्रेड होने वाले फंड हैं. न्यू फंड ऑफर यानी एनएफओ की अवधि के दौरान फंड हाउस से खरीदने के लिए ये उपलब्ध होते हैं. एनएफओ के बाद फंड की यूनिटें शेयर बाजार पर लिस्ट होती हैं. फिर इन्हें वहां से खरीदा और बेचा जा सकता है.

1) ईटीएफ यह इंडेक्स निफ्टी ईटीएफ जैसा शेयर मार्केट इंडेक्स हो सकता है या गोल्ड ईटीएफ जैसा कमोडिटी इंडेक्स या बॉन्ड ईटीएफ.
2) ईटीएफ में निवेश के लिए डीमैट के साथ ट्रेडिंग अकाउंट का होना जरूरी है. ईटीएफ को निवेशक अपने ब्रोकर को निवेश का इंस्ट्रक्शन देकर या ब्रोकर की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर निवेश कर सकते हैं.
3) ईटीएफ में भी इंडेक्स के चढ़ने-उतरने का असर होता है. यानी ईटीएफ का रिटर्न और रिस्क बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स या सोने जैसे एसेट में उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है.

4) ईटीएफ के मूल्य वास्तविक समय में पता चल जाते हैं. यानी लेनदेन के समय ही इनके दामों का भी पता लग जाता है. जबकि म्यूचुअल फंडों के एनएवी के साथ यह नहीं होता है. एनएवी का कैलकुलेशन दिन के अंत में होता है.

Important Points

NAV = (परिसंपत्तियां - ऋण) / बकाया शेयरों की कुल संख्या

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF)

MCQ Objective Questions :-

Q1. म्यूच्युअल फंड में NAV का अर्थ क्या है?

1) नया अर्जित मूल्य
2) निवल परिसंपत्ति मूल्य.
3) शुद्ध संपत्ति दृश्यता
4) शुद्ध राशि मूल्यांकन

Q2. भारत में स्थापित पहला म्यूचुअल फंड कौन सा है?

1) एसबीआई म्यूचुअल फंड
2) कोठारी पायनियर
3) यूटीआई.
4) आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड

Q3.म्युचुअल फंड देश में _____ द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं।

1) आईआरडीए
2) एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई)
3) नाबार्ड
4) सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया.
5) भारतीय रिजर्व बैंक

Q4.निम्नलिखित में से कौन से म्यूचुअल फंड के प्रकार हैं?

1) इक्विटी फंड
2) ऋण फंड
3) हाइब्रिड फंड
4) (1) और (2) दोनों सत्य हैं

5) (1), (2) और (3) सभी सत्य हैं.

Q5. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

1) हेज फंड म्यूचुअल फंड नहीं हैं
2) हेज फंड जनता को बेचा जा सकता है।.
3) म्यूचुअल फंड में निवेशकों को विभिन्न शुल्क और व्यय का भुगतान करना होगा।
4) म्यूचुअल फंड निवेश निर्णयों के लिए बड़े पैमाने की मितव्ययता प्रदान करते हैं

Q6. लिक्विड फंड वह फंड होते हैं जो प्रतिभूतियों में _____ दिनों की परिपक्वता अवधि के साथ निवेश करते हैं।

1) 364 दिन
2) 90 दिन
3) 120 दिन
4) 91 दिन.
5) 30 दिन

Q7. म्यूचुअल फंड क्या होता है

Q8. एनएवी क्या होता है

Q9. ओपन एंडेड या क्लोज़ एंडेड फंड क्या होते हैं?

Q10.ईटीएफ (ETF) क्या है? ईटीएफ के क्या फायदे हैं?

Q11.ईटीएफ और म्यूचुअल फंड के बीच क्या अंतर क्या होता है?

Q12. म्युचुअल फंड के कोई 3 प्रकारो की व्याख्या करे ?

Q 13. म्यूचुअल फंड के कोई 3 फायदे. Any 3.

Q14.वैल्यू स्टॉक Growth Stocks और ग्रोथ स्टॉक Value Stock के बीच में अंतर क्या होता है ?

अध्याय- 8

विविध

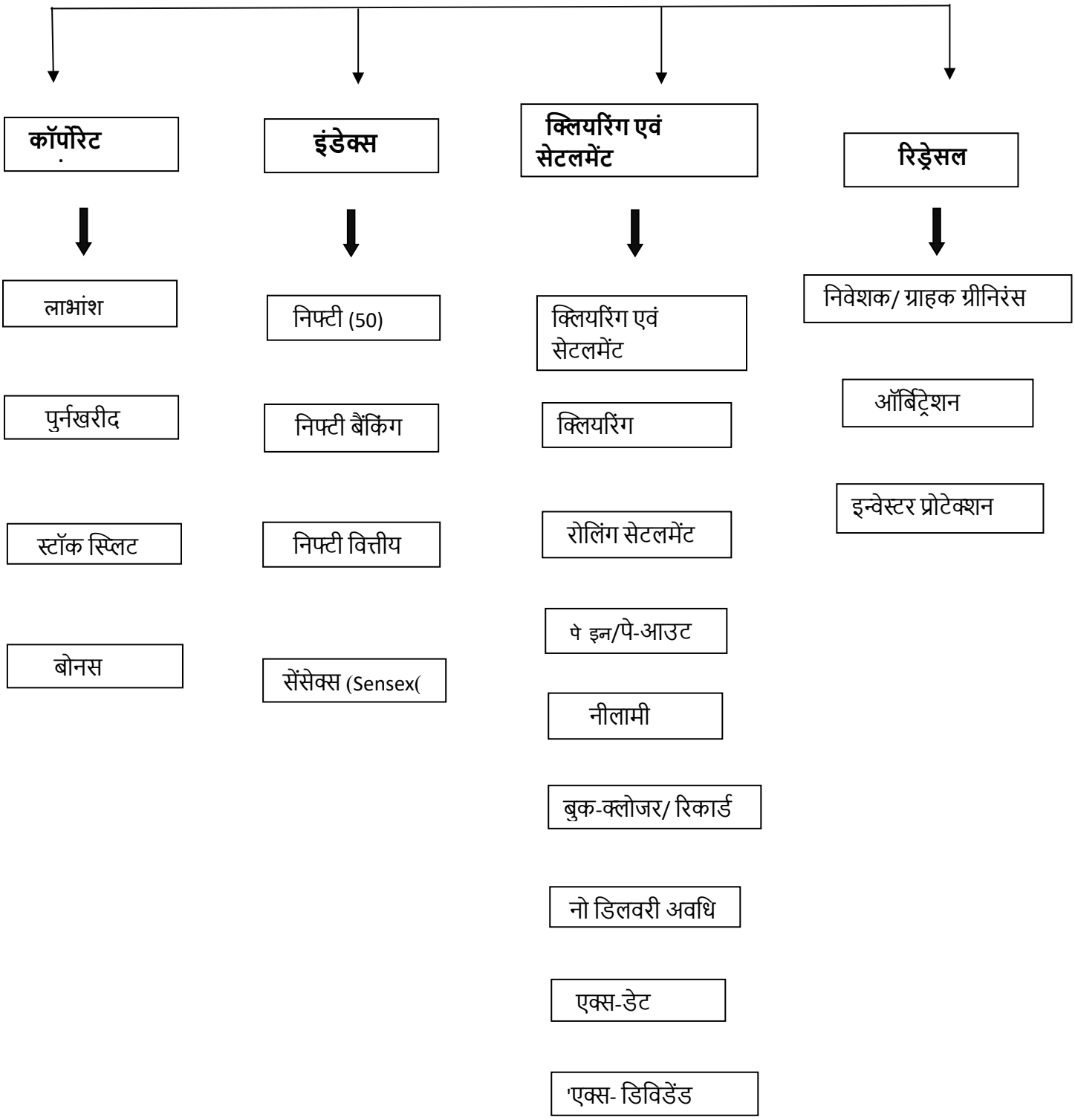
कॉर्पोरेट
इंडेक्स
क्लियरिंग एवं सेटलमेंट
रिड्रेसल
लाभांश
पुर्नखरीद
स्टॉक स्प्लिट
बोनस
निफ्टी (50)
निफ्टी बैंकिंग
निफ्टी वित्तीय
सेंसेक्स (Sensex(
क्लियरिंग एवं सेटलमेंट
क्लियरिंग
रोलिंग सेटलमेंट
पे इन/पे-आउट
नीलामी
बुक-क्लोजर/ रिकार्ड
नो डिलवरी अवधि
एक्स-डेट
'एक्स- डिविडेंड
निवेशक/ ग्राहक ग्रीनिरंस
ऑर्बिट्रेशन
इन्वेस्टर प्रोटेक्शन

<u>कॉर्पोरेट एक्शंस</u>, - कॉर्पोरेट ऐक्शंस एक प्रक्रिया की शुरुआत है जो अपनी प्रतिभूतियों में वास्तविक बदलाव से है। यह कीमत से संबंध की प्रवृत्ति को दर्शाता है । जब कॉर्पोरेट ऐक्शंस की घोषणा करती है तो शेयर धारको के हाथों में शेयरो की संख्या बढ़ाने के लिहाज से है। हो सकता है या प्रतिभूति के सममूल्य में बदलाव या शेयर धारको द्वारा नई कंपनी के शेयरों को प्राप्त करने से होता है| कॉर्पोरेट एक्सन कंपनी के वित्तीय मामलों जैसे विलय या अधिग्रहण आदि के मामले से है।

<u>लाभांश</u> - किसी कंपनी के लाभ का हिस्सा जो शेयरधारको के बीच आंवटन/वितरण से होता है ।

निवेशको को दो तरह से लाभ प्राप्त होता है -

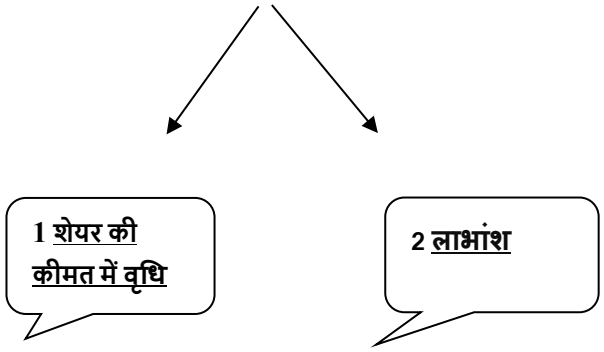

<u>लाभांश प्रतिफल (डिविडेंट शील्ड)</u> :- यह 12 महीनों के दौरान शेयर की मौजूदा कीमत और उसे जारी करने वाली कंपनी

द्वारा चुकाये गये लाभांश के बीच संबंधों को दर्शाता है।

➔ इसकी गणना रात वर्ष के लाभांश को समेकित कर उसे शेयर की मौजूदा कीमत से घटा कर की जाती है|

Example - **<u>Abhay Pvt Ltd Company</u>**

Price of Share = 400/-

Annual Dividend = 10/-

Dividend Yield = 10/400 = Rs. 2.50/-

➔ उच्चत्तम लाभांश प्रतिफल को निवेशकों के बीच वाछनीय माना जाता है। उच्च लाभांश प्रतिफल मे; शेयर अंडरप्राइस्ड है जबकि न्यून लाभांश में शेयर ओवर प्राइस्ड होता है ।

<u>शेयरों की पुर्नखरीद क्या है</u> :- पुर्नखरीद **(Buyback)** एक ऐसी पद्धति है जिसमें कंपनी बाजार से दूसरे निवेशकों से शेयरों की खरीदारी कर खुद से निवेश करती है।

- ➔ इससे (पुनरर्खरीद), बकाया, शेयरों की संख्या घटती है|
- ➔ इसका मुख्य उद्देश्य - शेयरो की तरलता में सुधार तथा शेयरधारको को विधि में बढ़ोतरी करना होता है।
- ➔ **(Buyback)** शेयर की अवधि **30** दिनों के लिए होता है।

इंडेक्स (Index) :- यह एक सूचकॉक है जो शेयरों की कीमत में वृद्धि/कमी को दर्शाता है।बाजार की गतिविधियों **(Activities)** को परिलक्षित करता है।

निफ्टी Nifty (50) :- CNX NIFTY, 50 स्टॉक इंडेक्स, जो सबसे बड़े और सबसे तरल शेयर शामिल होते हैं|

- ➔ निफ्टी, भारतीय बाजारों का बेरोमीटर हैं|
- ➔ वह इसका रखरखाव India Services and Product Ltd द्वारा किया जाता है। जो कि NSE और CRISIL के बीच एक संयुक्त उपक्रम है।

स्टॉक स्प्लिट क्या है?

- ➔ स्टॉक स्प्लिट एक कॉपोरेट ऐक्शन है जो खारा सममूल्य के मौजूठा शेयरों को छोटे मूल्यवर्ग में विभाजित करता है।
- ➔ स्टॉक स्प्लिट के बाद, निवेशकों के पास मौजूदा शेयरी का मूल्य / बाजार पूँजीकरण पहले की ही तरह समान रहता है।

Example - यदि एक कंपनी **10/-** रुपये सम्मुल्य के **1,00,00,000** शेयरों को जारी करती है. और बाजार की वर्तमान कीमत **100/-** रुपये है तो, 1 शेयरो को 2 शेयरों में विभाजित करने से शेयरो का सममूल्य घटकर **5** रुपये रह जाएगा और कंपनी के आउटस्टैंडिंग **(Outstanding)** शेयरो की संख्या बढ़कर **2,00,00,000 (100,00,000x10/5)** पहुँच जायेगी। परिणाम स्वरूप, शेयर की कीमत घटकर **50/ रू0** पर आ जायेगी और इस तरह निवेशक के पास मौजूद शेयरों के बाजार पूंजीकरण अथवा मूल्य में कोई बदलाव नही होगा। यह बिल्कुल उसी तरह है जैसे आप 100 रुपये के नोट को दो **(50-50)** रुपये के नोट से बदलते है, जिससे मूल्य समान ही

चार्ट की सहायता से इस तरह समझ सकते

2-फॉर-1 स्प्लिट	**प्रि-स्प्लिट**	**पोस्ट-स्प्लिट**
शेयरों की संख्या	100 मिलियन	200 मिलियन
शेयर की कीमत	40 रूपये	20 रूपये
बाजार पूंजीकरण	4000 मिलियन रूपये	4000 मिलियन रूपये
4-फॉर-1 स्प्लिट		
शेयरों की संख्या	100 मिलियन	200 मिलियन
शेयर की कीमत	40 रूपये	20 रूपये
बाजार पूंजीकरण	4000 मिलियन रूपये	4000 मिलियन रूपये

- **कारण**

स्टॉक स्प्लिट क्यों होता हैं?

1 शेयरों की कीमत में लगातर बढ़ोतरी से, छोटे निवेशकों की भी खरीद हो सके ।

2 शेयरों में विभाजन होने से, निवेशकों की संख्या में वृद्धि होती है।

क्लियरिंग एवं सेटलमेंट एवं रिड्रेसल

- ➔ यह एक पृथक एनटाइरी है, सभी प्रकार के लेनदेन को क्लियर एवं सेटल करता है अर्थात् शेयरों / पूँजी की प्राप्ति और डिलीवरी की प्रक्रिया को पूरा करता है।
- ➔ एक्सचेंज पर कार्यान्वित सभी लेन-देन के लिए आर्थिक गारंटी मुहेया कराता है।
- ➔ वह जोखिम प्रबंधन फंक्शन उपलब्ध कराता है।
- ➔ इसका वर्तमान में ट्रेडिग स्टेलमेट **(T+1)** हो गया है।

रोलिंग सेटलमेंट

- ➔ इसके अंतर्गत दिन की समाप्ति पर सभी ओपन पोजीशन एन' दिन बाद पेमेंट डिलीवरी मे परिणित होना अनिवार्य है।
- ➔ वर्तमान समय में ट्रेडिंग **(T+1)** आधार पर सेटल होता है।
- ➔ अर्थात् सोमवार को किया गया ट्रेडिंग मंगलवार **(T+1)** तक होना अनिवार्य हैं।
- ➔

Pay-In (पे-इन)

- ➔ वह दिन है जब बेची गई प्रतिभूतियों को विक्रेताओं द्वारा एक्सचेंज पर डिलीवरी किया जाता है और खरीदी गई प्रतिभूतियों के लिए फंड्स को एक्सचेंज पर लेने के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

Pay-Out (पे-आउट)

- ➔ वह दिन है जब खरीदी गई प्रतिभूतियों को लेने वाले के लिए डिलीवरी किया जाता है और एक्सचेंज द्वारा बेची गई प्रतिभूतियों के लिए फंड्स को विक्रेताओ को दिया जाता है।

(Auction) -ऑक्शन नीलामी) क्या है

- ➔ प्रतिभूतियो की नौन- डिलीवरी पर, निलामी करना, यह Exchange.Trading Platform पर होता है। उसे Trading Member (ट्रेडिंग सदस्य) द्वारा जारी किया जाता है।

(Book Closer) बुक क्लोजर / रिकार्ड डेट

1. कंपनी के रिकार्डस में निवेशकों के नाम का रजिस्टर बंद **(Close)** करने से है।
2. यह कंपनी के तय तिथि पर शेयरधारको का निर्धारण करता है
3. लाभांश, बोनस इश्यू, राउट्स इश्यू आर्जन के लाभ, उन निवेशकों को प्राप्त होता है

   जिनके नाम उस तारीख पर कंपनी के रिकार्ड पर दिखाई देता है।

   जिन्हें रिकार्ड डेट कहा जाता है।
4. कंपनी द्वारा इसकी घोषणा एडवांस में किया जाता है ताकि जो शेयर धारक होते हैं

   उन्हें लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

नो- डिलीवरी अवधि :-

➔ इस अवधि के दौरान सिर्फ ट्रेडिंग की स्वीकृति दी आती है ऐसा तब होता है जब कंपनी बुक क्लोजर / रिकार्ड डेट की घोषणा करती है।

एक्स-डिविडेंट तारीख क्या होता है -

➔ बिना कोई प्रति प्रतिभूति की कीमत में लाभांश जोड़े बगैर ट्रेडिंग शुरू होती हैं
➔ आर्थात् इस डेट के बाद शेयर खरीदते हैं तो लेने वालो को कोई लाभांश प्राप्त नहीं होता है।

एक्स-डेट क्या है

➔ नो- डिलीवरी period अवधि का पहला दिन (x-date) कहलाता है।
➔ अर्थात् राइट्स, बोनस, लाभांश जैसे किसी कॉर्पोरेट लाभ की घोषण की जाती है तो उस बुक क्लोजर/रिकार्ड डेट तय तिथि पर शेयरों पर लामो को पाने के हकदार नहीं होगे।

- **निवेशक /ग्राहक के लिए अपनी शिकायतों के सामान हेतु क्या साधन उपलब्ध हैं|**

➔ निवेशक/ग्राहक के लिए शिकायतों के समाधान हेतु निम्नलिखित साधन उपलब्ध हैं -

1 इन्वेस्टर ग्रिविऐंस सेल **(IGC)** में शिकायत दर्ज करा सकते हैं यदि ट्रेड विवाद अथवा भुगतान प्रतिभूतियो की रसीद प्राप्त न होने पर ब्रोकर के खिलाफ|

(Arbitration) आर्बिट्रेशन

➔ एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली हैं जो ट्रेडिंग सदस्यों और उनके क्लाइंट के बीच विवादों का समाधान उपलब्ध कराती हैं|

इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड क्या हैं?

1 इसमें इन्वेस्टर द्वारा इन्वेस्ट किये गए शेयरो को प्रोटेक्ट करने का काम करती हैं|

2 ताकि निवेशको द्वारा ट्रेडिंग के दोरान नॉन-सेटलमेंट को प्रोटेक्ट किया जा सके|

3 **I.P.F** के द्वारा, निवेशको के दावो का निपटारा करती हैं जो, **(Defaulter)** घोषित किया गया हैं|

Bank NIFTY :-

➔ यह बैंको का इंडेक्स होता है इसके अंतर्गत भारत के सबसे बड़े **(12)** भरोसेमंद बैंक आते हैं।

➔ भारत मे बोकिंग सेक्टर का ग्रोथ, **BanK NIFTY** द्वारा पता लगाया जा सकता है ।

➔ बैंकिंग सेक्टर मे, भारतीय शेयर बाजार की स्थिति को मजबूत करना था।

➔ **Starting Year, 2000 AD. By IISL [Indian Index Service Ltd]**

NIFTY Finance -

➔ **Nifty Finance, Nifty Bank** की तरह एक दूसरा सेक्टरल इंडेक्स है जो कई कंपनी से मिलकर बना है जो **इंडियन फाइनेंशियल सर्विसेज** सेक्टर के अंदर ऑपरेट करती है, इसके अंतर्गत **Banking company, Non - Banking Companies, Assets Management Companies and Insurance companies** आती है।

Sensex (सेंसेक्स):-

➔ यह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का एक सूचकांक है।

➔ इसका सूचकांक, मार्केट कैंप के आधार पर देश के **(13)** अलग-अलग सेक्टर से **(30)** सबसे बड़ी कंपनियों को इंडेक्स किया जाता है।

➔ शुरुआत - **[1st January, 1986, उसे BSE-30]** के नाम से जाना जाता है|

➔ सेंसेक्स के उतार-चढ़ाव से पता चलता है कि देश की बड़ी कंपनियों और शेयर बाजार की क्या स्थिति है।

अध्याय- 9

(विश्लेषण की अवधारणा और प्रकार)

Interest (ब्याज) एक ऐसा शुल्क है जो उधार लेने पर देना होता है।

ब्याज की गणना दो प्रकार से होती है

1) **साधारण ब्याज (Simple Interest)**

यह ब्याज एक ही दर पर केवल मूलधन पर निश्चित समय के लिए लगता है।

P = 100 रुपए

R = 12 प्रतिशत

T = 2 वर्ष

पहला वर्ष 100 +(100 + 12%)

=100 + 12 = 112

दूसरे वर्ष 112 + (100 + 12%)

= 112 + 12 = 124

2) **चक्रवृद्धि ब्याज (Compound Interest)**

ब्याज पर गणना करने पर ब्याज भी शामिल होता है अर्थात मूल राशि में ब्याज को जोड़कर नई मूल राशि प्राप्त करके नया ब्याज आता है।

P = 100 रुपए

R = 12 प्रतिशत

T = 2 वर्ष

पहला वर्ष 100 +(100 + 12%)

=100 + 12 = 112

दूसरे वर्ष 112 + (112+ 12%)

=112+13.44= 125.44

Principal (मूलधन)- वह धनराशि जो किसी से उधार ली या दी जाती है।

Rate (दर) - उधार लिए या दिए गए धन पर जिस हिसाब से ब्याज लिया जाता है।

Time (समय) - जिस अवधि के लिए उधार लिया या दिया गया है।

Amount (मिश्रधन) - मूलधन और ब्याज को जोड़कर मिश्रधन आता है।

Time Value of Money

(टाइम वैल्यू ऑफ मनी)

धन की टाइम वैल्यू होती है। टाइम वैल्यू ऑफ मनी के पीछे आइडिया यह है कि आज एक रूपया भविष्य में एक रूपये से ज्यादा मूल्य का है।आज रुपये के मूल्य और भविष्य में रूपये के मूल्य के बीच संबंध को टाइम वैल्यू ऑफ मनी के रूप में जाना जाता है। आज प्राप्त रूपया भविष्य में ब्याज कमा सकता है। आज निवेश की गई राशि बाद की तारीख में निवेश की गई समान राशि की तुलना में अधिक मूल्य की होगी क्योंकि इसके द्वारा कंपाउंडिंग की ताकत का इस्तेमाल किया जायेगा।

How to calculate Time Value of Money ?

टाइम वैल्यू कैसे पता करें ?

1) एकल नगद प्रवाह का भविष्य मूल्य

2) annuity का भविष्य मूल्य

3) एकल नकद प्रवाह का मौजूदा मूल्य

4) annuity का मौजूदा मूल्य

Effective Annual Return(प्रभावी वार्षिक लाभ)

जब हम बॉन्ड या सावधि के लिए आवेदन करते हैं।आवेदन फॉर्म में लिखा होता है वार्षिक लाभ 10%

इफेक्टिव एनुअल रिटर्न 10.38%

यह फर्क intra year compounding (त्रैमासिक कंपाउंडिंग) से होता है।

वार्षिक लाभ =10% of 1000 = 100 + 1000 = 1100

त्रैमासिक कंपाउंडिंग में ज्यादा ब्याज मिलता है

10.38% of 1000 =103.83 + 1000 = 1103.83

(पहला क्वार्टर) 1000∗10%∗3/12=25

(दूसरा क्वार्टर) 1025∗10%∗3/12=25.63

(तीसरा क्वार्टर) 1050.63∗10%∗3/12=26.27

(चौथा क्वार्टर) 1076.9∗10%∗3/12=26.93

Total = 103.83

कंपाउंडिंग की ताकत का प्रभाव

वर्ष की समाप्ति पर	10%	20%
1	11000	12000
10	25900	61900

3 Ways to systematically analyse a company

कंपनी को व्यवस्थित तरीके से विश्लेषण करने के लिए 3 विश्लेषण करते हैं

1) Industry Analysis (उद्योग विश्लेषण)

जो कंपनिया समान उत्पाद बनाती हैं वह एक सेक्टर का हिस्सा है।

जरूरी बातें जिनकी जांच आवश्यक है

सरकारी नीति के प्रभाव

उत्पादों की भविष्य मांग

रुपए में अवमूल्यन devaluation से सभी export सुनहरा कार्य करती हैं और यही उद्योग विश्लेषण है।

2) Corporate Analysis (कॉरपोरेट विश्लेषण)

जब हम बात करते हैं मौजूदा परिचालनो की, विकास योजनाओं की प्रबंधकीय सामर्थ्य और उसके प्रतिस्पर्धियों आदि की पूरी जानकारी प्राप्त करते हैं और कहते हैं उद्योग विश्लेषण।

3) Financial Analysis (वित्तीय विश्लेषण)

इस विश्लेषण में अर्निंग प्रति शेयर (ई पी एस), इक्विटी की वर्तमान स्थिति देखी जाती है जिससे अनुमानित कीमत पर पहुंचते हैं।

Annual Report वार्षिक रिपोर्ट

*औपचारिक वित्तीय बयान है।

*हर साल जारी की जाती है ।

*राजस्व, खर्चे, परिसंपतियां,कमाई और लायबिलिटी दिखाई जाती है।

वार्षिक रिपोर्ट में इस पर जोर दें

1 बैलेंस शीट

2 ऑडिटर्स की रिपोर्ट

3 लाभ एवं हानि खाता

4 निर्देशक की रिपोर्ट और चेयरमैन का बयान

5 बैलेंस शीट के लिए संबंधित अकाउंट पर नजर

Balance Sheet कम्पनी की आर्थिक स्थिति को दर्शाती है।

कंपनीज एक्ट के अनुसार बैलेंस शीट 2 तरह की हैं

1 **Balance Sheet (Account Form)**

बैलेंस शीट अकाउंट फॉर्म

*लायबिकिटीज	* परिसंपतियाँ
शेयर पूंजी	फिक्स्ड एसेट्स
रिजर्व एंड सरप्लस	निवेश
सुरक्षित ऋण।	मौजूदा
	परिसंपत्तियां
	और एडवांस
असुरक्षित ऋण।	विविध खर्च

मौजूदा

लायबिलिटीज़ और प्रावधान

2 **Balance Sheet (Report Form)**

बैलेंस शीट रिपोर्ट फॉर्म

Sources of fund (पूंजी के स्त्रोत)

1 Share holder fund (शेयर धारकों की पूंजी)

*Share Capital (शेयर पूंजी)

*Reserves and Surplus(रिजर्व एंड सरप्लस)

2 Loan fund (ऋण पूंजी)

*Unsecured Loan(असुरक्षित ऋण)

*Secured Loan (सुरक्षित ऋण)

Application of fund(पूंजी का प्रयोग)

*Fixed Assets फिक्स्ड एसेट्स

*Investments निवेश

*Current assets,loans and advances (मौजूदा परिसंपत्तियां ,ऋण एवं *एडवांस) परिसंपतियां

Miscellaneous expenditure and losses(विविध खर्च और नुकसान)

Sources of funds represent (पूंजी के स्त्रोत दर्शाते हैं)

*शेयर धारकों की पूंजी

कम्पनी के मालिकों की पूंजी

*ऋण पूंजी

जिसे बाहर के लोगो से उधार लिया हो

Equity Share holder

(इक्विटी शेयर धारक)

*कम्पनी के मालिक हैं।

*वार्षिक महासभा में वोट देने का अधिकार है।

Preference share holder

(तरजीही शेयर धारक)

* कम्पनी के जीवन काल में तय दर पर लाभांश का भुगतान मिलता है।

कम्पनी को बंद करने पर पूंजी का लाभ।

***Authorised Capital(अधिकृत पूंजी)**

कम्पनी जुटाने के लिए इक्कठा किया गया ।

***Issued Capital (इश्यूड कैपिटल)**

अधिकृत पूंजी का वह हिस्सा जिसे पब्लिक द्वारा सब्सक्राइब करने के लिए पेश किया ।

***Subscribed Capital**

(सब्सक्राइब्ड पूंजी)

इश्यूड कैपिटल का वह हिस्सा जो पब्लिक सब्सक्राइब करेंगे।

***Called up capital (कॉल्ड अप कैपिटल)**

सब्सक्राइब्ड पूंजी का हिस्सा जिसे कम्पनी भुगतान के लिए मांगती है।

इसे मांगी गई पूंजी भी कहते हैं।

*__Paid Up Capital (चुकता पूंजी)__

कॉल्ड अप कैपिटल का हिस्सा जिसे शेयर धारक चुकाते हैं।

Types of loan (ऋण के प्रकार)

*Secured loan (सुरक्षित ऋण)

उधारी जिसमे अचल संपत्ति को गिरवी या चलायमान संपत्ति को गिरवी रखे हैं।

कम्पनी से कोई डिफॉल्ट होने पर ऋणदाताओं को सुरक्षित रखता है।

*Unsecured Loan(असुरक्षित ऋण)

अल्पकालिक उधार है जिसमे कोई विशिष्ट सिक्योरिटी नही देते।

कम्पनी की ओर से डिफॉल्ट होने पर ऋण दाता को सुरक्षित नही रखता।

Application of funds (पूंजी का प्रयोग)

1 Fixed Assets (फिक्स्ड एसेट्स)

*दीर्घकाल के लिए खरीदी जाती हैं।

*कारोबारी परिचालन के लिए उपयोग होता है।

*पुनः बिक्री नही करते ।

*उदाहरण जमीन, इमारत, मशीनरी

2 Investments (निवेश)

जो दीर्घकालिक अथवा अल्पकालिक अवधि के लिए आय पैदा करने के लिए गैर व्यवसाय से संबंधित मार्गो में सरप्लस पूंजी का निवेश करके निर्माण करने वाली वित्तीय प्रतिभूतियों को निवेश कहते हैं।

3 Current assets,advances and loans (मौजूदा परिसंपत्तियां, ऋण और एडवांस)

*कम समय के रोजमर्रा के परिचालनीय खर्चों के लिए

*ऋण और एडवांस मौजूदा परिसंपतियों का हिस्सा है।

4 Miscellaneous expenditure and losses (विविध खर्चे एवं नुकसान)

प्राथमिक खर्च और परिचालन के पश्चात खर्च जिन्हे लिखते नही हैं वह इन्हे प्रस्तुत करते हैं।

Gross block or gross fixed assets (ग्रास ब्लॉक अथवा ग्रास फिक्स्ड एसेट)

*सभी फिक्स्ड परिसंपत्तियों को खरीदने का कुल मूल्य

Depreciation (अवमूल्यन)

फिक्स्ड परिसंपत्तियों के इस्तेमाल के कारण मूल्य प्रति वर्ष घटता जाता है और इस गिरावट को अवमूल्यन कहते हैं ।

Ways of finding depreciation

अवमूल्यन के 2 तरीके

1 Straight line method निरंतर वार्षिक विधि

2 Written down value method रिटेन डाउन वैल्यू विधि

Net block (नेट ब्लॉक)

फिक्स्ड एसेट्स से अवमूल्यन घटाने पर नेट ब्लॉक प्राप्त होता है।

Liabilities (लायबिलिटीज)

कम्पनी को काफी सामान प्राप्त करना होता है जिसे ऋण पर ले सकते हैं लेकिन यह एक ज़िमेदारी है जिसे लाइबिलिटी कहते हैं।

Provisions (प्रावधान)

कम्पनी के निश्चित खर्चों के लिए कुछ पूंजी मुहैया करते हैं इसे प्रावधान कहते हैं।

Net current assets

(नेट करेंट एसेट) =

मौजूदा परिसंपत्तियां मौजूदा - लायबिलिटीज़

Summarise Balance Sheet

बैलेंस शीट संक्षिप्त करें

*शेयर धारक पूंजी *फिक्स्ड एसेट्स

*ऋण पूंजी * निवेश

*शुद्ध मौजूदा परिसंपत्ति

कुल निवेशित =कुल परिसंपत्ति

Profit and loss statement consist of (प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट विवरण दर्शाता है)

कम्पनी द्वारा वित्त वर्ष में कितना मुनाफा या नुकसान हुआ जो अपने सभी खर्च के लिए पूंजी उपलब्ध कराने अपनी आय से आया ।

What company should look in Profit and loss account ?

(कम्पनी को प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट में क्या देखना चाहिए)?

1 अगर पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बिक्री और मुनाफा बेहतर है तो परिचालनीय बेहतर है

2 यदि अन्य आय निवेश पर लाभांश से अथवा ऋण एवं एडवांस से ब्याज से निकलती है तो यह बेहतर है

3 किसी भी असामान्य वृद्धि के लिए अवमूल्यन और ब्याज की

4 अर्निंग पर शेयर और विभिन्न अनुपातो की गणना करें

प्रश्न के उत्तर दें

1 वार्षिक रिपोर्ट किसे कहते हैं?

2 प्रभावी वार्षिक लाभ किसे कहते हैं?

3 पूंजी के प्रयोग से आप क्या समझते हैं?

4 साधारण ब्याज और चक्रवृद्धि ब्याज में क्या अंतर है?

5 बैलेंस शीट को किस तरह संक्षिप्त किया जाता है?

इकाई - 10

रेशो एनालिसिस

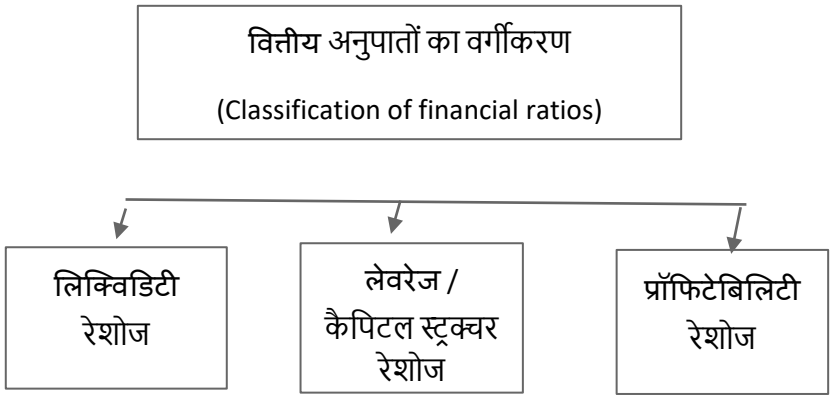

- रेशो एनालिसिस कंपनी की सही वित्तीय स्थिति जानने के लिए किया जाता है। कंपनियों का आपस में तुलनात्मक अध्ययन करने में मदद करता है जिससे अधिक मजबूत कंपनी का पता चलता है।
- लिक्विडिटी रेशोज (तरलता अनुपात) से कंपनियों की तरलता के बारे में पता चलता है। कोई कंपनी कितने कम समय में अपनी मौजूदा परिसम्पतियों को नकदी में परिवर्तित कर सकती है।
- लेवरेज/ कैपिटल स्ट्रक्चर रेशोज से कंपनी की दीर्घकालिक सॉल्वेंसी का पता लगता है। कंपनी दीर्घकालिक ऋण और ब्याज चुकाने में सक्षम है कि नहीं। इन रेशोज को दो भागों में बांट सकते हैं।
  - उधार ली गई पूंजी और मालिक की पूंजी के बीच संबंधों पर आधारित
  - लाभ और नुकसान अकाउंट से संबंधित
- प्रॉफिटेबिलिटी रेशोज (लाभदेयता अनुपात) एक विशिष्ठ अवधि के दौरान कंपनी द्वारा आय अर्जित करने, परिचालन और प्रबंधन दक्षता को मापता है।

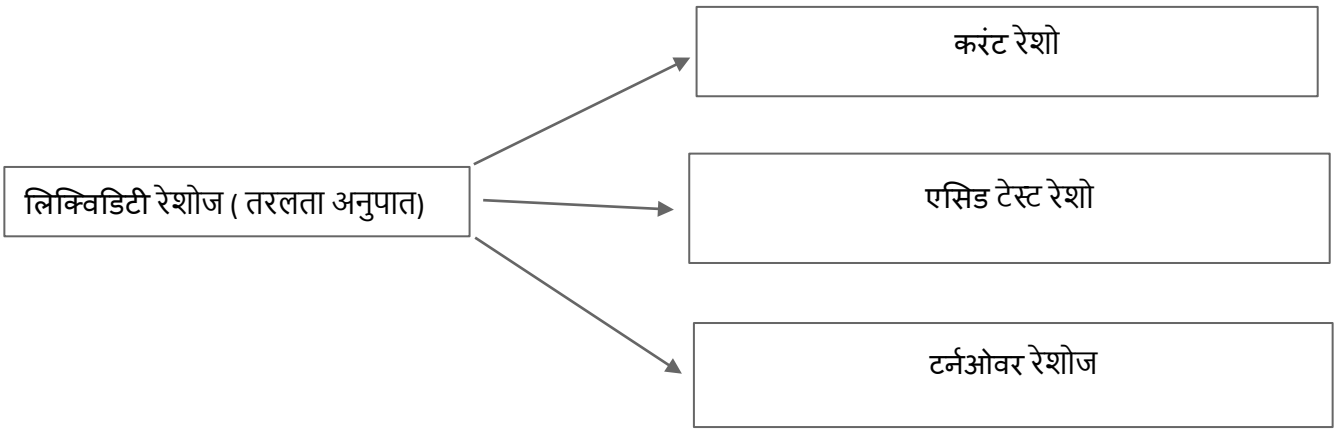

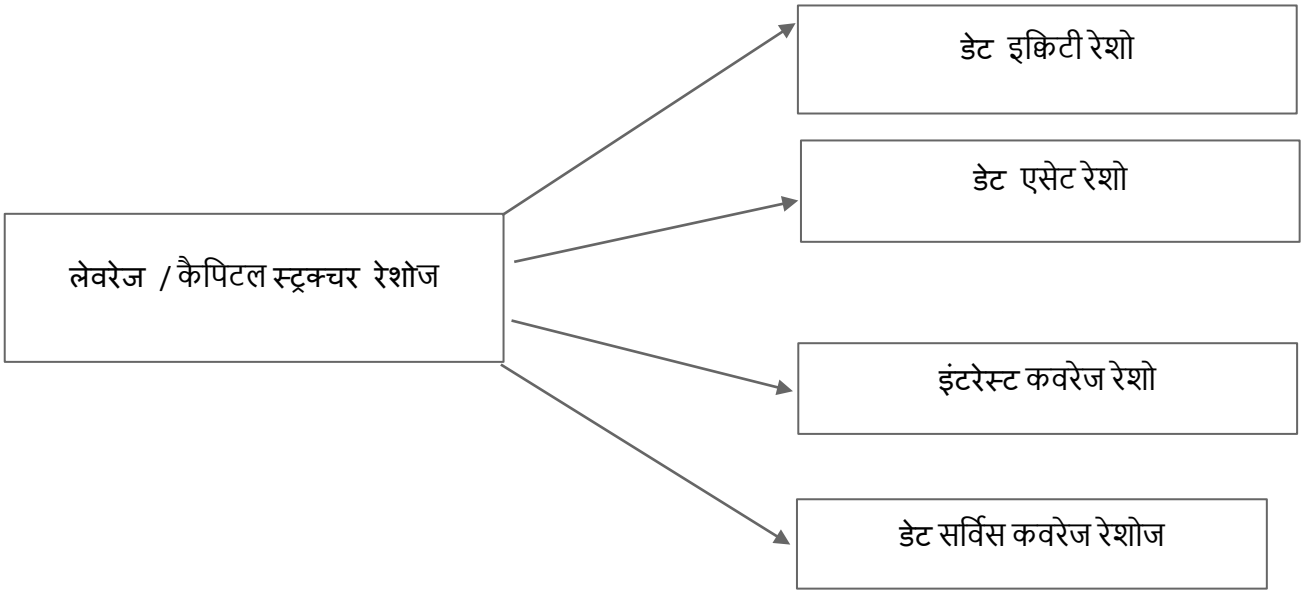

- करंट रेशो = करंट असेट्स / करंट लायबिलिटीज

  करंट रेशो से मालूम पड़ता है कि फर्म अपनी करंट असेट्स से करंट लायबिलिटीज़ को पूरा करने में सक्षम है कि नहीं। करंट रेशो जितना अधिक होगा शॉर्ट-टर्म सॉल्वेंसी उतनी ही बेहतर होगी।
- एसिड टेस्ट रेशो = क्विक असेट्स / करंट लायबिलिटिज

  एसिड टेस्ट रेशो से पता चलता है कि कंपनी अपनी करंट लायबिलिटिज को पूरा करने की लिए करंट असेट्स को कितनी जल्दी नकद में परिवर्तित कर सकती है। 1:1 एक अच्छा अनुपात है। क्विक असेट्स को निकालने के लिए करंट असेट्स में से इन्वेंट्रीज और प्रीपेड खर्च को घटा दिया जाता है।
- टर्नओवर रेशोज

  टर्नओवर रेशोज से पता चलता है कि फर्म कितनी जल्दी करंट असेट्स को नकदी में परिवर्तित कर वापस कंपनी में लगा रही है। महत्वपूर्ण टर्नओवर रेशोज निम्नलिखित है।

  5) इन्वेंटरी टर्नओवर रेशो = बेचें गए सामान की लागत/ औसत इन्वेंटरी
  6) डेटर्स टर्नओवर रेशो = नेट क्रेडिट सेल्स / एवरेज अकाउंटस रिसीवेबल
  7) एवरेज कलेक्शन पीरियड = एवरेज डेटर्स/ एवरेज डेली क्रेडिट सेल्स
  8) फिक्स्ड असेट्स टर्नओवर रेशो = कुल बिक्री / शुद्ध फिक्स्ड असेट्स

टोटल असेट्स टर्नओवर रेशो = कुल बिक्री / एवरेज टोटल एसेट्स

5) डेट इक्विटी रेशो = टोटल डेट (कुल कर्ज) / टोटल इक्विटी

   डेट इक्विटी रेशो से पता चलता है कि किसी कंपनी पर उसकी संपत्ति की तुलना में कितना कर्ज है। यह ऋणदाताओं और स्वामी के योगदान के संबंध को बताता है। आदर्श अनुपात (उच्च या निम्न) हर उधोग के लिए अलग अलग होता है।

6) डेट एसेट रेशो = टोटल डेट / टोटल एसेट

   डेट एसेट रेशो से हम जान पाते हैं कि कंपनी का कैपिटल स्ट्रक्चर कैसा है और वित्तीय हालत कैसी है? कुल संपत्ति के सामने कुल कर्ज कितना है?

7) इंटरेस्ट कवरेज रेशो = ब्याज एवम कर से पूर्व कमाई / ब्याज

   कर्ज चुकाने की क्षमता का पता चलता है। उच्च रेशो से तात्पर्य कंपनी के ब्याज चुकाने के बेहतर सामर्थ्य से है।

8) डेट सर्विस कवरेज रेशो = कर पश्चात लाभ + अवमूल्यन + अन्य गैरनगदी खर्च + टर्म लोन पर ब्याज / टर्म लोन पर ब्याज + टर्म लोन का पुनर्भुगतान

डीएससीआर ज्यादा व्यापक है और कंपनी द्वारा कर्ज चुकाने की क्षमत को जानने के लिए प्रयोग किया जाता है।

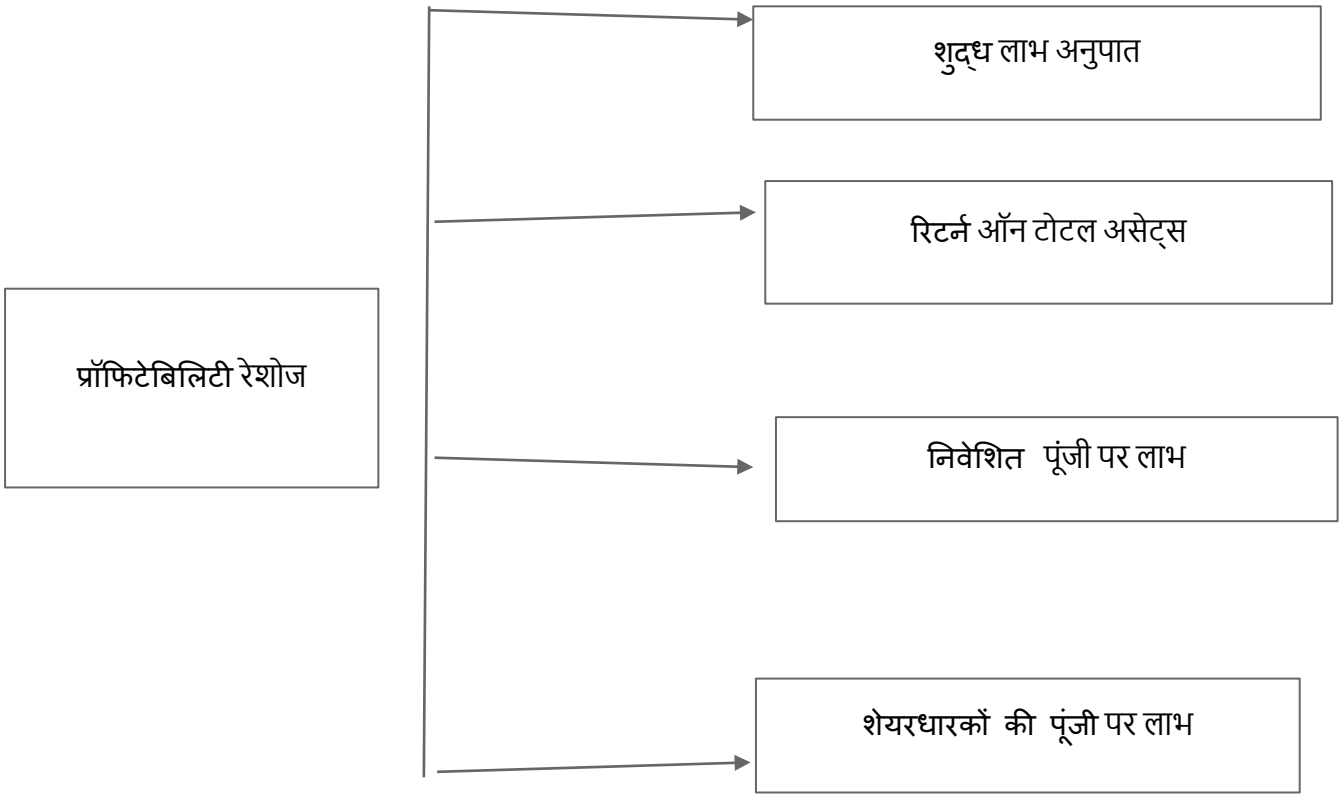

1) ग्रॉस प्रॉफिट रेशो (सकल लाभ अनुपात) = सकल लाभ/ कुल बिक्री * 100
   सकल लाभ रेशो कंपनी द्वारा बेंचे गए उत्पाद या सेवाओं से उत्पन्न लाभ को बिक्री और प्रशासनिक खर्चों से पहले के अनुपात को बताता है।
2) नेट प्रॉफिट रेशो (शुद्ध लाभ अनुपात) = शुद्ध लाभ/ कुल बिक्री * 100
   नेट प्रॉफिट रेशो कर पश्चात लाभ और बिक्री के सम्बन्धो के बारे में बताता है।
3) रिटर्न ऑन टोटल एसेट्स = ब्याज और कर से पूर्व लाभ/ फिक्स्ड एसेट्स + मौजूदा परसंपत्तियां (करंट एसेट्स)
   रिटर्न ऑन टोटल एसेट्स रेशो से पता चलता है कि कंपनी अपनी कुल संपत्ति के एवज में कितनी लाभदायक है।
4) रिटर्न ऑन कैपिटल एंप्लॉयड = कर पश्चात कुल लाभ/ कुल निवेशित पूंजी
   रिटर्न ऑन कैपिटल एंप्लॉयड रेशो से कंपनी की लाभप्रदता और पूंजी दक्षता के बारे में पता चलता है।
5) रिटर्न ऑन शेयरहोल्डर्स इक्विटी = कर पश्चात कुल लाभ / औसत कुल शेयरधारक पूंजी अथवा नेटवर्थ
   रिटर्न ऑन शेयरहोल्डर्स इक्विटी रेशो से इक्विटी निवेश को लाभप्रद बनाने की कंपनी की क्षमता का पता चलता है।
6) अर्निंग् प्रति शेयर = शेयरधारकों के लिए उपलब्ध कुल लाभ/ सामान्य शेयर्स आउटस्टैंडिंग की संख्या
   ईपीएस से पता चलता है कि शेयरहोल्डर के लिए प्रति शेयर कितना मुनाफा उपलब्ध है।
7) प्राइस अर्निंग रेशो (पी ई रेशो) = प्रति शेयर बाजार भाव/ ईपीएस
   पीई रेशो से पता चलता है कि एक रुपया कमाने के लिए कितने पैसे लगाने होगें।

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

प्रश्न 1 - रेशो एनालिसिस से आप क्या समझते है?

प्रश्न 2 - तरलता अनुपात क्या है? दो अनुपातों का नाम बताएं।

प्रश्न 3 - किसी भी व्यवसाय में नकदी उसकी प्राणशक्ति होती है। कंपनी कितनी जल्दी अपनी मौजूदा परिसंपत्तियों को नकदी में परिवर्तित कर सकती है, के बारे में जानने के लिए कौन से रेशो का प्रयोग करना होगा?

प्रश्न 4 - दीर्घकालिक सॉल्वेंसी का पता लगाने के लिए कौन से रेशो का प्रयोग करते हैं?

प्रश्न 5 - आय, परिचालन और प्रबंधन दक्षता को मापने के लिए कौन से रेशो का प्रयोग किया जाता है?

प्रश्न 6 - करंट रेशो से हमें क्या पता चलता है? इसकी गणना कैसे की जाता है?

प्रश्न 7 - एक निवेशक के लिए वित्तीय रेशोज का क्या महत्व है?

प्रश्न 8 - कोई कंपनी लिए गए कर्ज का ब्याज चुकाने में कितनी सामर्थ्य रखती है, किस रेशो से पता चलता है? बताए।

प्रश्न 9 - निम्नलिखित आंकड़ों से करंट रेशो की गणना करें।

विवरण	राशि
इन्वेंट्रीज़	50000
बिल रिसेवेबल	50000
एडवांस टैक्स	4000
कैश	30000
बिल पेबल	100000
बैंक ओवरड्राफ्ट	4000

प्रश्न 10 - निम्नलिखित आंकड़ों से सकल लाभ रेशो की गणना करें।

विवरण	राशि	विवरण	राशि
ओपनिंग स्टॉक	10000	बिक्री	80000
खरीददारी	30000	क्लोजिंग स्टॉक	30000
भत्ते और वेतन	50000		
सकल लाभ	20000		
	110000		110000

CBSE | DEPARTMENT OF SKILL EDUCATION

INTRODUCTION TO FINANCIAL MARKET (SUBJECT CODE 405)

CLASS X (SESSION 2023-2024)

SAMPLE PAPER

Max. Time Allowed: 2 Hour **Max. Marks: 50**

General Instructions:

1. **Please read the instructions carefully**
2. **This Question Paper consists of 21 questions in two sections: Section A & Section B.**
3. **Section A has Objective type questions whereas Section B contains Subjective type questions.**
4. **Out of the given (5 + 16 =) 21 questions, a candidate has to answer (5 + 10 =) 15 questions in the allotted (maximum) time of 2 hours.**
5. **All questions of a particular section must be attempted in the correct order.**
6. **SECTION A - OBJECTIVE TYPE QUESTIONS (24 MARKS):**
   - i. **This section has 05 questions.**
   - ii. **Marks allotted are mentioned against each question/part.**
   - iii. **There is no negative marking. iv.**
   - iv. **Do as per the instructions given.**
7. **SECTION B - SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS (26 MARKS):**
   - i. **This section has 16 questions.**
   - ii. **A candidate has to do 10 questions.**
   - iii. **Do as per the instructions given.**
   - iv. **Marks allotted are mentioned against each question/part.**

सामान्य निर्देश

1. कृपया निर्देशों को ध्यान से पढ़ें

2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 21 प्रश्न हैं: खंड ए और खंड बी।

3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं जबकि खंड बी में सब्जेक्टिव प्रकार के प्रश्न होते हैं।

4. दिए गए (5 + 16 =) 21 प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 2 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (5 + 10 =) 15 प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

6. खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (24 अंक):

i. इस खंड में 05 प्रश्न हैं।

ii. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

iii. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

iv. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

7. खंड बी - व्यक्तिपरक प्रकार के प्रश्न (26 अंक):

i. इस खंड में 16 प्रश्न हैं।

ii. एक उम्मीदवार को 10 प्रश्न करने होते हैं।

iii. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

iv. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

प्रश्न.1 रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

i. _____ संचार किसी बोले या लिखित शब्द का उपयोग किए बिना सूचना या संदेशों की अभिव्यक्ति या आदान-प्रदान है।

(ए) गैर-मौखिक संचार (बी) वर्बल संचार

(सी) जन संचार (डी) पारस्परिक संचार

उत्तर:- (बी) वर्बल संचार

ii. _____ को किसी कथित खतरे या मांगों के प्रति हमारी भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक और सामाजिक प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है।

(ए) आत्म प्रबंधन (बी) आत्म - संयम

(सी) तनाव (डी) आत्म जागरूकता

उत्तर:- (सी) तनाव

iii. SMART लक्ष्यों में, M का क्या अर्थ है?

(ए) मास्टर (Master) (बी) ताकतवर (Mighty)

(सी) शानदार (Magnificent) (डी) मापने योग्य (Measurable)

उत्तर (डी) मापने योग्य

iv. माउस आपको स्क्रीन पर एक आइटम का चयन करने की अनुमति देता है।

(ए) प्वाइंट और क्लिक (बी) ड्रैग एंड ड्रॉप

(सी) डबल-क्लिक करें (डी) इन सभी

उत्तर: - (ए) प्वाइंट और क्लिक करें

v. सही है या गलत बताएं:- जैसे-जैसे उद्यमी अधिक उत्पाद बेचते हैं, उत्पाद की कीमत कम होती जाती है।

उत्तर:- यह कथन सत्य है। जैसे-जैसे उद्यमी अधिक माल का उत्पादन करते हैं, उत्पाद की लागत और उत्पाद की कीमत कम होती जाती है।

vi. _____ वह जगह है जहाँ किसान अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों का उपयोग नहीं करते हैं।

(ए) जैविक खेती (बी) वाणिज्यिक खेती

(सी) डेयरी खेती (डी) मिश्रित खेती

उत्तर (ए) जैविक खेती

प्रश्न.2 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. _____ म्युचुअल फंड का एक विशेष रूप है जो अत्यंत अल्पकालिक निश्चित आय उपकरणों में निवेश करता है और इस प्रकार आसान तरलता प्रदान करता है।

(ए) हाइब्रिड फंड (बी) लिक्विड फंड

(सी) मनी मार्केट फंड (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (डी) दोनों (बी) और (सी)

ii. बाजार जो पहले जारी की गई प्रतिभूतियों में सौदा करता है।

(ए) न्यू इश्यू मार्केट (बी) प्राइमरी मार्केट

(सी) सेकेंडरी मार्केट (डी) दोनों (a) और (b)

उत्तर (सी) सेकेंडरी मार्केट

iii. कंपनी X ने बाजार में 1 करोड़ शेयर जारी किए हैं। शेयर का मौजूदा बाजार मूल्य रु। 250. कंपनी X के कुल बाजार पूंजीकरण की गणना करें।

उत्तर:- कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण = आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या × वर्तमान बाजार मूल्य = 1,00,00,000 × 250 = रुपये 250,00,00,000

iv. एक दस्तावेज़ जिसमें ऑर्डर संख्या, ऑर्डर समय, व्यापार संख्या और व्यापार समय का विवरण होता है। दस्तावेज़ को नाम दें।

(ए) अनुबंध नोट (बी) वचन पत्र

(सी) एक्सचेंज बिल (डी) डिलीवरी रसीद

उत्तर:- कॉन्ट्रेक्ट नोट

v. सेबी के नियमों के अनुसार, निक्षेपागार भागीदार बन सकते हैं।

(ए) बैंक (बी) वित्तीय संस्थान

(सी) सेबी पंजीकृत व्यापार सदस्य (डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (डी) उपरोक्त सभी

vi. एक्स-डेट का मतलब क्या होता है?

उत्तर:- पूर्व-तिथि नो-डिलीवरी अवधि का पहला दिन है।

प्रश्न.3 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. मकानों की कीमत के कारण साधन को विकास निवेश माना जाता है और मध्यम से दीर्घावधि अवधि में काफी हद तक उत्पन्न हो सकता है। संपत्ति के प्रकारों को पहचानें।

(ए) वित्तीय संपत्ति (बी) अमूर्त संपत्ति

(सी) रियल एसेट (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (सी) रियल एसेट

ii. सही या गलत बताएं, सेबी एक वैधानिक नियामक निकाय है।

उत्तर:- यह सत्य कथन है, सेबी को 30 जनवरी, 1992 को जारी एक अध्यादेश के माध्यम से वैधानिक दर्जा और शक्तियाँ प्रदान की गई थी।

iii. सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) विनियम, 2009 के अनुसार आवंटन का आधार इश्यू की समाप्ति तिथि से _____ के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

(ए) पांच दिन (बी) आठ दिन

(सी) दस दिन (डी) ग्यारह दिन

उत्तर (बी) आठ दिन

iv. जीरो कूपन बॉण्ड को परिभाषित कीजिए।

उत्तर:- जीरो-कूपन बॉन्ड एक ऐसा बॉन्ड है जो बिना किसी ब्याज के भुगतान करता है और अपने अंकित मूल्य पर छूट पर कारोबार करता है।

v. _____ का अर्थ है कि किसी विशेष प्रतिभूति की सभी धारिताएं समान और विनिमेय होंगी।

(ए) गैर-हस्तांतरणीय (बी) तरलता

(सी) फ्यूचरिस्टिक (डी) फंजिबल

उत्तर (डी) फंगिबल

vi. भावना को लगता है कि उसे एक्स लिमिटेड का शेयर खरीदना चाहिए, इसके लिए वह अनुमानित भविष्य की कीमत पर पहुंचने के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस), पी/ई अनुपात, इक्विटी के वर्तमान आकार को देखती है। इस प्रकार के विश्लेषण को पहचानें।

(ए) औद्योगिक विश्लेषण (बी) वित्तीय विश्लेषण

(सी) कॉर्पोरेट विश्लेषण (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (बी) वित्तीय विश्लेषण।

प्रश्न.4 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. बांड, डिबेंचर, पट्टे, प्रमाण पत्र, विनिमय के बिल और वचन पत्र _____ के उदाहरण हैं।

(ए) इक्विटी साधन (बी) हाइब्रिड साधन

(सी) ऋण साधन (डी) दोनों (ए) और (सी)

उत्तर (सी) ऋण साधन

ii. निर्गम मूल्य से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:- जिस मूल्य पर किसी कंपनी के शेयरों को प्राथमिक बाजार में शुरू में पेश किया जाता है, उसे निर्गम मूल्य कहा जाता है।

iii. जिन कंपनियों की बिक्री और कमाई में वृद्धि की संभावना उत्कृष्ट है, वे बाजार की अन्य कंपनियों या उसी उद्योग के अन्य शेयरों की तुलना में तेजी से बढ़ रही हैं। स्टॉक/शेयर की पहचान करें।

(ए) ग्रोथ स्टॉक (बी) आय स्टॉक

(सी) पेनी स्टॉक (डी) वैल्यू स्टॉक

उत्तर (ए) ग्रोथ स्टॉक

iv. _____ खरीदने या बेचने का अधिकार प्राप्त करने की कीमत है। यह विकल्प खरीदार द्वारा विकल्प विक्रेता को खरीदने या बेचने का अधिकार प्राप्त करने के लिए भुगतान की गई कीमत है।

(ए) प्रीमियम (बी) ब्रोकरेज

(सी) मार्जिन (डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (ए) प्रीमियम

v. म्यूचुअल फंड नियमित रूप से निवेशकों को उनके निवेश के मूल्य और निवेश के पूर्ण पोर्टफोलियो प्रकटीकरण के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। म्युचुअल फंड के लाभ को पहचानें।

(ए) विकल्प (बी) पारदर्शिता

(सी) विनियमन (डी) विविधीकरण

उत्तर (बी) पारदर्शिता

vi. एक _____ धन के उपयोग के साथ धन के स्रोतों के मिलान को इंगित करता है।

(ए) लाभ और हानि खाता (बी) आय विवरण

(सी) बैलेंस शीट (डी) दोनों (ए) और (बी)

उत्तर (सी) बैलेंस शीट

प्रश्न.5 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. सावधि जमा _____ का एक उदाहरण है।

(ए) वित्तीय संपत्ति (बी) वास्तविक संपत्ति

(सी) भौतिक संपत्ति (डी) मूर्त संपत्ति

उत्तर (ए) वित्तीय संपत्ति

ii. अमेरिकी डिपॉजिटरी रसीद का कारोबार _____ में किया जाता है

(ए) न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई)

(बी) अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज (एएमईएक्स)

(सी) NASDAQ

(डी) ये सभी

उत्तर (डी) ये सभी

iii. पोर्टफोलियो को परिभाषित करें।

उत्तर:- पोर्टफोलियो को विभिन्न निवेश संपत्तियों के संयोजन और एक निवेशक के वित्तीय लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से मेल खाने के रूप में परिभाषित किया गया है।

iv. अंतर्निहित संपत्तियों की भारी प्रकृति के कारण, भौतिक निपटान भंडारण की आवश्यकता पैदा करता है। उपयुक्त प्रकार के डेरिवेटिव का सुझाव दें।

(ए) वित्तीय डेरिवेटिव (बी) कमोडिटी डेरिवेटिव

(सी) मुद्रा डेरिवेटिव (डी) ब्याज दर डेरिवेटिव

उत्तर (बी) कमोडिटी डेरिवेटिव्स

v. IGC का अर्थ है _____।

(ए) निवेशक शिकायत केंद्र (बी) निवेशक शोक सेल

(सी) निवेशक शिकायत परिषद (डी) निवेशक शिकायत सेल

उत्तर (डी) निवेशक शिकायत सेल

vi. शुद्ध लाभ अनुपात का सूत्र लिखिए।

उत्तर: - शुद्ध लाभ अनुपात = शुद्ध लाभ/बिक्री ×100

खंड बी: सब्जेक्टिव टाइप प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.6 संचार के 7C की सूची बनाएं।

उत्तर:- संचार के 7 सी हैं:- (1) संक्षिप्त (2) स्पष्ट (3) पूर्ण (4) सही (5) सुसंगत (6) ठोस (7) विनम्र

प्रश्न.7 महाशियां दी हट्टी (एमडीएच) प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक महाशय धर्मपाल गुलाटी ने करोल बाग में एक छोटी सी दुकान से शुरुआत की थी, लेकिन अपने ध्यान, समर्पण और स्पष्ट विचारों के साथ, एमडीएच

(स्पाइस कंपनी) भारत में सबसे लोकप्रिय ब्रांडों में से एक बन गया। इसके अलावा पूरी दुनिया में अच्छी प्रतिष्ठा है।

स्व-प्रेरित व्यक्तियों के गुणों की पहचान करें?

उत्तर:- स्वप्रेरित व्यक्ति के गुण नीचे दिए गए हैं:-

(ए) उद्देश्य या उद्देश्य: - जानें कि वे जीवन से क्या चाहते हैं।

(बी) वे केंद्रित हैं।

(सी) वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए समर्पित हैं

(डी) उनके पास स्पष्ट विचार हैं।

(ई) वे सफल हैं और उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है।

प्रश्न.8 हार्डवेयर क्या है? विभिन्न हार्डवेयर के नाम लिखिए।

उत्तर:- जिन भौतिक भागों को हम देख और छू सकते हैं, उन्हें हार्डवेयर कहते हैं। यह एक कंप्यूटर की मशीनरी है।

विभिन्न हार्डवेयर घटक हैं: - मॉनिटर, कीबोर्ड, सीपीयू और प्रिंटर आदि।

प्रश्न.9 एक उद्यमी के कार्य क्या हैं?

उत्तर :- उद्यमियों के निम्नलिखित कार्य हैं

1. निर्णय लेना
2. व्यवसाय का प्रबंधन
3. आय को विभाजित करें
4. जोखिम उठाना
5. एक नई विधि, विचार या उत्पाद बनाएँ

प्रश्न.10 सतत विकास लक्ष्यों का वर्णन करें।

उत्तर:- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और सभी लोगों को शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई का एक सार्वभौमिक आह्वान है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को सितंबर 2015 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास शिखर सम्मेलन में लॉन्च किया गया था, जो सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का गठन करता है। व्यवसायों, सरकारों और समाज के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों का ध्यान रखने के उद्देश्य से 17 एसडीजी बनाए गए हैं।

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए (2 x 4 = 8 अंक)

प्रश्न.11 लिस्टिंग का अर्थ है एक औपचारिक समझौते के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग विशेषाधिकारों (डीलिंग) के लिए जारीकर्ता की प्रतिभूतियों का प्रवेश। एक्सचेंज पर लेन-देन में प्रवेश का मुख्य उद्देश्य प्रतिभूतियों को तरलता और विपणन क्षमता प्रदान करना है, साथ ही व्यापार के प्रभावी नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए एक तंत्र प्रदान करना है।

(ए) लिस्टिंग से क्या मतलब है?

(बी) लिस्टिंग का उद्देश्य क्या है?

उत्तरः- (ए) लिस्टिंग एक औपचारिक समझौते के माध्यम से एक स्टॉक एक्सचेंज पर व्यापार करने के लिए एक जारीकर्ता की प्रतिभूतियों का प्रवेश है।
(बी) मुख्य उद्देश्यों की सूची नीचे दी गई है।
(1) प्रतिभूतियों को तरलता और विपणन क्षमता प्रदान करना
(2) व्यापार के प्रभावी और नियंत्रण के लिए एक तंत्र

प्रश्न.12 भारत में ऋण बाजार में खंडों का उल्लेख करें।

उत्तर: - भारत में ऋण बाजार के तीन प्रमुख खंड हैं। ये नीचे दिए गए हैं:-
(ए) सरकारी प्रतिभूतियां: - बाजार में केंद्र, राज्य और राज्य प्रायोजित प्रतिभूतियां शामिल हैं।
(बी) सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां (पीएसयू):- पीएसयू बांड जारी करता है, और अधिकांश बांड कर मुक्त होते हैं।
(c) कॉर्पोरेट प्रतिभूतियाँ: - कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट में कमर्शियल पेपर और बॉन्ड शामिल होते हैं।

प्रश्न.13 डिपॉजिटरी में भागीदारी के दो लाभ लिखिए।

उत्तरः- डिपॉजिटरी में भागीदारी के दो लाभ नीचे दिए गए हैं:-
(ए) प्रतिभूतियों के हस्तांतरण में शामिल कागजी कार्रवाई में कमी।
(बी) लेनदेन लागत में कमी।

प्रश्न.14 रोलिंग सेटलमेंट की व्याख्या करें।

उत्तरः- रोलिंग सेटलमेंट लगातार तारीखों पर सुरक्षा ट्रेडों को निपटाने की प्रक्रिया है ताकि आज निष्पादित ट्रेडों की निपटान तिथि कल निष्पादित ट्रेडों की तुलना में एक कारोबारी दिन बाद हो। एक्सचेंज पर लेन-देन के लिए सामान्य निपटान चक्र T+2 दिन है, यानी यदि आप कोई शेयर खरीदते हैं तो इसे आपके डीमैट खाते में जमा होने में 2 दिन लगेंगे।

प्रश्न.15 अधिकृत पूंजी और अभिदत्त पूंजी के बारे में लिखें

उत्तरः- **अधिकृत पूंजी:-** अधिकृत पूंजी वह अधिकतम पूंजी है जो एक कंपनी को जुटाने के लिए अधिकृत है।
सब्स्क्राइब्ड कैपिटल: - सब्सक्राइब्ड कैपिटल जारी की गई पूंजी का वह हिस्सा है जिसे जनता द्वारा सब्सक्राइब (स्वीकार) किया जाता है।

प्रश्न.16 ऋण-इक्विटी अनुपात और ऋण-संपत्ति अनुपात की अवधारणा की व्याख्या करें।

उत्तरः- **ऋण-इक्विटी** अनुपात एक उत्तोलन अनुपात है जो कुल शेयरधारकों की इक्विटी के विरुद्ध कुल ऋण और वित्तीय देनदारियों को मापता है। ऋण-इक्विटी अनुपात व्यवसाय को वित्त देने के लिए लेनदारों और मालिकों के सापेक्ष योगदान को दर्शाता है।
ऋण-इक्विटी अनुपात = कुल ऋण/कुल इक्विटी

ऋण-संपत्ति अनुपात:- कुल ऋण में दीर्घकालिक ऋण और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं। कुल संपत्ति में स्थायी पूंजी और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं।

ऋण-संपत्ति अनुपात = कुल ऋण / कुल संपत्ति

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4 × 3 = 12 अंक)

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 - 80 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.17 बुक बिल्डिंग प्रोसेस क्या है? बुक-बिल्डिंग प्रोसेस और फिक्स्ड प्राइस इश्यू के बीच अंतर।
उत्तर:- बुक बिल्डिंग एक प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म है जिसका उपयोग शेयर बाजारों में पहली बार प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण करते समय किया जाता है। यह एक ऐसा तंत्र है, जहां, जिस अवधि के लिए आईपीओ खुला है, निवेशकों से विभिन्न कीमतों पर बोलियां एकत्र की जाती हैं, जो कि फ्लोर प्राइस से ऊपर या उसके बराबर होती हैं। बोली समापन तिथि के बाद प्रस्ताव मूल्य निर्धारित किया जाता है।
बुक बिल्डिंग इश्यू और फिक्स्ड प्राइस इश्यू के बीच अंतर
बुक बिल्डिंग सिक्योरिटीज में फ्लोर प्राइस से ऊपर या उसके बराबर की कीमतों की पेशकश की जाती है, जबकि पब्लिक इश्यू के मामले में सिक्योरिटीज को एक निश्चित कीमत पर पेश किया जाता है। बुक बिल्डिंग के मामले में जैसे-जैसे बुक बनती है वैसे-वैसे डिमांड हर रोज जानी जा सकती है। लेकिन पब्लिक इश्यू के मामले में डिमांड को इश्यू के अंत में जाना जाता है।

प्रश्न.18 विविधीकरण को परिभाषित करें। पोर्टफोलियो के विविधीकरण के क्या लाभ हैं?
उत्तर:- विविधीकरण को एक तंत्र के रूप में परिभाषित किया गया है जो एक पोर्टफोलियो के भीतर निवेश की एक विस्तृत श्रृंखला का मिश्रण है। यह समग्र पोर्टफोलियो प्रदर्शन पर किसी एक सुरक्षा के प्रभाव को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पोर्टफोलियो के विविधीकरण के लाभ
1. जोखिम कम करें। पोर्टफोलियो विविधीकरण का मुख्य उद्देश्य आपके निवेश पर जोखिम को कम करना है।
2. जोखिम फैलाओ। यह विविधीकरण के प्रमुख लाभों में से एक है। एक अच्छी तरह से डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो डाउनट्रेंड के झटकों को बेहतर ढंग से अवशोषित कर सकता है। जब आप अलग-अलग संपत्ति वर्गों में निवेश करते हैं तो जोखिम अच्छी तरह फैल जाता है। एक परिसंपत्ति के गैर-निष्पादन की भरपाई दूसरे परिसंपत्ति वर्ग द्वारा की जाती है।
3. अन्य क्षेत्रों में मौजूद विकास के अवसरों का लाभ उठाएं। जब आप विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो आप उनमें विकास के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।
4. स्थिरता प्रदान करता है। एक अच्छी तरह से विविधतापूर्ण वातावरण बहुत आवश्यक स्थिरता प्रदान करता है। यह बाजार में गिरावट का बेहतर मुकाबला कर सकता है।

प्रश्न.19 म्युचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान नहीं करते हैं। उनका रिटर्न उनके प्रदर्शन से जुड़ा होता है। वे शेयरों, डिबेंचर, बॉन्ड आदि में निवेश करते हैं। इन सभी निवेशों में जोखिम का तत्व शामिल होता है। इकाई मूल्य कंपनी के प्रदर्शन के आधार पर भिन्न हो सकता है और यदि कोई कंपनी अपने डिबेंचर/बांड पर ब्याज/मूलधन के भुगतान में चूक करती है तो फंड का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा अगर किसी उद्योग में अचानक मंदी आती है या सरकार एक नए नियम के साथ आती है जो किसी विशेष उद्योग या कंपनी को

प्रभावित करती है तो फंड पर फिर से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ये सभी कारक म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

(ए) क्या म्यूचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करते हैं?

(बी) उन प्रतिभूतियों के नाम बताएं जिनमें म्युचुअल फंड निवेश करते हैं?

(सी) यदि कोई कंपनी अपने डिबेंचर/बांड पर ब्याज/मूलधन के भुगतान में चूक करती है तो फंड का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है

(डी) सरकार एक नए नियम के साथ आती है जो किसी विशेष उद्योग या कंपनी को प्रभावित करती है, फंड फिर से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकता है।

उत्तर (ए) म्यूचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान नहीं करते हैं।

(बी) जिन प्रतिभूतियों में फंड निवेश करता है, वे नीचे दी गई हैं: -

(1) शेयर (2) डिबेंचर और बांड (3) सरकारी प्रतिभूतियां (डी) अन्य संपत्ति वर्ग जैसे सोना, रियल एस्टेट, आदि।

(सी) क्रेडिट जोखिम

(डी) अनियंत्रित जोखिम या गैर बाजार जोखिम

प्रश्न.20 शेयरों की पुनर्खरीद से क्या तात्पर्य है? किसी कंपनी को शेयर वापस खरीदने की अनुमति कैसे दी जाती है?

उत्तर:- बाय-बैक एक कॉर्पोरेट कार्रवाई है जिसमें एक कंपनी मौजूदा शेयरधारकों से आमतौर पर बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर अपने शेयर वापस खरीदती है। जब यह वापस खरीदता है, तो बाजार में बकाया शेयरों की संख्या कम हो जाती है। बायबैक कंपनी द्वारा अपने शेयरों में तरलता में सुधार करने और शेयरधारकों की संपत्ति बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है।

सेबी (प्रतिभूतियों की वापसी खरीद) विनियम, 1998 के तहत, एक कंपनी को अपना हिस्सा वापस खरीदने की अनुमति है:

(ए) मौजूदा शेयरधारकों को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से आनुपातिक आधार पर।

(बी) बुक बिल्डिंग प्रक्रिया का उपयोग करके स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से खुला बाजार।

(c) ऑड लॉट शेयर रखने वाले शेयरधारक।

प्रश्न.21 अचल संपत्तियों के उपशीर्षक के तहत निम्नलिखित शब्द को परिभाषित करें: -

(ए) सकल-ब्लॉक या सकल अचल संपत्ति

(बी) मूल्यह्रास

(सी) नेट ब्लॉक

(डी) पूंजी-कार्य प्रगति पर है

उत्तर:- (ए) सकल-ब्लॉक या सकल अचल संपत्ति:- सभी अचल संपत्तियों को प्राप्त करने के कुल मूल्य को 'सकल ब्लॉक' या "सकल अचल संपत्ति" कहा जाता है।

(बी) मूल्यह्रास: - भूमि को छोड़कर सभी अचल संपत्तियों का एक निश्चित जीवन है। यह माना जाता है कि हर साल संपत्ति का मूल्य उपयोग के कारण गिरता है। मूल्य में इस कमी को 'मूल्यह्रास' कहा जाता है।

(सी) नेट ब्लॉक: - मूल्यह्रास के लिए प्रदान करने के बाद अचल संपत्तियों के मूल्य को 'नेट ब्लॉक' कहा जाता है।

(डी) पूंजी-कार्य प्रगति पर:- निर्माण के तहत एक नए संयंत्र के लिए उपयोग की जाने वाली पूंजी/निधि, एक मशीन जिसे अभी चालू किया जाना है आदि 'पूंजीगत कार्य प्रगति पर' के उदाहरण हैं।

CBSE | DEPARTMENT OF SKILL EDUCATION

INTRODUCTION TO FINANCIAL MARKET (SUBJECT CODE 405)

CLASS X (SESSION 2023-2024)

SAMPLE PAPER-2

Max. Time Allowed: 2 Hour **Max. Marks: 50**

सामान्य निर्देश

1. कृपया निर्देशों को ध्यान से पढ़ें

2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 21 प्रश्न हैं: खंड ए और खंड बी।

3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं जबकि खंड बी में सब्जेक्टिव प्रकार के प्रश्न होते हैं।

4. दिए गए (5 + 16 =) 21 प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 2 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (5 + 10 =) 15 प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

6. खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (24 अंक):

i. इस खंड में 05 प्रश्न हैं।

ii. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

iii. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

iv. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

7. खंड बी - व्यक्तिपरक प्रकार के प्रश्न (26 अंक):

i. इस खंड में 16 प्रश्न हैं।

ii. एक उम्मीदवार को 10 प्रश्न करने होते हैं।

iii. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

iv. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

प्रश्न.1 रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

i. एक अच्छी प्रतिक्रिया वह है जो:

(ए) विशिष्ट (बी) समय पर

(सी) विनम्र (डी) इन सभी

ii. जरूरत पड़ने पर खुद की भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता और दूसरों को भी ऐसा करने में मदद करना।

(ए) भावनात्मक जागरूकता (बी) भावनाओं का दोहन

(सी) भावनाओं का प्रबंधन (डी) इनमें से कोई नहीं

iii. अली स्कूल के तुरंत बाद अपना होमवर्क पूरा करने का फैसला करता है ताकि उसके पास शाम को टीवी देखने का समय हो। अली क्या कौशल दिखा रहा है?

(ए) स्व प्रबंधन कौशल (बी) समय प्रबंधन कौशल

(सी) आत्म नियंत्रण कौशल (डी) आत्म जागरूकता कौशल

iv. कंप्यूटर में संग्रहीत सभी जानकारी _____ में रखी जाती है।

(ए) फ़ोल्डर्स (बी) निर्देशिका (सी) ड्राइवर्स (डी) फाइलें

v. जीविकोपार्जन के दो तरीकों का उल्लेख कीजिए।

vi. वाराणसी और रायबरेली में रेल मंत्रालय जहां उन्होंने मिट्टी के कुल्हड़ 'कुल्हड़' पेश किए। कुल्हड़ के प्रयोग से होने वाले एक लाभ का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न.2 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. यह लोगों द्वारा उपयोग किया जाने वाला पहला बैंकिंग उत्पाद है और कम ब्याज दर प्रदान करता है। इस उत्पाद या निवेश साधन की पहचान करें।

(ए) सावधि जमा (बी) चालू खाता

(सी) बचत बैंक खाता (डी) आवर्ती खाता

ii. निम्नलिखित में से कौन सेबी का मुख्य उद्देश्य नहीं है?

(ए) प्रतिभूति बाजार में निवेशक के हितों की रक्षा करना

(बी) प्रतिभूति बाजार को विनियमित करना

(सी) भारत में विदेशी मुद्रा बाजार को बढ़ावा देना और विकसित करना

(डी) प्रतिभूति बाजार के विकास को बढ़ावा देना

iii. अमान्य आवेदनों को हटाने के बाद _____ पात्र आवंटियों की सूची को अंतिम रूप देता है।

(ए) मर्चेंट बैंकर (बी) रजिस्ट्रार

(सी) कस्टोडियन (डी) डिपॉजिटरी

iv. एक संचयी वरीयता शेयर क्या है?

v. बताएं कि यह सही है या गलत, ऑड लॉट शेयर डीमैट नहीं हो सकते।

vi. आईपीएफ से निवेशक को देय दावे की अधिकतम राशि _____ है

(ए) 10 लाख रुपये। (बी) 15 लाख रुपये

(c) 5 लाख रुपये (d) 20 लाख रुपये

प्रश्न.3 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. एक इंडेक्स दिखाता है कि बाजार के रुझान का संकेत देने के लिए शेयर की कीमतों का एक निर्दिष्ट पोर्टफोलियो कैसे आगे बढ़ रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का नाम सूचकांक।

(ए) सूचकांक (बी) सेंसेक्स

(सी) निफ्टी बैंक निफ्टी (डी) निफ्टी मिड कैप

ii. जहां कॉर्पोरेट और सरकार अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिभूति बाजार से संसाधन जुटाते हैं, वहीं परिवार अपनी बचत को प्रतिभूति बाजार में निवेश करते हैं। प्रतिभूति बाजार के प्रतिभागियों की पहचान करें।

(ए) जारीकर्ता (बी) निवेशक

(सी) मध्यस्थ (डी) दोनों (ए) और (बी)

iii. आरओसी का पूर्ण रूप लिखिए।

iv. _____ वह दर है जिस पर ब्याज का भुगतान किया जाता है, और आमतौर पर बांड के बराबर मूल्य के प्रतिशत के रूप में दर्शाया जाता है।

(ए) मुद्रास्फीति दर (बी) कूपन दर

(सी) रेपो दर (डी) दोनों (ए) और (सी)

v. आरआरएफ का अर्थ _____ है।

vi. भंडार और अधिशेष क्या हैं?

प्रश्न.4 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. निम्नलिखित में से कौन सा स्टॉक एक्सचेंज है?

(ए) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (बी) सेबी

(सी) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (डी) दोनों (ए) और (बी)

ii. जब कोई प्रतिभूति उसके अंकित मूल्य से अधिक पर बेची जाती है, तो उसे _____ पर जारी किया जाना कहा जाता है

(ए) प्रीमियम (बी) छूट

(सी) सममूल्य पर (डी) उपरोक्त सभी

iii. यहां कार्य उन शेयरों की तलाश करना है जिन्हें अन्य निवेशकों द्वारा अनदेखा कर दिया गया है और जिनके पास 'छिपा हुआ मूल्य' हो सकता है। उपयुक्त शेयर सुझाएं।

(ए) ग्रोथ शेयर (बी) वैल्यू शेयर

(सी) इनकम शेयर (डी) पेनी शेयर

iv. राकेश 2050 की कीमत पर रिलायंस फ्यूचर खरीदता है। अंतर्निहित संपत्ति की पहचान करें।

(ए) इंडेक्स (बी) कमोडिटी

(सी) ब्याज दर (डी) शेयर

v. सेबी के पूर्व अनुमोदन से यूनिट धारक फंड के एएमसी को समाप्त कर सकते हैं।

(ए) 75% (बी) 50% (सी) 66% (डी) 51%

vi. कॉल अप कैपिटल किसे कहते हैं?

प्रश्न.5 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. 15 साल की मैच्योरिटी वाला लॉन्ग टर्म सेविंग इंस्ट्रूमेंट।

(ए) बॉन्ड (बी) डिबेंचर

(सी) सार्वजनिक भविष्य निधि (डी) मासिक आय योजना

ii. बुक बिल्डिंग प्रक्रिया में प्राइस बैंड किसके द्वारा तय किया जाता है?

(ए) सेबी

(बी) स्टॉक एक्सचेंज

(सी) मर्चेंट बैंकरों के परामर्श से कंपनी द्वारा

(डी) डिपॉजिटरी

iii. अगर आपका वित्तीय सलाहकार या ब्रोकर आपको किसी ऐसी कंपनी में निवेश करने की सलाह देता है जिसे आपने कभी नहीं सुना होगा। आपको क्या कार्रवाई करनी चाहिए?

iv. पुट ऑप्शन क्या है?

v. फंड और सिक्योरिटीज पे-इन और पे-आउट _____ पर किया जाता है।

(ए) टी (बी) टी + 1 (सी) टी + 2 (डी) टी + 3

vi. इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात का सूत्र लिखिए।

<u>खंड बी: सब्जेक्टिव टाइप प्रश्न</u>

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.6 प्रभावी संचार में बाधाएँ क्या हैं?

प्रश्न.7 लक्ष्य निर्धारण क्या है? स्मार्ट का विस्तार करें?

प्रश्न.8 निम्नलिखित की फाइल नाम एक्सटेंशन लिखें
(ए) नोटपैड (Notepad)
(बी) छवि फ़ाइल (Image File)
(सी) ध्वनि फ़ाइल (Sound File)
(डी) एक्सेल फ़ाइल (Excel File)

प्रश्न.9 उफ़! मुझसे गलती हो गयी। लेकिन, यह मेरा फैसला था। इसलिए, मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं इसे बेहतर बनाने के लिए काम करूंगा। मैं रविवार को भी इतने घंटे काम कर रहा हूं। लेकिन, मैं कड़ी मेहनत करता हूं क्योंकि यह कंपनी के लिए अच्छा है। कभी-कभी, मुझे बहुत सारी समस्याएँ होती हैं। लेकिन, मैं हार नहीं मानता। मैं सकारात्मक रहता हूं क्योंकि सब ठीक हो जाएगा। मैं यह सोचकर निर्णय लेता हूं कि वे मेरे व्यवसाय के लिए अच्छे हैं या बुरे।
सफल उद्यमियों के गुणों को पहचानें।

प्रश्न.10 कोई जिम्मेदार उपभोक्ता और उत्पादक कैसे बन सकता है?

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए (2 x 4 = 8 अंक)

प्रश्न.11 एक निर्गमन में रजिस्ट्रार की दो भूमिका का उल्लेख करें।

प्रश्न.12 एक निवेशक इक्विटी शेयर कैसे प्राप्त कर सकता है?

प्रश्न.13 डिपॉजिटरी शेयर जारी करने वाली सूचीबद्ध कंपनियों और शेयरधारकों के बीच कड़ी का काम करती है। यह इन शेयरों को अपने से जुड़े एजेंटों के माध्यम से जारी करता है जिन्हें डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स या डीपी कहा जाता है। एक डीपी एक बैंक, वित्तीय संस्थान, ब्रोकर या सेबी के मानदंडों के अनुसार पात्र कोई भी संस्था हो सकती है और डिपॉजिटरी से निवेशकों को शेयरों के अंतिम हस्तांतरण के लिए जिम्मेदार है। लेन-देन के अंत में निवेशक को डिपॉजिटरी से पुष्टि प्राप्त होती है।

(ए) डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स क्या है?

(बी) डिपॉजिटरी सहभागी कौन हो सकते हैं?

प्रश्न.14 निफ्टी एक वैज्ञानिक रूप से विकसित, 50 स्टॉक इंडेक्स है, जो भारतीय बाजारों के बाजार की गति को सटीक रूप से दर्शाता है। इसमें एनएसई पर कारोबार करने वाले कुछ सबसे बड़े और सबसे अधिक तरल स्टॉक शामिल हैं। इसका रखरखाव इंडिया इंडेक्स सर्विसेज एंड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (IISL) द्वारा किया जाता है, जो NSE की एक समूह कंपनी है। निफ्टी भारतीय बाजारों का बैरोमीटर है।

(ए) निफ्टी इंडेक्स में कितने स्टॉक होते हैं?

(बी) निफ्टी इंडेक्स कौन बनाए रखता है?

प्रश्न.15 वार्षिक रिपोर्ट की विशेषता का उल्लेख करें जिसे निवेशक को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

प्रश्न.16	शेयर पूंजी	50 करोड़
	भंडार और अधिशेष	75 करोड़
	सुरक्षित ऋण	35 करोड़
	असुरक्षित ऋण	25 करोड़

ऊपर दिए गए आंकड़े से, ऋण-इक्विटी अनुपात ज्ञात कीजिए

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4 × 3 = 12 अंक)

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 - 80 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.17 निम्नलिखित पद को परिभाषित कीजिए

(ए) डिस्काउंट पर जारी

(बी) मूल्य बैंड

(सी) फ्लोर प्राइस

(डी) ड्राफ्ट ऑफर दस्तावेज़

प्रश्न.18 शेयर की कीमत को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करें?

प्रश्न.19 शब्द 'निवेश योजना' आम तौर पर उन सेवाओं को संदर्भित करता है जो निवेशकों को निवेश या पुनर्निवेश के विभिन्न तरीकों की पेशकश करने के लिए फंड प्रदान करते हैं। विभिन्न निवेश योजनाएँ निवेश निर्णय में एक महत्वपूर्ण विचार हैं, क्योंकि वे निवेशक के लिए उपलब्ध लचीलेपन का निर्धारण करती हैं। एक विकास योजना एक योजना के तहत एक योजना है जिसमें निवेश से रिटर्न का पुनर्निवेश किया जाता है और आय का बहुत कम वितरण किया जाता है। इस प्रकार निवेशक को केवल निवेश पर पूंजी में वृद्धि का एहसास होता है। लाभांश योजना के अंतर्गत समय-समय पर आय का वितरण किया जाता है। यह योजना उन निवेशकों के लिए आदर्श है जिन्हें नियमित आय की आवश्यकता है। योजनाओं की लाभांश योजनाओं पर लगाम लगाने का एक अतिरिक्त विकल्प होता है

(ए) निवेश योजनाएं क्या हैं?

(बी) ग्रोथ प्लान की व्याख्या करें।

(सी) नियमित आय के लिए कौन सी योजना निवेशक के लिए सबसे उपयुक्त है?

(डी) योजनाओं की यह योजना आय वितरण के पुनर्निवेश के लिए एक अतिरिक्त विकल्प देती है।

प्रश्न.20 (ए) 'कॉरपोरेट एक्शन' से क्या तात्पर्य है? कारपोरेट क्रियाओं का उदाहरण दीजिए।

(बी) लाभांश की व्याख्या करें।

प्रश्न.21 बैलेंस शीट में निम्नलिखित शब्द का वर्णन करें

(ए) वर्तमान देयताएं

(बी) प्रावधान

(सी) शुद्ध चालू संपत्ति या कार्यशील पूंजी

(डी) फिक्स्ड एसेट्स

CBSE | DEPARTMENT OF SKILL EDUCATION

INTRODUCTION TO FINANCIAL MARKET (SUBJECT CODE 405)

CLASS X (SESSION 2023-2024)

SAMPLE PAPER

Max. Time Allowed: 2 Hour **Max. Marks: 50**

सामान्य निर्देश

1. कृपया निर्देशों को ध्यान से पढ़ें

2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 21 प्रश्न हैं: खंड ए और खंड बी।

3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं जबकि खंड बी में सब्जेक्टिव प्रकार के प्रश्न होते हैं।

4. दिए गए (5 + 16 =) 21 प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 2 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (5 + 10 =) 15 प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

6. खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (24 अंक):

i. इस खंड में 05 प्रश्न हैं।

ii. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

iii. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

iv. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

7. खंड बी - व्यक्तिपरक प्रकार के प्रश्न (26 अंक):

i. इस खंड में 16 प्रश्न हैं।

ii. एक उम्मीदवार को 10 प्रश्न करने होते हैं।

iii. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

iv. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

प्रश्न.1 रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

i. _____ संचार किसी बोले या लिखित शब्द का उपयोग किए बिना सूचना या संदेशों की अभिव्यक्ति या आदान-प्रदान है।

(ए) गैर-मौखिक संचार (बी) वर्बल संचार

(सी) जन संचार (डी) पारस्परिक संचार

उत्तर:- (बी) वर्बल संचार

ii. _____ को किसी कथित खतरे या मांगों के प्रति हमारी भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक और सामाजिक प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है।

(ए) आत्म प्रबंधन (बी) आत्म - संयम

(सी) तनाव (डी) आत्म जागरूकता

उत्तर:- (सी) तनाव

iii. SMART लक्ष्यों में, M का क्या अर्थ है?

(ए) मास्टर (Master) (बी) ताकतवर (Mighty)

(सी) शानदार (Magnificent) (डी) मापने योग्य (Measurable)

उत्तर (डी) मापने योग्य

iv. माउस आपको स्क्रीन पर एक आइटम का चयन करने की अनुमति देता है।

(ए) प्वाइंट और क्लिक (बी) ड्रैग एंड ड्रॉप

(सी) डबल-क्लिक करें (डी) इन सभी

उत्तर: - (ए) प्वाइंट और क्लिक करें

v. सही है या गलत बताएं:- जैसे-जैसे उद्यमी अधिक उत्पाद बेचते हैं, उत्पाद की कीमत कम होती जाती है।

उत्तर:- यह कथन सत्य है। जैसे-जैसे उद्यमी अधिक माल का उत्पादन करते हैं, उत्पाद की लागत और उत्पाद की कीमत कम होती जाती है।

vi. _____ वह जगह है जहाँ किसान अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों का उपयोग नहीं करते हैं।

(ए) जैविक खेती (बी) वाणिज्यिक खेती

(सी) डेयरी खेती (डी) मिश्रित खेती

उत्तर (ए) जैविक खेती

प्रश्न.2 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. _____ म्युचुअल फंड का एक विशेष रूप है जो अत्यंत अल्पकालिक निश्चित आय उपकरणों में निवेश करता है और इस प्रकार आसान तरलता प्रदान करता है।

(ए) हाइब्रिड फंड (बी) लिक्विड फंड

(सी) मनी मार्केट फंड (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (डी) दोनों (बी) और (सी)

ii. बाजार जो पहले जारी की गई प्रतिभूतियों में सौदा करता है।

(ए) न्यू इश्यू मार्केट (बी) प्राइमरी मार्केट

(सी) सेकेंडरी मार्केट (डी) दोनों (a) और (b)

उत्तर (सी) सेकेंडरी मार्केट

iii. कंपनी X ने बाजार में 1 करोड़ शेयर जारी किए हैं। शेयर का मौजूदा बाजार मूल्य रु। 250. कंपनी X के कुल बाजार पूंजीकरण की गणना करें।

उत्तर:- कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण = आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या × वर्तमान बाजार मूल्य = 1,00,00,000 × 250 = रुपये 250,00,00,000

iv. एक दस्तावेज़ जिसमें ऑर्डर संख्या, ऑर्डर समय, व्यापार संख्या और व्यापार समय का विवरण होता है। दस्तावेज़ को नाम दें।

(ए) अनुबंध नोट (बी) वचन पत्र

(सी) एक्सचेंज बिल (डी) डिलीवरी रसीद

उत्तर:- कॉन्ट्रेक्ट नोट

v. सेबी के नियमों के अनुसार, निक्षेपागार भागीदार बन सकते हैं।

(ए) बैंक (बी) वित्तीय संस्थान

(सी) सेबी पंजीकृत व्यापार सदस्य (डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (डी) उपरोक्त सभी

vi. एक्स-डेट का मतलब क्या होता है?

उत्तर:- पूर्व-तिथि नो-डिलीवरी अवधि का पहला दिन है।

प्रश्न.3 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. मकानों की कीमत के कारण साधन को विकास निवेश माना जाता है और मध्यम से दीर्घावधि अवधि में काफी हद तक उत्पन्न हो सकता है। संपत्ति के प्रकारों को पहचानें।

(ए) वित्तीय संपत्ति (बी) अमूर्त संपत्ति

(सी) रियल एसेट (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (सी) रियल एसेट

ii. सही या गलत बताएं, सेबी एक वैधानिक नियामक निकाय है।

उत्तर:- यह सत्य कथन है, सेबी को 30 जनवरी, 1992 को जारी एक अध्यादेश के माध्यम से वैधानिक दर्जा और शक्तियाँ प्रदान की गई थी।

iii. सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) विनियम, 2009 के अनुसार आवंटन का आधार इश्यू की समाप्ति तिथि से _____ के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

(ए) पांच दिन (बी) आठ दिन

(सी) दस दिन (डी) ग्यारह दिन

उत्तर (बी) आठ दिन

iv. जीरो कूपन बॉण्ड को परिभाषित कीजिए।

उत्तर:- जीरो-कूपन बॉन्ड एक ऐसा बॉन्ड है जो बिना किसी ब्याज के भुगतान करता है और अपने अंकित मूल्य पर छूट पर कारोबार करता है।

v. _____ का अर्थ है कि किसी विशेष प्रतिभूति की सभी धारिताएं समान और विनिमेय होंगी।

(ए) गैर-हस्तांतरणीय (बी) तरलता

(सी) फ्यूचरिस्टिक (डी) फंजिबल

उत्तर (डी) फंगिबल

vi. भावना को लगता है कि उसे एक्स लिमिटेड का शेयर खरीदना चाहिए, इसके लिए वह अनुमानित भविष्य की कीमत पर पहुंचने के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस), पी/ई अनुपात, इक्विटी के वर्तमान आकार को देखती है। इस प्रकार के विश्लेषण को पहचानें।

(ए) औद्योगिक विश्लेषण (बी) वित्तीय विश्लेषण

(सी) कॉर्पोरेट विश्लेषण (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (बी) वित्तीय विश्लेषण।

प्रश्न.4 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. बांड, डिबेंचर, पट्टे, प्रमाण पत्र, विनिमय के बिल और वचन पत्र _____ के उदाहरण हैं।

(ए) इक्विटी साधन (बी) हाइब्रिड साधन

(सी) ऋण साधन (डी) दोनों (ए) और (सी)

उत्तर (सी) ऋण साधन

ii. निर्गम मूल्य से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:- जिस मूल्य पर किसी कंपनी के शेयरों को प्राथमिक बाजार में शुरू में पेश किया जाता है, उसे निर्गम मूल्य कहा जाता है।

iii. जिन कंपनियों की बिक्री और कमाई में वृद्धि की संभावना उत्कृष्ट है, वे बाजार की अन्य कंपनियों या उसी उद्योग के अन्य शेयरों की तुलना में तेजी से बढ़ रही हैं। स्टॉक/शेयर की पहचान करें।

(ए) ग्रोथ स्टॉक (बी) आय स्टॉक

(सी) पेनी स्टॉक (डी) वैल्यू स्टॉक

उत्तर (ए) ग्रोथ स्टॉक

iv. _____ खरीदने या बेचने का अधिकार प्राप्त करने की कीमत है। यह विकल्प खरीदार द्वारा विकल्प विक्रेता को खरीदने या बेचने का अधिकार प्राप्त करने के लिए भुगतान की गई कीमत है।

(ए) प्रीमियम (बी) ब्रोकरेज

(सी) मार्जिन (डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (ए) प्रीमियम

v. म्यूचुअल फंड नियमित रूप से निवेशकों को उनके निवेश के मूल्य और निवेश के पूर्ण पोर्टफोलियो प्रकटीकरण के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। म्युचुअल फंड के लाभ को पहचानें।

(ए) विकल्प (बी) पारदर्शिता

(सी) विनियमन (डी) विविधीकरण

उत्तर (बी) पारदर्शिता

vi. एक _____ धन के उपयोग के साथ धन के स्रोतों के मिलान को इंगित करता है।

(ए) लाभ और हानि खाता (बी) आय विवरण

(सी) बैलेंस शीट (डी) दोनों (ए) और (बी)

उत्तर (सी) बैलेंस शीट

प्रश्न.5 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. सावधि जमा _____ का एक उदाहरण है।

(ए) वित्तीय संपत्ति (बी) वास्तविक संपत्ति

(सी) भौतिक संपत्ति (डी) मूर्त संपत्ति

उत्तर (ए) वित्तीय संपत्ति

ii. अमेरिकी डिपॉजिटरी रसीद का कारोबार _____ में किया जाता है

(ए) न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई)

(बी) अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज (एएमईएक्स)

(सी) NASDAQ

(डी) ये सभी

उत्तर (डी) ये सभी

iii. पोर्टफोलियो को परिभाषित करें।

उत्तर:- पोर्टफोलियो को विभिन्न निवेश संपत्तियों के संयोजन और एक निवेशक के वित्तीय लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से मेल खाने के रूप में परिभाषित किया गया है।

iv. अंतर्निहित संपत्तियों की भारी प्रकृति के कारण, भौतिक निपटान भंडारण की आवश्यकता पैदा करता है। उपयुक्त प्रकार के डेरिवेटिव का सुझाव दें।

(ए) वित्तीय डेरिवेटिव (बी) कमोडिटी डेरिवेटिव

(सी) मुद्रा डेरिवेटिव (डी) ब्याज दर डेरिवेटिव

उत्तर (बी) कमोडिटी डेरिवेटिव्स

v. IGC का अर्थ है _____।

(ए) निवेशक शिकायत केंद्र (बी) निवेशक शोक सेल

(सी) निवेशक शिकायत परिषद (डी) निवेशक शिकायत सेल

उत्तर (डी) निवेशक शिकायत सेल

vi. शुद्ध लाभ अनुपात का सूत्र लिखिए।

उत्तर: - शुद्ध लाभ अनुपात = शुद्ध लाभ/बिक्री ×100

खंड बी: सब्जेक्टिव टाइप प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.6 संचार के 7C की सूची बनाएं।

उत्तर:- संचार के 7 सी हैं:- (1) संक्षिप्त (2) स्पष्ट (3) पूर्ण (4) सही (5) सुसंगत (6) ठोस (7) विनम्र

प्रश्न.7 महाशियां दी हट्टी (एमडीएच) प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक महाशय धर्मपाल गुलाटी ने करोल बाग में एक छोटी सी दुकान से शुरुआत की थी, लेकिन अपने ध्यान, समर्पण और स्पष्ट विचारों के साथ, एमडीएच (स्पाइस कंपनी) भारत में सबसे लोकप्रिय ब्रांडों में से एक बन गया। इसके अलावा पूरी दुनिया में अच्छी प्रतिष्ठा है।

स्व-प्रेरित व्यक्तियों के गुणों की पहचान करें?

उत्तर:- स्वप्रेरित व्यक्ति के गुण नीचे दिए गए हैं:-

(ए) उद्देश्य या उद्देश्य: - जानें कि वे जीवन से क्या चाहते हैं।

(बी) वे केंद्रित हैं।

(सी) वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए समर्पित हैं

(डी) उनके पास स्पष्ट विचार हैं।

(ई) वे सफल हैं और उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है।

प्रश्न.8 हार्डवेयर क्या है? विभिन्न हार्डवेयर के नाम लिखिए।

उत्तर:- जिन भौतिक भागों को हम देख और छू सकते हैं, उन्हें हार्डवेयर कहते हैं। यह एक कंप्यूटर की मशीनरी है।

विभिन्न हार्डवेयर घटक हैं: - मॉनिटर, कीबोर्ड, सीपीयू और प्रिंटर आदि।

प्रश्न.9 एक उद्यमी के कार्य क्या हैं?

उत्तर :- उद्यमियों के निम्नलिखित कार्य हैं

1. निर्णय लेना

2. व्यवसाय का प्रबंधन
3. आय को विभाजित करें
4. जोखिम उठाना
5. एक नई विधि, विचार या उत्पाद बनाएँ

प्रश्न.10 सतत विकास लक्ष्यों का वर्णन करें।

उत्तर:- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और सभी लोगों को शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई का एक सार्वभौमिक आह्वान है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को सितंबर 2015 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास शिखर सम्मेलन में लॉन्च किया गया था, जो सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का गठन करता है। व्यवसायों, सरकारों और समाज के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों का ध्यान रखने के उद्देश्य से 17 एसडीजी बनाए गए हैं।

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए (2 x 4 = 8 अंक)

प्रश्न.11 लिस्टिंग का अर्थ है एक औपचारिक समझौते के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग विशेषाधिकारों (डीलिंग) के लिए जारीकर्ता की प्रतिभूतियों का प्रवेश। एक्सचेंज पर लेन-देन में प्रवेश का मुख्य उद्देश्य प्रतिभूतियों को तरलता और विपणन क्षमता प्रदान करना है, साथ ही व्यापार के प्रभावी नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए एक तंत्र प्रदान करना है।

(ए) लिस्टिंग से क्या मतलब है?

(बी) लिस्टिंग का उद्देश्य क्या है?

उत्तर:- (ए) लिस्टिंग एक औपचारिक समझौते के माध्यम से एक स्टॉक एक्सचेंज पर व्यापार करने के लिए एक जारीकर्ता की प्रतिभूतियों का प्रवेश है।

(बी) मुख्य उद्देश्यों की सूची नीचे दी गई है।

(1) प्रतिभूतियों को तरलता और विपणन क्षमता प्रदान करना

(2) व्यापार के प्रभावी और नियंत्रण के लिए एक तंत्र

प्रश्न.12 भारत में ऋण बाजार में खंडों का उल्लेख करें।

उत्तर: - भारत में ऋण बाजार के तीन प्रमुख खंड हैं। ये नीचे दिए गए हैं:-

(ए) सरकारी प्रतिभूतियां: - बाजार में केंद्र, राज्य और राज्य प्रायोजित प्रतिभूतियां शामिल हैं।

(बी) सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां (पीएसयू):- पीएसयू बांड जारी करता है, और अधिकांश बांड कर मुक्त होते हैं।

(c) कॉर्पोरेट प्रतिभूतियाँ: - कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट में कमर्शियल पेपर और बॉन्ड शामिल होते हैं।

प्रश्न.13 डिपॉजिटरी में भागीदारी के दो लाभ लिखिए।

उत्तर:- डिपॉजिटरी में भागीदारी के दो लाभ नीचे दिए गए हैं:-

(ए) प्रतिभूतियों के हस्तांतरण में शामिल कागजी कार्रवाई में कमी।

(बी) लेनदेन लागत में कमी।

प्रश्न.14 रोलिंग सेटलमेंट की व्याख्या करें।

उत्तरः- रोलिंग सेटलमेंट लगातार तारीखों पर सुरक्षा ट्रेडों को निपटाने की प्रक्रिया है ताकि आज निष्पादित ट्रेडों की निपटान तिथि कल निष्पादित ट्रेडों की तुलना में एक कारोबारी दिन बाद हो। एक्सचेंज पर लेन-देन के लिए सामान्य निपटान चक्र T+2 दिन है, यानी यदि आप कोई शेयर खरीदते हैं तो इसे आपके डीमैट खाते में जमा होने में 2 दिन लगेंगे।

प्रश्न.15 अधिकृत पूंजी और अभिदत्त पूंजी के बारे में लिखें

उत्तरः- **अधिकृत पूंजी:-** अधिकृत पूंजी वह अधिकतम पूंजी है जो एक कंपनी को जुटाने के लिए अधिकृत है।

सब्स्क्राइब्ड कैपिटल: - सब्सक्राइब्ड कैपिटल जारी की गई पूंजी का वह हिस्सा है जिसे जनता द्वारा सब्सक्राइब (स्वीकार) किया जाता है।

प्रश्न.16 ऋण-इक्विटी अनुपात और ऋण-संपत्ति अनुपात की अवधारणा की व्याख्या करें।

उत्तरः- **ऋण-इक्विटी** अनुपात एक उत्तोलन अनुपात है जो कुल शेयरधारकों की इक्विटी के विरुद्ध कुल ऋण और वित्तीय देनदारियों को मापता है। ऋण-इक्विटी अनुपात व्यवसाय को वित्त देने के लिए लेनदारों और मालिकों के सापेक्ष योगदान को दर्शाता है।

ऋण-इक्विटी अनुपात = कुल ऋण/कुल इक्विटी

ऋण-संपत्ति अनुपातः- कुल ऋण में दीर्घकालिक ऋण और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं। कुल संपत्ति में स्थायी पूंजी और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं।

ऋण-संपत्ति अनुपात = कुल ऋण / कुल संपत्ति

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4 × 3 = 12 अंक)

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 - 80 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.17 बुक बिल्डिंग प्रोसेस क्या है? बुक-बिल्डिंग प्रोसेस और फिक्स्ड प्राइस इश्यू के बीच अंतर।

उत्तरः- बुक बिल्डिंग एक प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म है जिसका उपयोग शेयर बाजारों में पहली बार प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण करते समय किया जाता है। यह एक ऐसा तंत्र है, जहां, जिस अवधि के लिए आईपीओ खुला है, निवेशकों से विभिन्न कीमतों पर बोलियां एकत्र की जाती हैं, जो कि फ्लोर प्राइस से ऊपर या उसके बराबर होती हैं। बोली समापन तिथि के बाद प्रस्ताव मूल्य निर्धारित किया जाता है।

बुक बिल्डिंग इश्यू और फिक्स्ड प्राइस इश्यू के बीच अंतर

बुक बिल्डिंग सिक्योरिटीज में फ्लोर प्राइस से ऊपर या उसके बराबर की कीमतों की पेशकश की जाती है, जबकि पब्लिक इश्यू के मामले में सिक्योरिटीज को एक निश्चित कीमत पर पेश किया जाता है। बुक बिल्डिंग के मामले में जैसे-जैसे बुक बनती है वैसे-वैसे डिमांड हर रोज जानी जा सकती है। लेकिन पब्लिक इश्यू के मामले में डिमांड को इश्यू के अंत में जाना जाता है।

प्रश्न.18 विविधीकरण को परिभाषित करें। पोर्टफोलियो के विविधीकरण के क्या लाभ हैं?

उत्तर:- विविधीकरण को एक तंत्र के रूप में परिभाषित किया गया है जो एक पोर्टफोलियो के भीतर निवेश की एक विस्तृत श्रृंखला का मिश्रण है। यह समग्र पोर्टफोलियो प्रदर्शन पर किसी एक सुरक्षा के प्रभाव को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पोर्टफोलियो के विविधीकरण के लाभ

1. जोखिम कम करें। पोर्टफोलियो विविधीकरण का मुख्य उद्देश्य आपके निवेश पर जोखिम को कम करना है।

2. जोखिम फैलाओ। यह विविधीकरण के प्रमुख लाभों में से एक है। एक अच्छी तरह से डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो डाउनट्रेंड के झटकों को बेहतर ढंग से अवशोषित कर सकता है। जब आप अलग-अलग संपत्ति वर्गों में निवेश करते हैं तो जोखिम अच्छी तरह फैल जाता है। एक परिसंपत्ति के गैर-निष्पादन की भरपाई दूसरे परिसंपत्ति वर्ग द्वारा की जाती है।

3. अन्य क्षेत्रों में मौजूद विकास के अवसरों का लाभ उठाएं। जब आप विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो आप उनमें विकास के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

4. स्थिरता प्रदान करता है। एक अच्छी तरह से विविधतापूर्ण वातावरण बहुत आवश्यक स्थिरता प्रदान करता है। यह बाजार में गिरावट का बेहतर मुकाबला कर सकता है।

प्रश्न.19 म्युचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान नहीं करते हैं। उनका रिटर्न उनके प्रदर्शन से जुड़ा होता है। वे शेयरों, डिबेंचर, बॉन्ड आदि में निवेश करते हैं। इन सभी निवेशों में जोखिम का तत्व शामिल होता है। इकाई मूल्य कंपनी के प्रदर्शन के आधार पर भिन्न हो सकता है और यदि कोई कंपनी अपने डिबेंचर/बांड पर ब्याज/मूलधन के भुगतान में चूक करती है तो फंड का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा अगर किसी उद्योग में अचानक मंदी आती है या सरकार एक नए नियम के साथ आती है जो किसी विशेष उद्योग या कंपनी को प्रभावित करती है तो फंड पर फिर से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ये सभी कारक म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

- **(ए) क्या म्यूचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करते हैं?**
- **(बी) उन प्रतिभूतियों के नाम बताएं जिनमें म्युचुअल फंड निवेश करते हैं?**
- **(सी) यदि कोई कंपनी अपने डिबेंचर/बांड पर ब्याज/मूलधन के भुगतान में चूक करती है तो फंड का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है**
- **(डी) सरकार एक नए नियम के साथ आती है जो किसी विशेष उद्योग या कंपनी को प्रभावित करती है, फंड फिर से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकता है।**

उत्तर (ए) म्यूचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान नहीं करते हैं।

(बी) जिन प्रतिभूतियों में फंड निवेश करता है, वे नीचे दी गई हैं: -

(1) शेयर (2) डिबेंचर और बांड (3) सरकारी प्रतिभूतियां (डी) अन्य संपत्ति वर्ग जैसे सोना, रियल एस्टेट, आदि।

(सी) क्रेडिट जोखिम

(डी) अनियंत्रित जोखिम या गैर बाजार जोखिम

प्रश्न.20 शेयरों की पुनर्खरीद से क्या तात्पर्य है? किसी कंपनी को शेयर वापस खरीदने की अनुमति कैसे दी जाती है?

उत्तर:- बाय-बैक एक कॉर्पोरेट कार्रवाई है जिसमें एक कंपनी मौजूदा शेयरधारकों से आमतौर पर बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर अपने शेयर वापस खरीदती है। जब यह वापस खरीदता है, तो बाजार में बकाया शेयरों की

संख्या कम हो जाती है। बायबैक कंपनी द्वारा अपने शेयरों में तरलता में सुधार करने और शेयरधारकों की संपत्ति बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है।

सेबी (प्रतिभूतियों की वापसी खरीद) विनियम, 1998 के तहत, एक कंपनी को अपना हिस्सा वापस खरीदने की अनुमति है:

(ए) मौजूदा शेयरधारकों को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से आनुपातिक आधार पर।

(बी) बुक बिल्डिंग प्रक्रिया का उपयोग करके स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से खुला बाजार।

(c) ऑड लॉट शेयर रखने वाले शेयरधारक।

प्रश्न.21 अचल संपत्तियों के उपशीर्षक के तहत निम्नलिखित शब्द को परिभाषित करें: -

(ए) सकल-ब्लॉक या सकल अचल संपत्ति

(बी) मूल्यह्रास

(सी) नेट ब्लॉक

(डी) पूंजी-कार्य प्रगति पर है

उत्तर:- (ए) सकल-ब्लॉक या सकल अचल संपत्ति:- सभी अचल संपत्तियों को प्राप्त करने के कुल मूल्य को 'सकल ब्लॉक' या "सकल अचल संपत्ति" कहा जाता है।

(बी) मूल्यह्रास: - भूमि को छोड़कर सभी अचल संपत्तियों का एक निश्चित जीवन है। यह माना जाता है कि हर साल संपत्ति का मूल्य उपयोग के कारण गिरता है। मूल्य में इस कमी को 'मूल्यह्रास' कहा जाता है।

(सी) नेट ब्लॉक: - मूल्यह्रास के लिए प्रदान करने के बाद अचल संपत्तियों के मूल्य को 'नेट ब्लॉक' कहा जाता है।

(डी) पूंजी-कार्य प्रगति पर:- निर्माण के तहत एक नए संयंत्र के लिए उपयोग की जाने वाली पूंजी/निधि, एक मशीन जिसे अभी चालू किया जाना है आदि 'पूंजीगत कार्य प्रगति पर' के उदाहरण हैं।

CBSE | DEPARTMENT OF SKILL EDUCATION

INTRODUCTION TO FINANCIAL MARKET (SUBJECT CODE 405)

CLASS X (SESSION 2023-2024)

SAMPLE PAPER-1

Max. Time Allowed: 2 Hour **Max. Marks: 50**

सामान्य निर्देश

1. कृपया निर्देशों को ध्यान से पढ़ें

2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 21 प्रश्न हैं: खंड ए और खंड बी।

3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं जबकि खंड बी में सब्जेक्टिव प्रकार के प्रश्न होते हैं।

4. दिए गए (5 + 16 =) 21 प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 2 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (5 + 10 =) 15 प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

6. खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (24 अंक):

i. इस खंड में 05 प्रश्न हैं।

ii. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

iii. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

iv. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

7. खंड बी - व्यक्तिपरक प्रकार के प्रश्न (26 अंक):

i. इस खंड में 16 प्रश्न हैं।

ii. एक उम्मीदवार को 10 प्रश्न करने होते हैं।

iii. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें।

iv. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंकों का उल्लेख किया गया है।

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

प्रश्न.1 रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक)

i. वह व्यक्ति जो संचार शुरू करता है उसे _____ के रूप में जाना जाता है।

(ए) प्रेषक **(बी) रिसीवर**

(सी) ट्रांसमीटर **(डी) कर्मचारी**

ii. अमित अपने स्कूल के बाद के सभी घंटों को अधिक से अधिक नमूना प्रश्न पत्रों का अभ्यास करने में व्यतीत करता है। वह अपनी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है ताकि शहर में अपने सपनों के कॉलेज में प्रवेश ले सके। यह _____ का एक उदाहरण है।

(ए) आत्म प्रेरणा **(बी) आत्म नियंत्रण**

(सी) आत्म जागरूकता **(डी) आत्म प्रबंधन**

iii. "स्व-जागरूक" से आपका क्या तात्पर्य है?

iv. आईसीटी का अर्थ है _____

(ए) सूचना और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी

(बी) सूचना और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी

(सी) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

(डी) सूचनात्मक और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी

v. मेरा व्यवसाय चलाना कठिन है। लेकिन, मैं धैर्यवान हूं क्योंकि मुझे पता है कि सफलता जल्द मिलेगी। एक उद्यमी के इस गुण को पहचानिए।

(ए) आत्म प्रेरित **(बी) धैर्यवान**

(स) लाभ कमाने के लिए **(द) ईमानदार**

vi. एक व्यक्ति के लिए आवश्यक मुख्य कौशल जो पर्यावरण के प्रति योगदान करना चाहता है।

(ए) पर्यावरण जागरूकता

(बी) सतत विकास के बारे में जानने की इच्छा

(सी) दोनों (ए) और (बी)

(डी) खेती के बारे में जानकारी होना

प्रश्न.2 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. _____ म्युचुअल फंड का एक विशेष रूप है जो अत्यंत अल्पकालिक निश्चित आय उपकरणों में निवेश करता है और इस प्रकार आसान तरलता प्रदान करता है।

(ए) हाइब्रिड फंड (बी) लिक्विड फंड

(सी) मनी मार्केट फंड (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (डी) दोनों (बी) और (सी)

ii. बाजार जो पहले जारी की गई प्रतिभूतियों में सौदा करता है।

(ए) न्यू इश्यू मार्केट (बी) प्राइमरी मार्केट

(सी) सेकेंडरी मार्केट (डी) दोनों (a) और (b)

उत्तर (सी) सेकेंडरी मार्केट

iii. कंपनी X ने बाजार में 1 करोड़ शेयर जारी किए हैं। शेयर का मौजूदा बाजार मूल्य रु। 250. कंपनी X के कुल बाजार पूंजीकरण की गणना करें।

उत्तर:- कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण = आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या × वर्तमान बाजार मूल्य = 1,00,00,000 × 250 = रुपये 250,00,00,000

iv. एक दस्तावेज़ जिसमें ऑर्डर संख्या, ऑर्डर समय, व्यापार संख्या और व्यापार समय का विवरण होता है। दस्तावेज़ को नाम दें।

(ए) अनुबंध नोट (बी) वचन पत्र

(सी) एक्सचेंज बिल (डी) डिलीवरी रसीद

उत्तर:- कॉन्ट्रेक्ट नोट

v. सेबी के नियमों के अनुसार, निक्षेपागार भागीदार बन सकते हैं।

(ए) बैंक (बी) वित्तीय संस्थान

(सी) सेबी पंजीकृत व्यापार सदस्य (डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (डी) उपरोक्त सभी

vi. एक्स-डेट का मतलब क्या होता है?

उत्तर:- पूर्व-तिथि नो-डिलीवरी अवधि का पहला दिन है।

प्रश्न.3 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. मकानों की कीमत के कारण साधन को विकास निवेश माना जाता है और मध्यम से दीर्घावधि अवधि में काफी हद तक उत्पन्न हो सकता है। संपत्ति के प्रकारों को पहचानें।

(ए) वित्तीय संपत्ति (बी) अमूर्त संपत्ति

(सी) रियल एसेट (डी) दोनों (बी) और (सी)

उत्तर (सी) रियल एसेट

ii. सही या गलत बताएं, सेबी एक वैधानिक नियामक निकाय है।

उत्तर:- यह सत्य कथन है, सेबी को 30 जनवरी, 1992 को जारी एक अध्यादेश के माध्यम से वैधानिक दर्जा और शक्तियाँ प्रदान की गई थी।

iii. सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) विनियम, 2009 के अनुसार आवंटन का आधार इश्यू की समाप्ति तिथि से _____ के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

(ए) पांच दिन (बी) आठ दिन

(सी) दस दिन (डी) ग्यारह दिन

उत्तर (बी) आठ दिन

iv. जीरो कूपन बॉण्ड को परिभाषित कीजिए।

उत्तर:- जीरो-कूपन बॉन्ड एक ऐसा बॉन्ड है जो बिना किसी ब्याज के भुगतान करता है और अपने अंकित मूल्य पर छूट पर कारोबार करता है।

v. _____ का अर्थ है कि किसी विशेष प्रतिभूति की सभी धारिताएं समान और विनिमेय होंगी।

(ए) गैर-हस्तांतरणीय (बी) तरलता

(सी) फ्यूचरिस्टिक (डी) फंजिबल

उत्तर (डी) फंगिबल

vi. भावना को लगता है कि उसे एक्स लिमिटेड का शेयर खरीदना चाहिए, इसके लिए वह अनुमानित भविष्य की कीमत पर पहुंचने के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस), पी/ई अनुपात, इक्विटी के वर्तमान आकार को देखती है। इस प्रकार के विश्लेषण को पहचानें।

(ए) औद्योगिक विश्लेषण (बी) वित्तीय विश्लेषण

(सी) कॉर्पोरेट विश्लेषण (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (बी) वित्तीय विश्लेषण।

प्रश्न.4 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. बांड, डिबेंचर, पट्टे, प्रमाण पत्र, विनिमय के बिल और वचन पत्र _____ के उदाहरण हैं।

(ए) इक्विटी साधन (बी) हाइब्रिड साधन

(सी) ऋण साधन (डी) दोनों (ए) और (सी)

उत्तर (सी) ऋण साधन

ii. निर्गम मूल्य से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:- जिस मूल्य पर किसी कंपनी के शेयरों को प्राथमिक बाजार में शुरू में पेश किया जाता है, उसे निर्गम मूल्य कहा जाता है।

iii. जिन कंपनियों की बिक्री और कमाई में वृद्धि की संभावना उत्कृष्ट है, वे बाजार की अन्य कंपनियों या उसी उद्योग के अन्य शेयरों की तुलना में तेजी से बढ़ रही हैं। स्टॉक/शेयर की पहचान करें।

(ए) ग्रोथ स्टॉक (बी) आय स्टॉक

(सी) पेनी स्टॉक (डी) वैल्यू स्टॉक

उत्तर (ए) ग्रोथ स्टॉक

iv. _____ खरीदने या बेचने का अधिकार प्राप्त करने की कीमत है। यह विकल्प खरीदार द्वारा विकल्प विक्रेता को खरीदने या बेचने का अधिकार प्राप्त करने के लिए भुगतान की गई कीमत है।

(ए) प्रीमियम (बी) ब्रोकरेज

(सी) मार्जिन (डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (ए) प्रीमियम

v. म्यूचुअल फंड नियमित रूप से निवेशकों को उनके निवेश के मूल्य और निवेश के पूर्ण पोर्टफोलियो प्रकटीकरण के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। म्युचुअल फंड के लाभ को पहचानें।

(ए) विकल्प (बी) पारदर्शिता

(सी) विनियमन (डी) विविधीकरण

उत्तर (बी) पारदर्शिता

vi. एक _____ धन के उपयोग के साथ धन के स्रोतों के मिलान को इंगित करता है।

(ए) लाभ और हानि खाता (बी) आय विवरण

(सी) बैलेंस शीट (डी) दोनों (ए) और (बी)

उत्तर (सी) बैलेंस शीट

प्रश्न.5 दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 का उत्तर दें (1 × 5 = 5 अंक)

i. सावधि जमा _____ का एक उदाहरण है।

(ए) वित्तीय संपत्ति (बी) वास्तविक संपत्ति

(सी) भौतिक संपत्ति (डी) मूर्त संपत्ति

उत्तर (ए) वित्तीय संपत्ति

ii. अमेरिकी डिपॉजिटरी रसीद का कारोबार _____ में किया जाता है

(ए) न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई)

(बी) अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज (एएमईएक्स)

(सी) NASDAQ

(डी) ये सभी

उत्तर (डी) ये सभी

iii. पोर्टफोलियो को परिभाषित करें।

उत्तर:- पोर्टफोलियो को विभिन्न निवेश संपत्तियों के संयोजन और एक निवेशक के वित्तीय लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से मेल खाने के रूप में परिभाषित किया गया है।

iv. अंतर्निहित संपत्तियों की भारी प्रकृति के कारण, भौतिक निपटान भंडारण की आवश्यकता पैदा करता है। उपयुक्त प्रकार के डेरिवेटिव का सुझाव दें।

(ए) वित्तीय डेरिवेटिव (बी) कमोडिटी डेरिवेटिव

(सी) मुद्रा डेरिवेटिव (डी) ब्याज दर डेरिवेटिव

उत्तर (बी) कमोडिटी डेरिवेटिव्स

v. IGC का अर्थ है _____।

(ए) निवेशक शिकायत केंद्र (बी) निवेशक शोक सेल

(सी) निवेशक शिकायत परिषद (डी) निवेशक शिकायत सेल

उत्तर (डी) निवेशक शिकायत सेल

vi. शुद्ध लाभ अनुपात का सूत्र लिखिए।

उत्तर: - शुद्ध लाभ अनुपात = शुद्ध लाभ/बिक्री ×100

खंड बी: सब्जेक्टिव टाइप प्रश्न

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.6 संचार के 7C की सूची बनाएं।
उत्तरः- संचार के 7 सी हैं:- (1) संक्षिप्त (2) स्पष्ट (3) पूर्ण (4) सही (5) सुसंगत (6) ठोस (7) विनम्र

प्रश्न.7 महाशियां दी हट्टी (एमडीएच) प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक महाशय धर्मपाल गुलाटी ने करोल बाग में एक छोटी सी दुकान से शुरुआत की थी, लेकिन अपने ध्यान, समर्पण और स्पष्ट विचारों के साथ, एमडीएच (स्पाइस कंपनी) भारत में सबसे लोकप्रिय ब्रांडों में से एक बन गया। इसके अलावा पूरी दुनिया में अच्छी प्रतिष्ठा है।
स्व-प्रेरित व्यक्तियों के गुणों की पहचान करें?
उत्तरः- स्वप्रेरित व्यक्ति के गुण नीचे दिए गए हैं:-
(ए) उद्देश्य या उद्देश्य: - जानें कि वे जीवन से क्या चाहते हैं।
(बी) वे केंद्रित हैं।
(सी) वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए समर्पित हैं
(डी) उनके पास स्पष्ट विचार हैं।
(ई) वे सफल हैं और उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है।

प्रश्न.8 हार्डवेयर क्या है? विभिन्न हार्डवेयर के नाम लिखिए।
उत्तरः- जिन भौतिक भागों को हम देख और छू सकते हैं, उन्हें हार्डवेयर कहते हैं। यह एक कंप्यूटर की मशीनरी है।
विभिन्न हार्डवेयर घटक हैं: - मॉनिटर, कीबोर्ड, सीपीयू और प्रिंटर आदि।

प्रश्न.9 एक उद्यमी के कार्य क्या हैं?
उत्तर :- उद्यमियों के निम्नलिखित कार्य हैं
1. निर्णय लेना
2. व्यवसाय का प्रबंधन
3. आय को विभाजित करें
4. जोखिम उठाना
5. एक नई विधि, विचार या उत्पाद बनाएँ

प्रश्न.10 सतत विकास लक्ष्यों का वर्णन करें।
उत्तरः- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और सभी लोगों को शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई का एक सार्वभौमिक आह्वान है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को सितंबर 2015 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास शिखर सम्मेलन में लॉन्च किया गया था, जो सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का गठन करता है। व्यवसायों, सरकारों और समाज के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों का ध्यान रखने के उद्देश्य से 17 एसडीजी बनाए गए हैं।

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दीजिए (2 x 4 = 8 अंक)

प्रश्न.11 लिस्टिंग का अर्थ है एक औपचारिक समझौते के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग विशेषाधिकारों (डीलिंग) के लिए जारीकर्ता की प्रतिभूतियों का प्रवेश। एक्सचेंज पर लेन-देन में प्रवेश का मुख्य उद्देश्य प्रतिभूतियों को तरलता और विपणन क्षमता प्रदान करना है, साथ ही व्यापार के प्रभावी नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए एक तंत्र प्रदान करना है।

(ए) लिस्टिंग से क्या मतलब है?

(बी) लिस्टिंग का उद्देश्य क्या है?

उत्तर:- (ए) लिस्टिंग एक औपचारिक समझौते के माध्यम से एक स्टॉक एक्सचेंज पर व्यापार करने के लिए एक जारीकर्ता की प्रतिभूतियों का प्रवेश है।

(बी) मुख्य उद्देश्यों की सूची नीचे दी गई है।

(1) प्रतिभूतियों को तरलता और विपणन क्षमता प्रदान करना

(2) व्यापार के प्रभावी और नियंत्रण के लिए एक तंत्र

प्रश्न.12 भारत में ऋण बाजार में खंडों का उल्लेख करें।

उत्तर: - भारत में ऋण बाजार के तीन प्रमुख खंड हैं। ये नीचे दिए गए हैं:-

(ए) सरकारी प्रतिभूतियां: - बाजार में केंद्र, राज्य और राज्य प्रायोजित प्रतिभूतियां शामिल हैं।

(बी) सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां (पीएसयू):- पीएसयू बांड जारी करता है, और अधिकांश बांड कर मुक्त होते हैं।

(c) कॉर्पोरेट प्रतिभूतियाँ: - कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट में कमर्शियल पेपर और बॉन्ड शामिल होते हैं।

प्रश्न.13 डिपॉजिटरी में भागीदारी के दो लाभ लिखिए।

उत्तर:- डिपॉजिटरी में भागीदारी के दो लाभ नीचे दिए गए हैं:-

(ए) प्रतिभूतियों के हस्तांतरण में शामिल कागजी कार्रवाई में कमी।

(बी) लेनदेन लागत में कमी।

प्रश्न.14 रोलिंग सेटलमेंट की व्याख्या करें।

उत्तर:- रोलिंग सेटलमेंट लगातार तारीखों पर सुरक्षा ट्रेडों को निपटाने की प्रक्रिया है ताकि आज निष्पादित ट्रेडों की निपटान तिथि कल निष्पादित ट्रेडों की तुलना में एक कारोबारी दिन बाद हो। एक्सचेंज पर लेन-देन के लिए सामान्य निपटान चक्र T+2 दिन है, यानी यदि आप कोई शेयर खरीदते हैं तो इसे आपके डीमैट खाते में जमा होने में 2 दिन लगेंगे।

प्रश्न.15 अधिकृत पूंजी और अभिदत्त पूंजी के बारे में लिखें

उत्तर:- **अधिकृत पूंजी:-** अधिकृत पूंजी वह अधिकतम पूंजी है जो एक कंपनी को जुटाने के लिए अधिकृत है।

सब्स्क्राइब्ड कैपिटल: - सब्सक्राइब्ड कैपिटल जारी की गई पूंजी का वह हिस्सा है जिसे जनता द्वारा सब्सक्राइब (स्वीकार) किया जाता है।

प्रश्न.16 ऋण-इक्विटी अनुपात और ऋण-संपत्ति अनुपात की अवधारणा की व्याख्या करें।

उत्तरः- **ऋण-इक्विटी** अनुपात एक उत्तोलन अनुपात है जो कुल शेयरधारकों की इक्विटी के विरुद्ध कुल ऋण और वित्तीय देनदारियों को मापता है। ऋण-इक्विटी अनुपात व्यवसाय को वित्त देने के लिए लेनदारों और मालिकों के सापेक्ष योगदान को दर्शाता है।

ऋण-इक्विटी अनुपात = कुल ऋण/कुल इक्विटी

ऋण-संपत्ति अनुपातः- कुल ऋण में दीर्घकालिक ऋण और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं। कुल संपत्ति में स्थायी पूंजी और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं।

ऋण-संपत्ति अनुपात = कुल ऋण / कुल संपत्ति

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4 × 3 = 12 अंक)

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 - 80 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न.17 बुक बिल्डिंग प्रोसेस क्या है? बुक-बिल्डिंग प्रोसेस और फिक्स्ड प्राइस इश्यू के बीच अंतर।

उत्तरः- बुक बिल्डिंग एक प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म है जिसका उपयोग शेयर बाजारों में पहली बार प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण करते समय किया जाता है। यह एक ऐसा तंत्र है, जहां, जिस अवधि के लिए आईपीओ खुला है, निवेशकों से विभिन्न कीमतों पर बोलियां एकत्र की जाती हैं, जो कि फ्लोर प्राइस से ऊपर या उसके बराबर होती हैं। बोली समापन तिथि के बाद प्रस्ताव मूल्य निर्धारित किया जाता है।

बुक बिल्डिंग इश्यू और फिक्स्ड प्राइस इश्यू के बीच अंतर

बुक बिल्डिंग सिक्योरिटीज में फ्लोर प्राइस से ऊपर या उसके बराबर की कीमतों की पेशकश की जाती है, जबकि पब्लिक इश्यू के मामले में सिक्योरिटीज को एक निश्चित कीमत पर पेश किया जाता है। बुक बिल्डिंग के मामले में जैसे-जैसे बुक बनती है वैसे-वैसे डिमांड हर रोज जानी जा सकती है। लेकिन पब्लिक इश्यू के मामले में डिमांड को इश्यू के अंत में जाना जाता है।

प्रश्न.18 विविधीकरण को परिभाषित करें। पोर्टफोलियो के विविधीकरण के क्या लाभ हैं?

उत्तरः- विविधीकरण को एक तंत्र के रूप में परिभाषित किया गया है जो एक पोर्टफोलियो के भीतर निवेश की एक विस्तृत श्रृंखला का मिश्रण है। यह समग्र पोर्टफोलियो प्रदर्शन पर किसी एक सुरक्षा के प्रभाव को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पोर्टफोलियो के विविधीकरण के लाभ

1. जोखिम कम करें। पोर्टफोलियो विविधीकरण का मुख्य उद्देश्य आपके निवेश पर जोखिम को कम करना है।

2. जोखिम फैलाओ। यह विविधीकरण के प्रमुख लाभों में से एक है। एक अच्छी तरह से डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो डाउनट्रेंड के झटकों को बेहतर ढंग से अवशोषित कर सकता है। जब आप अलग-अलग संपत्ति वर्गों में निवेश करते हैं तो जोखिम अच्छी तरह फैल जाता है। एक परिसंपत्ति के गैर-निष्पादन की भरपाई दूसरे परिसंपत्ति वर्ग द्वारा की जाती है।

3. अन्य क्षेत्रों में मौजूद विकास के अवसरों का लाभ उठाएं। जब आप विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो आप उनमें विकास के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

4. स्थिरता प्रदान करता है। एक अच्छी तरह से विविधतापूर्ण वातावरण बहुत आवश्यक स्थिरता प्रदान करता है। यह बाजार में गिरावट का बेहतर मुकाबला कर सकता है।

प्रश्न.19 म्युचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान नहीं करते हैं। उनका रिटर्न उनके प्रदर्शन से जुड़ा होता है। वे शेयरों, डिबेंचर, बॉन्ड आदि में निवेश करते हैं। इन सभी निवेशों में जोखिम का तत्व शामिल होता है। इकाई मूल्य कंपनी के प्रदर्शन के आधार पर भिन्न हो सकता है और यदि कोई कंपनी अपने डिबेंचर/बांड पर ब्याज/मूलधन के भुगतान में चूक करती है तो फंड का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा अगर किसी उद्योग में अचानक मंदी आती है या सरकार एक नए नियम के साथ आती है जो किसी विशेष उद्योग या कंपनी को प्रभावित करती है तो फंड पर फिर से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ये सभी कारक म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

- **(ए) क्या म्यूचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करते हैं?**
- **(बी) उन प्रतिभूतियों के नाम बताएं जिनमें म्युचुअल फंड निवेश करते हैं?**
- **(सी) यदि कोई कंपनी अपने डिबेंचर/बांड पर ब्याज/मूलधन के भुगतान में चूक करती है तो फंड का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है**
- **(डी) सरकार एक नए नियम के साथ आती है जो किसी विशेष उद्योग या कंपनी को प्रभावित करती है, फंड फिर से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकता है।**

उत्तर (ए) म्यूचुअल फंड सुनिश्चित रिटर्न प्रदान नहीं करते हैं।

(बी) जिन प्रतिभूतियों में फंड निवेश करता है, वे नीचे दी गई हैं: -

(1) शेयर (2) डिबेंचर और बांड (3) सरकारी प्रतिभूतियां (डी) अन्य संपत्ति वर्ग जैसे सोना, रियल एस्टेट, आदि।

(सी) क्रेडिट जोखिम

(डी) अनियंत्रित जोखिम या गैर बाजार जोखिम

प्रश्न.20 शेयरों की पुनर्खरीद से क्या तात्पर्य है? किसी कंपनी को शेयर वापस खरीदने की अनुमति कैसे दी जाती है?

उत्तर:- बाय-बैक एक कॉर्पोरेट कार्रवाई है जिसमें एक कंपनी मौजूदा शेयरधारकों से आमतौर पर बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर अपने शेयर वापस खरीदती है। जब यह वापस खरीदता है, तो बाजार में बकाया शेयरों की संख्या कम हो जाती है। बायबैक कंपनी द्वारा अपने शेयरों में तरलता में सुधार करने और शेयरधारकों की संपत्ति बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है।

सेबी (प्रतिभूतियों की वापसी खरीद) विनियम, 1998 के तहत, एक कंपनी को अपना हिस्सा वापस खरीदने की अनुमति है:

(ए) मौजूदा शेयरधारकों को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से आनुपातिक आधार पर।

(बी) बुक बिल्डिंग प्रक्रिया का उपयोग करके स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से खुला बाजार।

(c) ऑड लॉट शेयर रखने वाले शेयरधारक।

प्रश्न.21 अचल संपत्तियों के उपशीर्षक के तहत निम्नलिखित शब्द को परिभाषित करें: -

- **(ए) सकल-ब्लॉक या सकल अचल संपत्ति**
- **(बी) मूल्यह्रास**
- **(सी) नेट ब्लॉक**

(डी) पूंजी-कार्य प्रगति पर है

उत्तर:- (ए) सकल-ब्लॉक या सकल अचल संपत्ति:- सभी अचल संपत्तियों को प्राप्त करने के कुल मूल्य को 'सकल ब्लॉक' या "सकल अचल संपत्ति" कहा जाता है।

(बी) मूल्यह्रास: - भूमि को छोड़कर सभी अचल संपत्तियों का एक निश्चित जीवन है। यह माना जाता है कि हर साल संपत्ति का मूल्य उपयोग के कारण गिरता है। मूल्य में इस कमी को 'मूल्यह्रास' कहा जाता है।

(सी) नेट ब्लॉक: - मूल्यह्रास के लिए प्रदान करने के बाद अचल संपत्तियों के मूल्य को 'नेट ब्लॉक' कहा जाता है।

(डी) पूंजी-कार्य प्रगति पर:- निर्माण के तहत एक नए संयंत्र के लिए उपयोग की जाने वाली पूंजी/निधि, एक मशीन जिसे अभी चालू किया जाना है आदि 'पूंजीगत कार्य प्रगति पर' के उदाहरण हैं।